राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 87
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 11 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 जानलेवा हुई बारिश : पुरानी दिल्ली में इमारत गिरी, बच्ची सहित तीन की मौत; गुरुग्राम में छह बच्चों की मौत

पेज 5 फतेहपुर में आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराने और पैसा दिलाने की मांग कर पहुंचे पीड़ित

पेज 7 मिसाइल अटैकों के बाद पुतिन ने दी हमले और तेज करने की धमकी, जी-7 की शरण में जेलेंस्की

महाराष्ट्र में शरद पवार करेंगे भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत

नयी दिल्ली। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में मिल रहे भारी जन समर्थन के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए चल रही भारत जोड़ो यात्रा का महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार स्वागत करेंगे। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि श्री पवार और उनकी पुत्री तथा लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले भारत जोड़ो यात्रा के महाराष्ट्र में प्रवेश करने पर पदयात्रियों का स्वागत करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा को दक्षिण भारत में भारी जनसमर्थन मिलने के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों का भी साथ मिल रहा है। यात्रा में अब तक आरएसपी, सीएमपी, जनता दल-एस सहित कई दलों के नेता शामिल हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अभी यात्रा कर्नाटक में है और महाराष्ट्र में पदयात्री नौ नवम्बर को पहुंचेंगे। कर्नाटक के बाद पदयात्री तेलंगाना में प्रवेश करेंगे और राज्य में करीब 13 दिन का सफर तय करेंगे। यात्री दल 18 से 21 अक्टूबर तक आंध प्रदेश में रहेगा और उसके बाद तेलंगाना पुहंच जाएगा। तेलंगाना में यात्रा के दौरान दीपावली पर्व आ रहा है इसलिए यात्रा 24 एवं 25 को स्थगित रहेगी। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए कर्नाटक में 17 अक्टूबर को पार्टी के डेलीगेट्स मतदान करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा उस दिन कर्नाटक में जिस स्थान पर भी होगी उसमें शामिल 41 डेलीगेट्स के लिए वहीं वोट देने की सुविधा होगी जबकि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के डेलीगेट्स बेंगलुरु में मतदान करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खडगे का कर्नाटक गृहराज्य भी है।

मुलायम सिंह का अंतिम संस्कार आज

82 साल के मुलायम का गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में 50 दिन से इलाज चल रहा था

लखनऊ/नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का सोमवार सुबह 8:16 बजे निधन हो गया। 82 साल के मुलायम का गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में 50 दिन से इलाज चल रहा था। यूरिन और बीपी की प्रॉब्लम बढ़ने के बाद 2 अक्टूबर को उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। इसके बाद उनकी हालत बिगड़ती गई।

मुलायम के निधन पर उत्तर प्रदेश में 3 दिन और बिहार में एक दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया गया है। अंतिम संस्कार के लिए मुलायम की पार्थिव देह सैफई स्थित पैतृक निवास लाई गई है। मंगलवार दोपहर 3 बजे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ शाम को सैफई पहुंचे और मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी।

अंतिम संस्कार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी भी मौजूद रहेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी भी अंतिम संस्कार में शामिल हो सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को श्रद्धांजलि देने के लिए मेदांता भी पहुंचे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राजद चीफ लालू यादव समेत

सभी बड़े नेताओं ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के रक्षा मंत्री रह चुके मुलायम को श्रद्धांजलि दी है।

मुलायम पिछले दो साल से बीमार चल रहे थे, 26 सितंबर से मेदांता में भर्ती थे

मुलायम सिंह यादव दो साल से बीमार चल रहे थे। परेशानी अधिक बढ़ने पर उन्हें अक्सर हॉस्पिटल में भर्ती कराया जाता रहा। पिछले साल उन्हें कोरोना भी हुआ था।26 सितंबर 2022 को आखिरी बार चेकअप के लिए मुलायम सिंह यादव मेदांता गुरुग्राम पहुंचे थे। तब से आखिर तक वे वहीं भर्ती थे। 5 सितंबर 2022 को भी मुलायम सिंह को मेदांता में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। अक्टूबर 2020 में मुलायम कोरोना पॉजिटिव भी हो गए थे, हालांकि उन्होंने वैक्सीन लगवाई थी। अगस्त 2020 में पेट दर्द के चलते मेदांता में भर्ती कराए गए थे। जांच में यूरिन इन्फेक्शन का पता चला था।

तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री और सात बार सांसद रहे

जवानी के दिनों में पहलवानी का शौक रखने वाले मुलायम सिंह ने 55 साल तक राजनीति की। मुलायम सिंह 1967 में 28 साल की उम्र में जसवंतनगर से पहली बार विधायक बने। जबकि उनके परिवार का कोई राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं था। 5 दिसंबर 1989 को मुलायम पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। बाद में वे दो बार और प्रदेश के छ्टरूरहे। उन्होंने केंद्र में देवगौड़ा और गुजराल सरकार में रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली। नेताजी के नाम से मशहूर मुलायम सिंह सात बार लोकसभा सांसद और नौ बार विधायक चुने गए।

1992 में सपा बनाई, फिर सियासत के महारथी बन गए

मुलायम सिंह यादव ने 4 अक्टूबर 1992 को लखनऊ में समाजवादी पार्टी बनाने की घोषणा की थी। मुलायम सपा के अध्यक्ष, जनेश्वर मिश्र उपाध्यक्ष, कपिल देव सिंह और मोहम्मद आजम खान पार्टी के महामंत्री बने। मोहन सिंह को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। इस ऐलान के एक महीने बाद यानी 4 और 5 नवंबर को बेगम हजरत महल पार्क में उन्होंने पार्टी का पहला राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया।

9 राज्यों में बारिश का अलर्ट

दिल्ली में बिल्डिंग गिरने से 3 की मौत; यूपी में 4 दिन में 30 की मौत, नोएडा में स्कूल बंद

नई दिल्ली/ लखनऊ/ भोपाल। मानसून सीजन जाने के बाद भी देश भर में बारिश का कहर जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन (10 और 11 अक्टूबर) उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, आंध्र प्रदेश, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। उधर, दिल्ली में अक्टूबर में बारिश ने बीते 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। 2007 के बाद पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली में इमारत ढही, 3 की मौत

दिल्ली के लाहौरी गेट के पास रविवार रात दो मंजिला इमारत ढह गई। बारिश की वजह से हुए इस हादसे में चार साल की एक बच्ची समेत 3 की मौत हो गई। वहीं, गुरुग्राम में बरसाती तालाब में डूबने से 6 बच्चों की मौत हो गई। सभी नहाने उतरे थे। इन सभी के शव मिल गए हैं। मरने वालों की उम्र 8 से 13 साल के बीच है।

यूपी : लखनऊ-कानपुर में 15 घंटे से नॉनस्टॉप बारिश

यूपी के ज्यादातर जिलों में 4 दिन से लगातार हो रही बारिश की वजह से अब तक 30 लोगों की मौत हो गई। मथुरा, आगरा, लखनऊ, नोएडा, अलीगढ़, कानपुर, आगरा, मेरठ और मुरादाबाद समेत 15 जिलों में सोमवार को 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश : 20 अक्टूबर के बाद भी बारिश होने के आसार

मध्यप्रदेश से मानसून फिलहाल लौटने के मूड में नहीं है। प्रदेश में बंगाल की खाड़ी के चक्रवाती सिस्टम और ट्रफ लाइन के कारण पिछले 5 दिन से बारिश हो रही है। बारिश का ये दौर 20 अक्टूबर के बाद भी जारी रह सकता है। बंगाल की खाड़ी के चक्रवाती सिस्टम और ट्रफ लाइन प्रदेश से गुजरने की वजह से ऐसा होगा।

राजस्थान : 22 जिलों में अलर्ट, 11 अक्टूबर तक बिजली गिरने की चेतावनी

राजस्थान के जिलों में रविवार से बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, ज्यादातर शहरों में अगले दो दिन अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रह सकता है। 10 अक्टूबर को भी सभी 7 संभागों में बारिश का अलर्ट है। पश्चिमी राजस्थान में मौसम साफ और ड्राय रहेगा

बिहार : 19 जिलों में बारिश का अलर्ट, 12 अक्टूबर तक ठंड दे सकती है दस्तक

बिहार के 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। अगले 48 घंटे में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इधर, नेपाल में हो रही लगातार बारिश के चलते गंडक नदी उफान पर चल रही है। गंडक से सटे गोपालगंज, मोतिहारी में गंडक खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को उत्तर पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है।

ओडिशा में फुटबॉल मैच के दौरान बिजली गिरी, दो की मौत और 21 घायल

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक फुटबॉल मैच के दौरान बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य झुलस गए। मरने वालों में एक फुटबॉल खिलाड़ी था। वहीं, घायलों में ज्यादातर दर्शक थे। घटना रविवार को नुआगांव ब्लॉक के बनीलाटा में एक स्थानीय फुटबॉल मैच के दौरान हुई। पुलिस ने बताया कि घटना के समय आसमान में बादल छाए हुए थे, लेकिन बारिश नहीं हो रही थी।

दिल्ली : बारिश ने 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

मौसम विभाग ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में पूरे अक्टूबर में बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग का कहना है कि लगातार बारिश से तापमान में काफी गिरावट आई है और शहर की एयर क्वालिटी में भी सुधार हुआ है। राजधानी में रविवार को दिनभर हुई बारिश ने पिछले 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 2007 के बाद दिल्ली में 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को भी बारिश की चेतावनी जारी की है।

बर्फबारी के बाद हेमकुंड साहिब की यात्रा रोकी गई

हेमकुंड समेत चारों धामों में रुक-रुक कर हिमपात हो रहा है। बर्फबारी के कारण रविवार को हेमकुंड साहिब की यात्रा को रोक दिया है। मौसम साफ होने बाद ही यात्रा शुरू की जाएगी। घांघरिया में 250 तीर्थयात्री रोके गए हैं। उत्तराखंड की पहाड़ियों में अक्टूबर में पांचवी बार हिमपात हुआ। मौसम विभाग ने 12 अक्टूबर तक उत्तराखंड में तेज बारिश होने की भी आशंका जताई है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों को पहाड़ी क्षेत्रों की यात्रा ना करने की हिदायत दी है।

सिक्किम-बंगाल का सड़क संपर्क टूटा

सिक्किम में लैंडस्लाइड के चलते गंगटोक और पश्चिम बंगाल का सड़क संपर्क टूट गया है। सिंगतम और रंगपो के बीच दो जगह, एनएच-10 पर बड़े-बड़े बोल्डर जमा हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया- मलबे को हटाने और मार्ग को खोलने में पूरा दिन लग सकता है। सिलीगुड़ी की ओर जाने वाले लोगों को पश्चिम बंगाल सीमा में प्रवेश करने के लिए सेंट्रल पेंडम या पैकयोंग से गुजरने वाली सड़कों का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में एनकाउंटर

सुरक्षाबलों ने लश्कर के 2 आतंकियों को मार गिराया

जम्मू/श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। यहां तंगपावा इलाके में सुरक्षाबलों ने दो आंतकियों को मार गिराया है। पुलिस और सुरक्षाबलों का जॉइंट ऑपरेशन अभी भी जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, अभी भी कुछ आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद रविवार शाम तंगपावा की तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान घेरा सख्त होने पर छिपे आतंकियों ने

फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई। एडीजीपी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकी लश्कर से जुड़े थे। वे कई आतंकी अपराध के मामलों में शामिल थे। अक्टूबर में अब तक 7 आतंकियों का एनकाउंटर किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में लश्कर और जैश के 4 आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 5 अक्टूबर को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 4 स्थानीय आतंकी मारे गए। शोपियां के द्राच इलाके में मंगलवार शाम से शुरू हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के 3 स्थानीय आतंकवादी मारे गए। इधर, मूलू में बुधवार तड़के शुरू हुई दूसरी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी को मार गिराया है। द्राच इलाके में मारे गए दो आतंकवादियों की पहचान हनान बिन याकूब और जमशेद के तौर पर हुई है। ये दोनों पुलवामा के पिंगलाना में 1 अक्टूबर को SPO जावेद डार की हत्या और पुलवामा में 24 सितंबर को पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की हत्या में शामिल थे।

ऑपरेशन ऑल आउट जारी

घाटी में ऑपरेशन ऑल आउट जारी है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के अहवातू में 27 सितंबर को सुरक्षाबलों जैश के दो आतंकियों को मार गिराया था। वहीं, 26 सितंबर की रात कुलगाम के वेस बटपोरा इलाके में एक आतंकी को मार गिराया था।

देशभर में मानसिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र शुरु

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर देशभर में 'टेली मेंटल हेल्थ असिस्टेंस एंड नेटवर्किंग' सेवा - टेली-मानस की शुरूआत की जिससे 24 घंटे संपर्क किया जा सकता है। मंत्रालय ने यहां बताया कि ये सेवाएं पूरे देश में 24 घंटे और सातों दिन उपलब्ध होंगी और इन पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से मदद ली जा सकती है। इसके अलावा इस अवसर पर एक निशुल्क फोन नंबर - 14416 भी जारी किया गया है। ऑनलाइन शुरु की गयी इन सेवाओं के शुरूआत के समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत भी शामिल हुए। केंद्र सरकार ने केंद्रीय बजट में राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य पूरे देश में चौबीसों घंटे मुफ्त टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। कार्यक्रम में उत्कृष्टता के 23 टेली-मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों का एक नेटवर्क शामिल है।

बैठे-बिठाए सरपंच बनाओ, 2 करोड़ लो

हरियाणा के फतेहाबाद में 3 नेताओं ने दिया ऑफर; 21 लाख से शुरू हुई सरपंची की 'बोली'

फतेहाबाद। हरियाणा में पंचायत चुनाव की घोषणा के साथ ही सरपंच बनने के इच्छुक लोग सौदेबाजी पर उतर आए हैं। ऐसा ही एक मामला फतेहाबाद के गांव ढिंगसरा में सामने आया है। गांव ढिंगसरा के 3 नेताओं के वीडियो सामने आए हैं।

यह लोग सर्वसम्मति से उन्हें सरपंच चुने जाने पर 21 लाख से 2 करोड़ रुपए तक देने का ऐलान कर रहे हैं। हालांकि ये सौदेबाजी गांव के विकास के नाम पर की जा रही है।

अजयपाल सिंह ₹21 लाख | प्रितपाल सिंह ₹51 लाख | जय सिंह तरड़ ₹2 करोड़

एक-दूसरे से बढ़-चढ़कर लगाई बोली

फतेहाबाद के गांव ढिंगसरा से लगातार ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें सरपंच पद के संभावित प्रत्याशी खुले तौर पर रुपए बांटने की बात कह रहे हैं। अब तक 3 लोगों के वीडियो सामने आ चुके हैं। 2 वीडियो कल वायरल हुए थे, जिनमें चुनाव लड़ने के इच्छुक 2 ग्रामीण 21 लाख और 51 लाख की पेश कर रहे थे। वहीं आज एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें व्यक्ति ने खुद को जय सिंह तरड़ बताया और कहा कि यदि उसे बैठे-बिठाए सरपंच बना देंगे तो वे 2 करोड़ रुपए गांव के विकास के लिए दे देंगे।

तीनों ने एक-दूसरे से बढ़कर लगाई बोली

तीनों ही लोग खुद को उन्होंने गांव के लोगों से उसको सरपंच चुनने का आह्वान किया है। प्रितपाल सिंह डूडी नामक शख्स ने घोषणा की कि सर्वसम्मति से उन्हें यदि सरपंच चुन लिया गया तो वे गांव के विकास में 51 लाख रुपए देंगे। अजय पाल सिंह ने वीडियो जारी कर कहा था कि यदि उन्हें निर्विरोध सरपंच चुन लिया जाता है तो वे गांव को विकास के लिए 21 लाख रुपए देंगे। इन सबसे ऊपर जय सिंह तरड़ ने सरपंची के लिए 2 करोड़ रुपए की पेशकश की है।

डीसी ने झाड़ा पल्ला

इस बारे में फ़तेहाबाद के डीसी जगदीश शर्मा से बातचीत करने की कोशिश की गई तो उन्होंने मीडिया से बातचीत करने पर मना कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में वे एसपी से बात करें।

देश में बदलते मौसम के बीच कोरोना नये मामलो में हुई वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में बदलते मौसम के बीच पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 2,424 नये मामले सामने आने के साथ ही इस बीमारी से प्रभावितों की संख्या बढ़कर 4,46,14,437 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 218.99 करोड़ टीके लगाए गए। देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 संक्रमण से 2,923 लोग स्वस्थ हुए है, जिससे अब कोरोना से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,40,57,544 हो गयी है और स्वस्थ दर 98.75 प्रतिशत है। इसी अवधि में तीन मरीजों की मौत हुई है जिसके बाद मृतकों की संख्या 5,28,814 तक पहुंच गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामले में 514 की गिरावट दर्ज की गयी है, जिससे अब ऐसे कुल मामलों की संख्या घटकर 28,079 रह गयी है एवं सक्रिय दर 0.06 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इसी अवधि में 13 राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों में वृद्धि हुई है जो पिछले दिनों की तुलना में बहुत ज्यादा है और अन्य राज्यों तथा प्रदेशों में कोरोना के मामले में गिरावट आई है।

पिछले 24 घंटे में तमिलनाडु में कोरोना के 138 संक्रमित मामले घटने के बाद सक्रिय मामले घटकर 4707 रह गए हैं और इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 35,44,171 हो गयी है और इस दौरान किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों का आंकड़ा 38048 पर बरकरार है जबकि महाराष्ट्र में कोविड-19 संक्रमण के 99 मामले बढ़कर 2366 हो गए हैं। इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 79,74,031 हो गयी। मृतकों की संख्या 148357 पर स्थिर है।

आफत की बारीश

लखनऊ में आज बंद रहेंगे 12वीं तक के स्कूल

झांसी में बिजली गिरने से 6 की मौत: कानपुर में 2 मकान ढहे

एजेंसी

लखनऊ। यूपी के कई जिलों में बीते 5 दिन से लगातार बारिश हो रही है। मगर, रविवार शाम से शुरू हुई बारिश सबसे ज्यादा भीषण रही। तेज बारिश के साथ गरजते बादल और कड़कती बिजली से लोग रात भर चिंता में रहे। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे तक ऐसी ही स्थिति बनी रही। हालांकि इसके बाद धीरे-धीरे बारिश रुकने लगी और लोगों ने राहत की सांस ली।

वहीं झांसी में सोमवार को 6 से ज्यादा स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 से अधिक लोग घायल हैं। घटना के दौरान ज्यादातर लोग खेतों में काम कर रहे थे। बारिश की वजह से लखनऊ डीएम ने मंगलवार को 12वीं तक के स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है।

कानपुर में सोमवार को भीषण बारिश से दो मकान ढह गए। 200 मीटर के दायरे यतीमखाना और साइकिल मार्केट में 2 जर्जर मकान जमींदोज हो गए। कानपुर में पुलिस अनाउंसमेंट कर रही है। मोहल्लों में जाकर पुलिस ने अनाउंस कर 3-4 दिन भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में कोई भी जर्जर मकान में न रहे। उधर, यतीमखाना और साइकिल

मार्केट रोड पर करीब 100 साल पुराना जर्जर मकान 7 सेकेंड में जमींदोज हो गया। मकान के सामने लगे सीसीटीवी में गिरते हुए मकान का वीडियो रिकॉर्ड हुआ। दो गाड़ियां भी इसमें दब गईं।

उधर, मौसम विभाग ने प्रदेश के 52 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें लखनऊ, झांसी समेत 27 जिलों में रेड अलर्ट यानी भारी से भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

सीएम योगी ने बारिश को देखते हुए सभी जिलों के डीएम को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने कहा है कि जहां लोगों को दिक्कत हो रही है, वहां तुरंत राहत पहुंचाएं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े डॉक्टरों और कर्मचारियों को आपातकालीन सेवा के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। बीते 24 घंटों में अलग-अलग जिलों में बारिश से जुड़े हादसों में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

15 से ज्यादा जिलों में स्कूल बंद

उधर, शनिवार को प्रदेश में दिनभर हुई बारिश के बाद लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, मुरादाबाद, इटावा, फर्रुखाबाद, लखीमपुर, अयोध्या, जालौन, अलीगढ़, सीतापुर समेत कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी है। कहीं 8वीं तक तो कहीं 12वीं तक के स्कूलों को बंद कर दिया गया है। प्रदेश में 24 घंटे में 22.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने वाली याचिका खारिज

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ये कोर्ट का काम नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

जस्टिस एस के कौल और जस्टिस अभय की पीठ ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए पूछा कि क्या ये कोर्ट का काम है।

ऐसी याचिकाएं क्यों दायर करते हैं, जिन पर हम जुर्माना लगाने के लिए मजबूर हो जाते हैं। आप अदालत आ गए हैं तो, क्या कानून को अनदेखा किया जाए। किसका मौलिक अधिकार प्रभावित हुआ है, जो आपने अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर की है। आप लोग ऐसी याचिकाएं क्यों दायर करते हैं।

एनजीओ गोवंश सेवा सदन ने दायर की थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग वाली याचिका एनजीओ गोवंश सेवा सदन ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि केंद्र को निर्देश दिए जाएं कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित कर दिया जाए। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि गोरक्षा बहुत जरूरी है। सरकार ने सभी मामलों में कहा है कि गायों की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए। सरकार इस पर विचार करे। हमें सब कुछ गायों से मिल रहा है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के मामलों से कोर्ट का वक्त बरबाद किया जाता है। वहीं वकील को चेतावनी दी और कहा कि मामला वापस ले लिया जाए नहीं तो जुर्माना लगाया जाएगा।

तेलंगाना में भारी वर्षा के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना में विभिन्न स्थानों पर अगले दो दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के अलगनिजामाबाद, यादाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मलकाजीगिरी, नारायणपेट जिलों के कई स्थानों पर भारी बारिश होने के आसार हैं जबकि निजामाबाद, जगतियाल, जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों के अलग-अलग स्थानों पर गुरुवार को भारी बरसात के आसार हैं।

शार्ट न्यूज

खान, विजयन ने मुलायम सिंह के निधन पर जताया शोक

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक जताया। खान ने ट्वीट किया, शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। श्री मुलायम सिंह जी के सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। विजयन ने ट्वीट किया, मुलायम सिंह के निधन का समाचार सुनकर बहुत दुख हुआ। उन्होंने हमेशा धर्मनिरपेक्ष आदर्शों के साथ खड़े रहे और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष किया। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने ट्वीट किया, मुलायम सिंह के निधन से अत्यंत दुखी हूं। देश को उनकी कमी हमेशा खलेगी। कांग्रेस नेता रमेश चेन्नीतला ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह का निधन भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।

पराली जलाने वाले किसानों पर ढाई लाख रुपये से अधिक का जुर्माना

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर जिला प्रशासन द्वारा जिले में धान की पराली जलाने वाले किसानों पर अब तक 253,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जिला उपायुक्त हरप्रीत सिंह सूदन ने सोमवार को बताया कि प्रशासन की टीम लगातार आग वाले खेतों में पहुंच रही है। अभी तक हमारी टीमों को 312 ऐसे स्थान मिले हैं, जहां सेटेलाइट के जरिए आग लगने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि जांच दौरान 131 खेतों में आग लगने की पुष्टि हुई और उक्त किसानों पर जुर्माना लगाया गया। उन्होंने किसानों को आगाह करते हुए कहा कि हमारी नजर हर खेत पर है और जो भी पराली जलाएगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सेना की भर्ती रैली जालंधर में एक दिसंबर से शुरू

जालंधर। पंजाब के सभी जिलों, संघ शासित प्रदेशों और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पात्र उम्मीदवारों के लिए मेजर जनरल राजिंदर सिंह स्पैरो रोड, जालंधर कैंट स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल (प्राथमिक विंग) के ग्राउंड में सैनिक तकनीकी (नर्सिंग सहायक/नर्सिंग सहायक पशु चिकित्सा) की भर्ती के लिए सेना भर्ती रैली एक से पांच दिसंबर तक आयोजित की जा रही है। सेना के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण पहले ही फॉर्म एक अक्टूबर 2022 से 30 अक्टूबर 2022 तक शुरू हो चुका है। ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है और सभी उम्मीदवारों को अपनी पात्रता की जांच करनी चाहिए और सेना भर्ती वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत करना चाहिए, जिन उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकरण किया है, उन्हें उनके ई-मेल पते पर प्रवेश पत्र भेजा जाएगा और रैली के लिए रिपोर्टिंग की तारीख और समय के बारे में सूचित किया जाएगा।

कॉलेज छात्र को अपहरणकर्ताओं के कब्जे से कराया मुक्त, चार गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान में अलवर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पांच लाख रूपए की फिरौती के लिए हथियारों से लेस अपहरणकर्ताओं की कब्जे से एक छात्र को मुक्त कराते हुये चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिक को निरुद्ध किया है। पुलिस ने बताया कि सीकरी थाना क्षेत्र के रहने वाले वकील पुत्र रोजेदार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि नौ अक्टूबर को मेरे मोबाइल पर मेरे भाई शकील ने फोन करके बताया कि शकील को अलवर से किसी ने उठा लिया है। अपहरणकर्ता चार से पांच लाख रूपए की मांग कर रहा है पैसे नहीं देने पर शकील को जान से मारने की धमकी देने के लिए कह रहे हैं। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हेलो टीम गठित की और तकनीकी सहायता के आधार पर खरखड़ा गांव के पास पहाड़ की तलहटी में एक गाड़ी स्विफ्ट डिजायर दिखी जिसका पीछा किया पीछा करते देख आरोपी गाड़ी से उतरकर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया और उन सभी को हिरासत में लिया जिन्होंने अपना नाम उद्योग नगर थाना क्षेत्र निवासी मनीष मीणा, अरावली विहार थाना क्षेत्र निवासी साहिल एमआईए, थाना निवासी मोहनलाल एवं बगड़ तिराया निवासी सूरज मीणा को गिरफ्तार किया और एक नाबालिक अनिरुद्ध किया इसमें एक आरोपी राहुल फरार हो गया जो अरावली विहार थाना क्षेत्र का निवासी है।

कॉलेज छात्र को निर्वस्त्र कर पीटने के मामले में एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में गोगामेडी थाना क्षेत्र में एक कॉलेज छात्र को अगवा कर एक बुरी तरह से मारपीट किए जाने की घटना में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी सहित पांच.छह अभियुक्त फरार हैं। पुलिस ने आज बताया कि कॉलेज स्टूडेंट सुभाषचंद्र चबरवाल जाट (22) निवासी बडबिराना के साथ हुई मारपीट की इस घटना में एक आरोपी कृष्ण को राउंडअप कर लिया गया है। पीड़ित सुभाषचंद्र की रिपोर्ट पर दर्ज किए गए मुकदमे में लाला, कृष्ण थोरी, रविंद्र मोठसरा, रमेश थोरी, सुभाष, सतपाल और सोनू नायक आदि नामजद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार एमए (अंतिम वर्ष?) के छात्र सुभाष चंद्र को निर्वस्त्र कर बेल्ट, डंडों और प्लास्टिक पाइप से बेतहाशा पीट पीटकर जख्मी कर दिए जाने का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया में वायरल होने पर यह मामला उजागर हुआ। मारपीट की यह घटना बकौल सुभाष चंद्र 29-30 सितंबर की रात की है। दर्ज करवाए मुकदमे में पीड़ित छात्र ने बताया है कि सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम के माध्यम से कुछ अरसा पहले गांव अरड़की निवासी मंजू थोरी से उसकी जान पहचान हुई।

रेललाइन के पास खाई में अज्ञात युवती का अर्धनग्न अवस्था में शव बरामद

श्रीगंगानगर। राजस्थान के बीकानेर जिले में महाजन थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के समीप आज आज एक अज्ञात युवती की अर्धनग्न अवस्था में शव बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक आवारा कुत्तों ने जमीन में दबाए हुए शव को मिट्टी खोदकर बाहर खींच लिया। एक राहगीर ने जब कुत्तों को शव नोंचते हुए देखा तो थाने में सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना पर कालू थाना प्रभारी सुरेश मिल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव की हालत को देखकर इसकी हत्या करने का अंदेशा जताया। पुलिस के अनुसार हत्या करने के बाद शव को खाई में दफना दिया, लेकिन शव ज्यादा गहरा नहीं दबे होने के कारण कुत्तों ने मिट्टी हटाकर नौंचते हुए बाहर निकाल लिया। मृतका की आयु 25 से 30 वर्ष की है। यह गहने सोने और चांदी के होने की संभावना से फिलहाल पुलिस ने इनकार नहीं किया। उसका चेहरा विक्षिप्त हालत में है। आशंका जताई गई है कि शिनाख्त नहीं हो सके, इसलिए चेहरे को बिगाड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल के समीप नीले-काले रंग का एक बैग मिला, जिसमें महिलाओं के कपड़ों के अलावा सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री थी। पुलिस ने मौके की कार्रवाई के बाद शव को सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखा गया है।

कोटा मंडल को 17 करोड़ रूपए से भी अधिक की आय

कोटा। पश्चिमी-मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने इस वित्तीय वर्ष की छमाही में अब तक टिकट चेकिंग अभियान से 17 करोड़ रुपये से भी अधिक की आय अर्जित की है। कोटा मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि अब तक वित्तीय वर्ष के छह माह में 2022-23 में अप्रैल से सितम्बर माह तक गाड़ियों में की गई टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले एवं बिना बुक कराये सामान सहित दो लाख 55 हजार 269 मामलों से 17 करोड़ आठ लाख 75 हजार 18 रुपये अर्जित किये जो गत वित्तीय वर्ष से लगभग 55.81 प्रतिशत अधिक है। इसमें बिना टिकट के दो लाख 25 हजार 392 मामले है जबकि इस वर्ष कवल सितम्बर माह में कुल ऐसे मामले 24 हजार 212 पाए गये जिसमे बिना टिकट 14 हजार 632, अनुचित यात्रा नौ हजार 557 और बिना बुक वाले 23 मामले शामिल है जिससे रेलवे को कुल एक करोड़ 48 लाख 6 हजार 23 रुपये आय अर्जित हुई।

नेफेड से प्रदेश में धान क्रय नहीं करवायेगी सरकार, खाद्य मंत्री ने दिये निर्देश

रूद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ को प्रदेश में कहीं भी धान क्रय करने की अनुमति न दी जाए। सरकार धान की खरीद के लिए नई एजेंसी की व्यवस्था करेगी। प्रदेश की खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों की मंत्री रेखा आर्य ने सोमवार को उधमसिंह नगर के रुद्रपुर में किसानों और राइस मिलर्स के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया है। धान खरीद को लेकर 2022-23 की समीक्षा बैठक के दौरान किसानों और राइस मिलर्स की ओर से मंत्री को बताया गया कि नेफेड द्वारा किसानों को समय से फसल का भुगतान नहीं किया जाता है। इसलिए उसे धान क्रय की अनुमति न दी जाए। जिस पर मंत्री श्रीमती आर्य ने तत्काल निर्णय लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि नेफेड को कहीं भी धान क्रय करने की अनुमति न दी जाए। उसके स्थान पर नयी एजेंसी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। किसानों की ओर से इस दौरान अन्य राज्यों की तरह अतिरिक्त तीन फीसदी नमी बढ़ाने और बरसात के कारण धान की फसल को हुए नुकसान के लिए मुआवजा दिलाने की मांग भी की गई।

4 महीने बाद भी कश्मीरी पंडितों का प्रदर्शन जारी

बोले- सुरक्षा नहीं तो घर वापस नहीं जाएंगे, जम्मू में कर रहे हैं प्रदर्शन

श्रीनगर। कश्मीरी पंडितों ने एक बार फिर से अपनी सुरक्षा की मांग तेज कर दी है। घाटी में पीएम पैकेज के तहत नौकरी कर रहे कर्मचारियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन कर, सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। ये लोग खुद को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की मांग कर रहे हैं।

मई-और जून में कश्मीर में हुई टारगेट किलिंग के चलते कश्मीर पंडित पलायन कर जम्मू पहुंचे थे। 4 महीने से ज्यादा वक्त बीत गया, लेकिन अभी भी वो अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कश्मीरी पंडितों का कहना है कि जब तक हमें सुरक्षित माहौल नहीं मिलता, हम घर वापसी नहीं करेंगे।

मई और जून में घाटी में आतंकियों ने कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। ऐसे में कश्मीरी पंडितों ने सरकार से सुरक्षा मांगी। इस पर कई इलाकों में सुरक्षा भी बढ़ाई गई, लेकिन कश्मीरी पंडितों पर हमले कम नहीं हुए। टारगेट किलिंग के खौफ में 2 जून की रात कई इलाकों में 90 प्रतिशत कश्मीरी पंडितों ने घर छोड़ दिया। पिछले 4 महीने से कश्मीरी पंडित जम्मू में सरकार से अपनी नौकरी और जान की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम सुबह 10 से लेकर शाम को 6 बजे तक मेहनत से काम करते हैं, लेकिन एक डर लगा रहता है कि आज घर वापस जा पाएंगे या नहीं।

तमिलनाडु में हरित, शोर रहित दीपावली मनाने की अपील

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को लोगों से अपने परिजनों, रिश्तेदारों, दोस्तों एवं पड़ोसियों के साथ शोर एवं धुंआ रहित, हरित और सुरक्षित दीपावली मनाने की अपील की।

तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि शोर और धुआं छोड़ने वाले पटाखे फोड़ने के बजाय दोस्ताना तरीके से आइए इस दीपावली को प्रकाश पर्व के रूप मनाएं।

दीपावली देश भर के लोगों द्वारा मनाए जाने वाले महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। दीपावली के दौरान नए कपड़े पहनने और मिठाइयों के वितरण के साथ पटाखे फोड़ कर और रंग-बिरंगी लाइटें लगाकर लोग कई पीढ़ियों से खुशी दिखाते आ रहे हैं। पटाखे फोड़ने के दौरान कई बार भयावह घटनायें खुशी को मातम में भी बदल देती हैं।

बयान में कहा गया कि पटाखों को फोड़ने से हमारे स्वास्थ्य पर भी गंभीर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। जैसे शोर की तीव्रता के आधार पर स्थायी और अस्थाई तौर पर बहरापन पैदा करना। साथ ही यह जल और वायु प्रदूषण के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर डालता है। इस संबंध में पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के अनुरोध के साथ उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। न्यायालय ने 23 अक्टूबर, 2018 के अपने फैसले में निर्माताओं को कच्चे माल का उपयोग करके पटाखे बनाने का निर्देश दिया था जो उत्सर्जन स्तर को कम करेगा, साथ ही उन्हें भविष्य में हरित पटाखे बनाने और बेचने का निर्देश भी दिया।

शीर्ष अदालत ने पटाखे फोड़ने से होने वाले वायु प्रदूषण के बारे में पर्याप्त जागरूकता पैदा करने और विशेष समय पर सामुदायिक फायर क्रैकिंग को प्रोत्साहित करने का भी निर्देश दिया। इसके आधार पर, 2018 से तमिलनाडु सरकार ने अनुमति दी कि लोग सुबह 6.00 बजे से 7.00 बजे तक और शाम 7.00 बजे से रात आठ बजे के बीच पटाखे फोड़ें। इसी तरह इस साल भी सरकार ने सुबह छह बजे से सात बजे तक और शाम सात बजे से आठ बजे के बीच पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है। इसके अलावा पर्यावरण एवं लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए पटाखे फोड़ने के कारण होने वाले नुकसान और हानिकारक स्थितियों को देखते हुए, टीएनपीसीबी हर साल इस संबंध में विभिन्न प्रकार के कार्रवाई करता रहा है। इन कार्रवाईयों में उक्त अपील के अलावा विभिन्न सरकारी कर्मचारियों को निर्देश भी शामिल है।

विधानसभा से हटाये गये छह अन्य कर्मियों को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने राज्य विधानसभा से हटाये गये छह तदर्थ कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई की लेकिन उन्हें फिलहाल कोई राहत नहीं दी है। इस मामले में विधानसभा सचिव से 14 अक्टूबर तक स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

हटाये गये कर्मचारियों कुलदीप सिंह रौथाण, सकुनदीप सिंह, कुंवर सिंह राणा, देव दत्त, बलवंत सिंह जोशाल व महावीर सिंह बुटोला की ओर से इस मामले को पृथक-पृथक रूप से याचिका दायर कर चुनौती दी गयी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि उन्हें गलत ढंग से हटाया गया है। उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई शिकायत या अनियमितता का आरोप नहीं है। न ही सरकार ने उन्हें हटाने से पहले सुनवाई का कोई मौका दिया है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से 28 सितम्बर के निष्कासन पत्र को आधार बनाते हुए जनहित शब्द पर आपत्ति दर्ज करते हुए कहा गया कि जनहित में किसी को भी सेवा से हटाया नहीं जा सकता है। उन्हें स्वीकृत व रिक्त पदों के सापेक्ष सेवा में रखा गया है।

सारण में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

एजेंसी

छपरा। बिहार में सारण जिले के पूर्वोत्तर रेलवे के छपरा- सीवान रेलखंड पर एकमा स्टेशन के पश्चिमी रेलवे गुमटी के समीप सोमवार को ट्रेन से कटकर एक महिला की मौत हो गयी।

रेल पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि नयी दिल्ली से सहरसा जा रही वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12554 से कटकर एक महिला की मौत हो गयी है। मृतक महिला की उम्र करीब 60 वर्ष है और उसकी पहचान नहीं की जा सकी है।

सूत्रों ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए, सदर अस्पताल छपरा भेज दिया गया है। सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक महिला की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

स्टालिन ने तमिलनाडु के पहले एलसीएनडी स्टेशन का किया उद्घाटन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने सोमवार को रानीपेट जिला में वालाजाह तालुका के मंथंगल गांव के पास राज्य की पहली तरलीकृत संपीड़ित प्राकृतिक गैस (एलसीएनजी) स्टेशन का शुभारंभ किया।

एलसीएनजी स्टेशन की स्थापना मशहूर भारती शहर गैस वितरण (सीजीडी) उद्योग एजी एंड पी प्रथम द्वारा की गयी है। इसकी उद्घाटन मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्य सचिवालय से उद्योग मंत्री थंगम थेनारासु और प्रमुख सचिव वी इराई अंबू की उपस्थिति में आभासी माध्यम से किया।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अभिलेश गुप्ता ने कहा कि एलसीएनजी स्टेशन तमिलनाडु में अपनी तरह का पहला स्टेशन है। उन्होंने बताया कि इस सुविधा की शुरुआत वेल्लोर और रानीपेट शहरों की दशा को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे आसपास के क्षेत्रों को एक गैस आधारित पारिस्थितिकी तंत्र, ईंधन भरने वाले उद्योग की वृद्धि और क्षेत्र में समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। यह स्टेशन घरेलू घरों, उद्योगों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि कंपनी वित्त वर्ष 2013 के अंत तक वेल्लोर-रानीपेट क्षेत्र में 300 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क विकसित करेगी।

उन्होंने बताया कि स्टेशन से वेल्लोर, रानीपेट और तिरुपत्तूर में 30,000 से अधिक घरों, 325 औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि कंपनी कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, पूर्वी-दक्षिणी चेन्नई, वेल्लोर, रानीपेट, तिरुप्पत्तूर और रामनाथपुरम जिलों में सीजीडी नेटवर्क विकसित कर रही है।

उन्होंने बताया कि कंपनी ने राज्य में अपना लगातार विस्तार करते हुए एक वर्ष के भीतर एक लाख घरेलू कनेक्शन को कवर करना का लक्ष्य रखा है। साथ ही कंपनी ने अगले आठ में पूरे तमिलनाडु में 22 लाख घरों को कवर करेगी।

गहलोत ने दी चिकित्सा महाविद्यालयों में 619 नवीन पदों के सृजन एवं सड़क के लिए दस करोड़ की मंजूरी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इमरजेंसी कोविड रेस्पॉन्स पैकेज (ईसीआरपी) के द्वितीय चरण के तहत राज्य के छह चिकित्सा महाविद्यालयों/अस्पतालों में स्वीकृत 390 आईसीयू बैड्स के संचालन के लिए नर्सिंग स्टाफ एवं वार्ड अटेन्डेन्ट के 619 नवीन पदों के सृजन एवं झुन्झुनूं, सवाईमाधोपुर एवं टोंक जिले के चिकित्सा महाविद्यालय के लिए सम्पर्क सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य के लिए 10.07 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इन नवीन पदों में नर्स ग्रेड प्रथम के 17 पद, नर्स ग्रेड द्वितीय के 453 पद एवं वार्ड अटेन्डेन्ट के 149 पद शामिल हैं। नवसृजित पदों के लिए राजस्थान सिविल पदों पर संविदा भर्ती नियम, 2022 के प्रावधानों के अनुसार राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी (राजमेस) के द्वारा भर्ती की जाएगी। ये नवीन पद एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर, जनाना अस्पताल जयपुर, महिला चिकित्सालय जयपुर, रविन्द्र नाथ टैगोर चिकित्सा महाविद्यालय उदयपुर, सरदार पटेल चिकित्सा महाविद्यालय बीकानेर एवं एमडीएम अस्पताल जोधपुर में सृजित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि ईसीआरपी-द्वितीय के अंतर्गत राज्य के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में नवीन वार्डों के निर्माण के साथ-साथ वार्डों को क्रमोन्नत भी कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति से इन वार्डों के सुचारू संचालन में सहायता मिलेगी तथा आमजन को राहत मिल सकेगी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद में तीन नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी है। नवीन पदों में अधिशाषी अभियन्ता का एक पद तथा सहायक अभियन्ता के दो पदों सहित तीन पद शामिल हैं। क्रीड़ा परिषद में पर्याप्त पद नहीं होने के कारण स्टेडियम कार्य निर्माण से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहे थे।

इन पदों के सृजन के पश्चात अब स्टेडियम कार्य सुचारू रूप से किए जा सकेंगे। श्री गहलोत द्वारा वर्ष 2022-23 के बजट भाषण में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम योजना की घोषणा की गई थी। इस योजना के अंतर्गत राज्य में चरणबद्ध रूप से ब्लॉक स्तर पर स्टेडियम निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

राजद की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में मुलायम सिंह यादव को दी श्रद्धांजली

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की राष्ट्रीय परिषद ने सोमवार को समाजवादी नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

राजद की राष्ट्रीय परिषद की यहां तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक के दूसरे और अंतिम दिन पार्टी के प्रमुख लालू प्रसाद के नेतृत्व में राजद नेताओं और प्रतिनिधियों ने श्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक प्रकट किया और उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्री यादव (82) का आज सुबह गुड़गांव में मेदांता अस्पताल में निधन हो गया।

लालू प्रसाद यादव ने राजद की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में 12वीं बार पार्टी के अध्यक्ष का पद संभाला। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने उन्हें रविवार को सर्वसम्मित से पुन: पार्टी का अध्यक्ष चुना था।

महाराष्ट्र में शरद पवार करेंगे भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत

नयी दिल्ली। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में मिल रहे भारी जन समर्थन के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए चल रही भारत जोड़ो यात्रा का महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार स्वागत करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि श्री पवार और उनकी पुत्री तथा लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले भारत जोड़ो यात्रा के महाराष्ट्र में प्रवेश करने पर पदयात्रियों का स्वागत करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा को दक्षिण भारत में भारी जनसमर्थन मिलने के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों का भी साथ मिल रहा है। यात्रा में अब तक आरएसपी, सीएमपी, जनता दल-एस सहित कई दलों के नेता शामिल हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अभी यात्रा कर्नाटक में है और महाराष्ट्र में पदयात्री नौ नवम्बर को पहुंचेंगे। कर्नाटक के बाद पदयात्री तेलंगाना में प्रवेश करेंगे और राज्य में करीब 13 दिन का सफर तय करेंगे।

'गुजरात और भारत के विकास में भरूच की भूमिका अहम': मोदी

एजेंसी

भरूच। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गुजरात और भारत के विकास में भरूच की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

मोदी ने आज गुजरात में भरूच के आमोद में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने जंबूसर में बल्क ड्रग पार्क, दहेज में डीप सी पाइपलाइन परियोजना, अंकलेश्वर और पनोली में हवाई अड्डे के पहले चरण और बहुस्तरीय औद्योगिक शेड के विकास की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने कई परियोजनाओं को

देश को समर्पित किया जो गुजरात में रसायन क्षेत्र को बढ़ावा देंगी। इन परियोजनाओं में जीएसीएल प्लांट, भरूच अंडरग्राउंड ड्रेनेज और आईओसीएल दहेज कोयाली पाइपलाइन का निर्माण शामिल है। उन्होंने इस अवसर पर सबसे पहले मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने इसके बाद कहा कि वह आजादी का अमृत महोत्सव के समय भरूच आए हैं। इस जगह की मिट्टी ने देश के लिए ऐसे कई बच्चों को जन्म दिया है, जिन्होंने देश का नाम नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने संविधान सभा के एक सदस्य और सोमनाथ आंदोलन में सरदार पटेल के प्रमुख साथी कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी और भारतीय संगीत के महान संगीतकार पं ओंकारनाथ ठाकुर को भी स्मरण किया।

मोदी ने कहा, गुजरात और भारत के विकास में भरूच की महत्वपूर्ण भूमिका है, जब भी हम भारत के इतिहास को पढ़ते हैं और भविष्य के बारे में बात करते हैं, भरूच को हमेशा गर्व के साथ चर्चा की जाती है। प्रधानमंत्री ने भरूच जिले की उभरती महानगरीय प्रकृति का भी उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि भरूच को रसायन क्षेत्र से संबंधित कई परियोजनाओं के साथ पहला 'बल्क ड्रग पार्क' प्रदान किया गया है। कनेक्टिविटी से जुड़ी दो बड़ी परियोजनाओं की भी आज शुरुआत की गई है। अंकलेश्वर में हवाई अड्डे का शिलान्यास भी किया गया है ताकि भरूच के लोगों को बड़ौदा या सूरत पर निर्भर न रहना पड़े।

शार्ट न्यूज

अधिक मीठा और नमक खाने से परहेज करें : डॉ अनिल गोयल जी

नई दिल्ली। गोयल हॉस्पिटल और यूरोलॉजी सेंटर कृष्णा नगर व अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन प्रकाश पुंज विद्या सदन बिहारी कॉलोनी में किया गया। इस निशुल्क स्वस्थ्य जांच शिविर में फ्री ब्लड प्रेशर व् ब्लड शुगर की जांच, श्वष्टत्र की जांच, हड्डी की जांच, विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श एवं मुफ्त दवाइयां वितरण भी की गयी। इस जाँच शिविर में करीब दो सौ से भी ज्यादा लोगो ने निशुल्क स्वास्थय जाँच और मुफ्त दवाई का लाभ उठाया। इस नि:शुल्क जाँच शिविर में बूस्टर डोज़ भी लगायी गयी। डॉ अनिल गोयल जी ने कहा नर सेवा नारायण सेवा की भावना के तहत जाँच शिविर लगाया गया है लेकिन चिंता का विषय ये है की काफी लोगो में डायबिटीज़ और हाई ब्लड प्रेसर पाया गया इसलिए आगे भी फॉलो अप के लिए हमारे डॉक्टर्स देखते रहेंगे जिससे की किसी को डायबिटीज़, हाईपर टेंशन की कॉम्प्लीकेशन्स नहीं हो। हमारा ये मानना है डायबिटीज़, हाईपर टेंशन एक साइलेंट किलर है जो बहुत सारे ऑर्गन को डैमेज कर देता है। लिवर, हार्ट, स्किन इनके लिए जैसे ही आपको पता चले तुरंत निरंतर जाँच कराते रहना चाहिये। डॉ के अनुसार दवाइयाँ लेते रहे इससे आप स्वस्थ रहेंगे एवं आपके ऑर्गन डैमेज होने से बच जायेगे और घी नमक मीठा खाने से परहेज करेंगे तो आप अपने आप को ज्यादा समय तक स्वस्थ रख सकेंगे

पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करने की मांग को लेकर धरना देगी पीपीपी

नई दिल्ली। देश के अग्रणी राजनितिक दल पब्लिक पोलिटिकल पार्टी (पीपीपी) 27 सितंबर को जंतर मंतर पर नई पेंशन योजना को रद्द करने तथा पुरानी पेंशन योजना को पुन: लागू करने की अपनी मांग को लेकर एक दिवसीय धरना देगी. पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपमाला श्रीवास्तव के अनुसार नई पेंशन योजना में अनेक खामियां हैं और यह कर्मचारियों के हित में नहीं है. इससे कर्मचारियों को बेवजह नुकसान उठाना पड़ रहा है. उन्हें परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है. दीपमाला ने कहा कि सरकार ने जबरन नई पेंशन योजना को कर्मचारियों पर थोप दिया है जिसका कर्मचारी संगठन लंबे अरसे से विरोध कर रहे हैं. ऐसे में यह समझ में नहीं आता कि सरकार आखिर क्यों अपनी हठधर्मिता पर अमादा है.उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि कर्मचारियों के हित में सरकार को नई पेंशन योजना शीघ्र अतिशीघ्र निरस्त कर देनी चाहिए और पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल कर देना चाहिए. पर केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रहा है. ऐसे में पार्टी ने कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को नींद से जगाने के लिए नई दिल्ली के जंतर मंतर पर एक दिवसीय धरना देने का निश्चय किया है।

पंचायत में पास हुए 18 सूत्री प्रस्ताव पर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली ग्राम पंचायत संघ, दिल्ली प्रदेश ने गांवों की 18 मांगों को पूरा कराने के लिए अभियान तेज कर दिया है। संघ इन 18 मांगों के संबंध में प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, केंद्रीय शहरी विकास मंत्री, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव व डीडीए के उपाध्यक्ष को ज्ञापन भेजा है। संघ के बैनर तले गत दो अक्तूबर 2022 को दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री चौ. ब्रहम प्रकाश के पैतृक गांव शकूर पुर में हुई पंचायत में इन 18 सूत्री मांगों के संबंध में प्रस्ताव पास किया गया था। संघ के प्रमुख थानसिंह यादव ने ज्ञापन में कहा कि देश की राजधानी के गांव व ग्रामीण सुविधाओं से वंचित है और उन पर अंग्रेज शासन की तरह टैक्स व कानून थोपे जा रहे है। इस कारण ग्रामीण परेशान है और उनको राहत देने के लिए ज्ञापन पर कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीणों को एहसास हो कि वह देश की राजधानी दिल्ली के गांवों के निवासी है। उन्होंने कहा कि गांवों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार नहीं होना चाहिए, गांवों में शहरी इलाके की तरह सुविधा उपलब्ध कराई जाए। दूसरी ओर थान सिंह यादव के अलावा 360 गांव खाप के सुरेश शौकीन और पंच प्रमुख सुनील शर्मा ने कहा कि ज्ञापन पर जल्द कार्रवाई नहीं किए जाने की स्थिति में संघ के बैनर तले आंदोलन शुरू किया जाएगा। संघ के पदाधिकारी गांवों में रथ यात्रा करके ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। इसके अलावा कर्तव्य पथ तक मार्च निकाला जाएगा और मांगे पूरी नहीं होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वह अपनी मांगों के समर्थन में सभी राजनीतिक पार्टियों से भी संपर्क करेंगे और दिल्ली के सभी सांसदों को गांवों की 18 सूत्री मांगों की सूची भेजेंगे। इसके अलावा उन पर समर्थन व कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखवाने का आग्रह करेंगे।

दिल्ली पुलिस ने आप के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम की मुश्किलें अभी कम होती नहीं दिख रही हैं।दिल्ली पुलिस ने सोमवार को गौतम को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस भेजा है। दिल्ली पुलिस ने उन्हें मंगलवार को बुलाया है। राजेंद्र पाल गौतम ने रविवार को अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। बीते सप्ताह, उन्हें एक कार्यक्रम में भाग लेते देखा गया था, जहां हजारों लोगों ने हिंदू-देवताओं का बहिष्कार करने की शपथ ली थी। इसको लेकर भाजपा आप सरकार पर हमलावर थी। मंत्री के तौर पर गौतम के पास समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग का जिम्मा था। वह सीमापुरी से विधायक हैं। गौतम ने अपने इस्तीफे के साथ एक चिट्ठी भी लिखी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह मंत्री पद से इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं ताकि उनकी वजह से उनके नेता केजरीवाल व आम आदमी पार्टी पर कोई आंच नहीं आए। उन्होंने कहा था कि इस घटना के बाद से मनुवादी मानसिकता के लोग मुझे और मेरे परिवार को धमकी दे रहे हैं। मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं। मैं अपने समाज के हक की लड़ाई आगे भी लड़ता रहूंगा। बता दें कि, 5 अक्टूबर को गौतम ने खुद ट्विटर पर इस कार्यक्रम की तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने कहा था कि दस हजार से अधिक लोगों ने बौद्ध धर्म अपनाने और भारत को जातिवाद व छुआछूत से मुक्त कराने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

जीएसटी चोरी कर रही दो कंपनी पर छापा

नोएडा। राज्य वाणिज्यकर विभाग गौतमबुद्ध नगर की टीम ने सोमवार को जीएसटी चोरी करने वाली दो कंपनियों पर छापा मारा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा स्थित केबल का कार्य करने वाली इन कंपनियों में दस्तावेजों में हेरफेर मिला है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11 बजे एक साथ दोनों कंपनियों पर छापेमारी की गई। रात तक छापेमारी जारी थी। विभाग के संयुक्त आयुक्त मनोज कुमार विश्वकर्मा ने बताया सेक्टर 57 में मुख्य कंपनी है, जबकि उसकी एक शाखा ईकोटेक एक में स्थित है। जानकारी मिली थी कंपनी फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिए जीएसटी की चोरी कर रही है। कंपनी की ऑनलाइन जानकारी और रेकी से इस बात का पता चला था। उन्होंने कहा कि दोनों कंपनियों पर अलग-अलग टीमों ने छापेमारी की है। मौके पर कंप्यूटर की सीडी और अन्य दस्तावेज सीज किए गए हैं। दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें दाखिल जानकारी और उपलब्ध सामान में काफी अंतर पाया गया है। जांच जारी है। कंपनी से आईटीसी वसूली के अलावा टैक्स और जुर्माना लगाया जाएगा। जांच खत्म होने के बाद इसका आंकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीते हफ्ते चार कंपनियों पर छापेमारी करके जीएसटी चोरी पकड़ी गई थी। इन कंपनियों को लाल सूची में रखा गया है।

दिवाली से पहले केजरीवाल सरकार का तोहफा

पानी के बकाया बिलों पर बड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्लीवालों के लिए खुशखबरी है। दिवाली से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पानी के बकाया बिलों पर लगने वाली लेट फीस 100 फीसदी माफ करने का ऐलान किया है। अब उपभोक्ता बिना लेट फीस के अपने पुराने बकाया बिलों का भुगतान कर सकते हैं। इसके साथ ही यमुना सफाई को लेकर भी कई ऐलान किए। अरविंद केजरीवाल ने एक के बाद एक लगातार

तीन ट्वीट कर कहा, दिल्ली की जनता को पानी के बकाया बिलों से राहत दिलाने के लिए सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पानी के बकाया बिलों पर लगने वाली लेट फीस (लेट पेमेंट सरचार्ज) 31 दिसंबर 2022 तक के लिए 100त्न माफ रहेगी। यानि आप बिना लेट फीस की चिंता किए अपने पुराने बकाया बिल भर सकते हैं। उन्होंने कहा, यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए आज एक बेहद महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। इसके तहत केशोपुर व नजफगढ़ में गिरने वाले 85 MGD सीवर को रोजाना साफ कर नजफगढ़ नाले में डाला जाएगा। इससे यमुना के पानी का प्रदूषण 30 प्रतिशत तक घटेगा। यह कदम यमुना साफ करने में बहुत मददगार साबित होगा। यमुना के पानी को साफ करने के लिए दिशा में तीन और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आज मंजूर किए - बादली, निगम बोध व मोरी गेट नालों पर कुल 55 एमजीडी के सीवेज पंपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इससे इन नालों का गंदा पानी यमुना में नहीं जाएगा।

दिल्ली आबकारी नीति , एक और शराब व्यापारी गिरफ्तार

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली सरकार की नयी आबकारी नीति में अनियमिताओं के आरोप में चल रही जांच के संबंध में एक और शराब व्यापारी को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को यहां दी।

सीबीआई ने कहा कि शराब व्यापारी अभिषेक बोइनपल्ली को दिल्ली सरकार की नयी आबकारी नीति में अनियमिताओं के आरोप से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया है। नयी आबकारी नीति को अब वापस ले लिया गया है। इस नयी आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता विजय नायर की गिरफ्तारी के बाद यह दूसरी गिरफ्तारी है। नायर मुबंई की ओनली मच लाउडर का पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) है। बोइनपल्ली अरुण रामचन्द्र पिल्लई का सहयोगी बताया जाता है जो कि प्राथमिकी में दर्ज पन्द्रह लोगों में से एक है।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नयी आबकारी नीति में कई अनियमितताएं की गई।

दिल्ली फिर शर्मसार, करोल बाग में 3 साल की मासूम से किशोर ने किया दुष्कर्म

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज कर 13 साल के नाबालिग को पकड़ लिया है। घटना बीते गुरुवार की है। जानकारी के अनुसार, रजनी (परिवर्तित नाम) पति एवं दो बच्चों के साथ करोल बाग इलाके में रहती है। गुरुवार शाम को रजनी आठ साल के बेटे और तीन साल की बच्ची को घर में छोड़कर बाजार गई थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला किशोर उनके घर में आया। उसने बेटे को दूसरे कमरे में भेज दिया और बच्ची से दुष्कर्म किया। जब रजनी घर लौटी तो उसने बच्ची के कपड़ों में खून देखकर बेटे से पूछा तो उसने पूरी बात बता दी। फिर रजनी ने पति को घटना की सूचना दी। इसके बात पुलिस को इसकी सूचना दी गई। वहीं, दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में नाबालिग लड़की ने अपने पिता के खिलाफ केस दर्ज कराया है। नाबालिग ने बताया कि उसका पिता उनकी मां के घर से जाते ही उससे छेड़छाड़ करता है। पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित बच्ची ने बताया कि उसकी मां काम करती है, जबकि पिता अक्सर घर पर ही रहता है। मां के जाते ही उसका पिता अपने कपड़े उतार लेता है और अश्लील हरकतें करता है और उसके साथ मारपीट करता है। पिता घर में बिना कपड़ों के सोता है, उसकी मां विरोध करती है तो उसकी भी पिटाई करता है।

स्वाइन फ्लू के लिए आठ बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार

नोएडा। स्वाइन फ्लू के लिए सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल के नए भवन में आठ बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। यहां किसी भी मरीज को भर्ती नहीं किया गया है। जिला अस्पताल के नए भवन में पहले कोविड अस्पताल था। दिल्ली में मंकी पॉक्स के मामले मिलने के बाद यहां आइसोलेशन वार्ड बनाया गया था। अब स्वाइन फ्लू के लिए भी आइसोलेशन वार्ड यहीं होगा। स्वाइन फ्लू के लगातार मिल रहे मरीज को देखते हुए नया वार्ड तैयार किया गया है। जिला निगरानी अधिकारी डॉ. मनोज कुशवाहा ने बताया कि मरीज के संपर्क में आए लोगों की भी कांटेक्ट ट्रेसिंग कराई जा रही है।

सत्येंद्र जैन को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, बेनामी संपत्ति मामले में केस बंद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को बेनामी संपत्ति के मामले में सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। हाईकोर्ट ने जैन को बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधन अधिनियम के तहत उनके खिलाफ कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका की अनुमति देकर राहत प्रदान की है।

हाईकोर्ट ने जैन के खिलाफ बेनामी एक्ट के तहत सभी कार्यवाही बंद कर दी हैं। जैन फिलहाल मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, सत्येंद्र जैन के खिलाफ कोर्ट ने

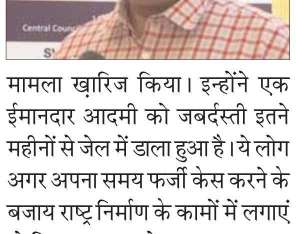

मामला ख़ारिज किया। इन्होंने एक ईमानदार आदमी को जबर्दस्ती इतने महीनों से जेल में डाला हुआ है। ये लोग अगर अपना समय फर्जी केस करने के बजाय राष्ट्र निर्माण के कामों में लगाएं तो कितना अच्छा हो!

गौरतलब है कि अगस्त महीने में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था कि बेनामी लेन-देन (निषेध) संशोधन अधिनियम, 2016 में पहले से लागू नहीं हो सकता है और अधिकारी कानून के लागू होने से पहले किए गए लेनदेन के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने या जब्ती की कार्यवाही शुरू या जारी नहीं रख सकते हैं।

जैन ने 2017 में नए बेनामी कानून के तहत उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

जैन के अनुसार, कथित बेनामी लेन-देन, 2011 से 31 मार्च, 2016 के बीच हुआ था, ऐसे में नवंबर 2016 में लागू होने वाला संशोधन कानून लागू नहीं होगा। मामले की अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को होगी।

दिल्ली में पटाखों पर बैन बरकरार, सुप्रीम कोर्ट का रोक हटाने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार द्वारा पटाखों पर लगाई गई रोक को हटाने से फिलहाल इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर को देखते हुए इस संबंध में आदेश पारित किया जाएगा। बता दें कि, दिवाली की छुट्टियों से पहले सुप्रीम कोर्ट इस मामले की फिर से सुनवाई कर सकती है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली में पटाखों पर बैन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि उसने त्योहारी सीजन के दौरान प्रदूषण के संबंध में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए विशेष आदेश जारी किए थे, और यह आदेश बहुत स्पष्ट हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर हमारा आदेश बिल्कुल स्पष्ट है. हम पटाखों की अनुमति कैसे दे सकते हैं, भले ही वे ग्रीन पटाखे हों। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या आपने दिल्ली का प्रदूषण देखा है? जस्टिस एम.आर. शाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा, दिवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता और खराब होगी। हालात और खराब हो जाएंगे।

दरअसल, दिल्ली की आप सरकार ने 1 जनवरी 2023 तक सभी तरह के पटाखों की बिक्री, उत्पादन और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने अपनी याचिका में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को आगामी त्योहारी सीजन के दौरान जायज पटाखों की बिक्री, खरीद और फोड़ने के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी करने का निर्देश देने की मांग की थी। इसके साथ ही, तिवारी ने सभी राज्यों को यह निर्देश देने की भी मांग की थी कि वे पटाखों की बिक्री या उपयोग करने वाले आम लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने जैसी कोई दंडात्मक कार्रवाई न करें।

फर्जी चेक से पैसे निकालने वाला गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने फर्जी चेक बुक तैयार कर बैंकों से पैसा निकालने वाले गिरोह ठग को सेक्टर-12 से गिरफ्तार किया है। आरोपी का एक साथी अभी फरार है। उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। सेक्टर-12 स्थित पीएनबी बैंक के मैनेजर तरुण ने थाना सेक्टर-24 में एक मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया था कि एक युवक शनिवार को बैंक में एक चेक लेकर आया। उसने चेक को कैश करने के लिए बैंक में दिया। शक होने पर बैंक के अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मेरठ के लिसाड़ी रोड निवासी आस मौहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि आरोपी खाताधारक दुलीचंद के नाम से पैसे निकलवाने आया था। आरोपी का एक साथी वाहिद फरार है। आरोपी ने बताया कि उसे बैंक से पैसे निकलवाने की एवज में पांच हजार मिलते थे। गिरोह का सरगना वाहिद है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर दबिश दी जा रही है। आरोपी फर्जी चेक बनाकर खातों से पैसे निकालते थे।

बदमाशों ने कपड़ा कारोबारी को मारी गोली, मौके पर मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर में बेखौफ बदमाशों ने आधी रात को कपड़ा व्यापारी को गोली मार दी। दिल्ली साड़ी हाउस शोरूम के मालिक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 32 साल के मोहित अरोड़ा के तौर पर हुई है। वे आधी रात को 12.30 बजे अपने भाई के साथ स्कूटी पर दुकान से लौट रहे थे। इस दौरान विपरीत दिशा से आए दो बाइक सवार ने उन्हें रोका। फिर एक ने उनपर गोली चला दी। बिंदापुर पुलिस स्टेशन को फायरिंग की सूचना दी गई। इस घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें आरोपी बाइक पर जाते हुए दिख रहे हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद एक आरोपी पैदल भागते हुए दिख रहा है। जानकारी के अनुसार उत्तम नगर के मानस कुंज में रहने वाले मोहित अरोड़ा पर बदमाशों ने आधी रात को फायरिंग कर दी। घटना के समय वे अपने भाई के साथ स्कूटी से घर जा रहे थे। तभी दो बाइक सवार और उन्हें रोका। एक ने उनपर गोली चला दी। घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर्स ने अरोड़ा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बिंदापुर थाने में आईपीसी की धारा 302/34 और आर्म्स एक्ट 25/27 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

संपत्ति ट्रांसफर के लिए सिर्फ ऑनलाइन आवेदन

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण में आवासीय भूखंड और भवन को ट्रांसफर कराने के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑफलाइन आवेदन नहीं माना जाएगा। अगर कोई ऑफलाइन फार्म जमा करने के लिए प्राधिकरण पहुंचता है तो वहां सीआर सेल में उसे ऑनलाइन फॉर्म भरने मदद की जाएगी। यमुना प्राधिकरण ने अपने आवंटियों के लिए घर बैठे सुविधा देने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। सबसे पहले संपत्ति ट्रांसफर के लिए आवेदन को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब आवासीय भवन-भूखंड को ट्रांसफर कराने के लिए ऑनलाइन ही आवेदन करना होगा। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। यही नहीं आवंटी का सत्यापन भी ऑनलाइन ही होगा।

जानलेवा हुई बारिश : पुरानी दिल्ली में इमारत गिरी, बच्ची सहित तीन की मौत; गुरुग्राम में छह बच्चों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सिलसिला जारी है। रविवार को कई जगह बारिश का कहर देखने को मिला। पुरानी दिल्ली के फराश खाना इलाके में एक तीन मंजिला इमारत भरभराकर ढह गई। जिसमें तीन लोगों की मौत जबकि आठ घायल हो गए हैं। वहीं गुरुग्राम में तालाब में छह बच्चों की डूबने से मौत हो गई। मरने वाले बच्चों की उम्र आठ साल से 13 साल के बीच है।

जर्जर इमारत ढही

जर्जर इमारत के गिरने से चार साल की बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीम ने मलबे से दो और शव निकाले हैं। मृतकों की पहचान चार साल की खुशी, 75 साल के सुलेमान और 70 साल की शगुफ्ता के तौर पर हुई है। हादसे में आठ लोग घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। एनडीआरएफ, कैट्स, डीडीएमए, दमकल और स्थानीय पुलिस मलबा हटाने का काम कर रही हैं।

डीसीपी श्वेता चौहान ने बताया कि अस्पताल में बच्ची खुशी को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, आठ घायलों को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने मलबे से दो और शव बाहर निकाले। पुरानी दिल्ली की तंग गलियों में इमारत ढहने की सूचना मिलने पर बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। लेकिन लगातार हो रही बारिश और तंग गलियों की वजह से बचाव कार्य में बाधा आ रही थी।

आंख के सामने बेटी ने दम तोड़ा

दरअसल, हादसे में घायल सुखबीर अपनी बेटी खुशी के साथ इमारत के बगल से गुजर रहा था, तभी पूरा मलबा उनपर आ गिरा। सुखबीर की गोद में बच्ची थी और दोनों मलबे में दब गये। जब तक लोगों ने निकाला बच्ची की मौत हो चुकी थी। हादसे में दो राहगीर अंकित और अशोक भी घायल हुए हैं।

दोनों हादसे के वक्त इमारत के नीचे से गुजर रहे थे। इसके अलावा घायल अमारा, नीलोफर, इमरान, सरकार बेगम और सैयदजीशान हादसे की शिकार इमारत में रहते हैं। फिलहाल सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बरसाती तालाब में डूबे छह बच्चे

गुरुग्राम के बजघेड़ा गांव के पास रविवार शाम छह एकड़ जमीन पर बने तालाब में नहाने गए छह बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। सभी बच्चे शंकर विहार कॉलोनी के रहने वाले और आपस में दोस्त थे। इन बच्चों की उम्र आठ साल से 13 साल के बीच है। घटना की सूचना मिलने पर रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, गुरुग्राम पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू के लिए पंप मंगवाएं गए। लगभग चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी छह बच्चों के शव को बाहर निकाला गया।

सात बच्चे गए थे नहाने

जानकारी के अनुसार, आठ साल से 13 की उम्र के सात बच्चे बजघेड़ा गांव के पास खाली जमीन पर बने तालाब में नहाने के लिए गए थे। इस दौरान छह बच्चे कपड़े उतार कर तालाब में नहाने के लिए कूद गए, जबकि एक बच्चा नहाने नहीं गया। बच्चों को डूबता देखकर वो जोर से चिल्लाता हुआ पास में खड़े गार्ड के पास गया और उसे घटना की सूचना दी। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

केजरीवाल के लिए अपशब्द इस्तेमाल वाला वीडियो जारी करे भाजपा : आप

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में हिम्मत है तो सांसद प्रवेश वर्मा का वीडियो जारी करे जो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।?

आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में आज कहा कि भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने तीन बार के निर्वाचित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया है। भारतीय जनता पार्टी और इनका आईटी सेल रोज वीडियो डालता है। अगर नैतिक साहस है तो इस वीडियो के ऊपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरी भारतीय जनता पार्टी मिलकर जवाब दे। मुख्यमंत्री के लिए दो बार के निर्वाचित

सांसद कह रहे हैं कि उसको जीते जी कीड़े पड़ें और ऐसी अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसे रिपीट कर पाना भी संभव नहीं है।

श्री सिंह ने कहा कि आप इस वीडियो को जारी करते हुए भाजपा के नेताओं से पूछना चाहती है कि क्या ऐसा व्यक्ति आपकी पार्टी का सांसद होने लायक है? क्या इसके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है? क्या किसी भी नेता ने इनकी शब्दावली का निंदा की है? भाजपा एक अपने ऐसे नेता का नाम बताए, जिसने इस तरह की भाषा की आलोचना की हो। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और देशवासियों के दिलों पर राज करने वाले मुख्यमंत्री के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने कहा कि पूरी की पूरी भारतीय जनता पार्टी एक वीडियो को लेकर हल्ला मचा रही है। सभी केंद्रीय मंत्री और नेता वीडियो को ट्वीट कर रहे हैं। अगर किसी भी भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री में साहस है तो इस वीडियो को ट्वीट करके दिखाएं। भारत सरकार के मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, पीएम नरेंद्र मोदी, स्मृति ईरानी यह वीडियो ट्वीट करके दिखाइए। इस पर आपनी राय और पक्ष रखिये। इनके आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय आपना पक्ष और राय दें। इस वीडियो पर भारतीय जनता पार्टी के नेता एक शब्द बोल कर तो दिखाएं। सांसद संजय सिंह ने कहा कि गुजरात की हार का इतना डर सता रहा है, जिससे हताश होकर रोज पुराने वीडियो जारी कर रहे हैं। यह गोपाल इटालिया जब पार्टी में भी नहीं थे, तब का वीडियो जारी कर रहे हैं। गोपाल इटालिया पटेल समाज से आते हैं। वह पटेल समाज जिसके लोगों को भारतीय जनता पार्टी ने गोलियों से भुनवाने का काम किया था। वह पटेल समाज जिसको लाठियों से तुड़वाने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया था। जिससे पटेल समाज से भारतीय जनता पार्टी नफरत करती है। इसलिए पूरी की पूरी भारतीय जनता पार्टी गोपाल इटालिया को टारगेट कर रही है।

दिल्ली के चुनाव में केंद्रीय मंत्री ने किस किस प्रकार की भाषा का उपयोग किया। जिसमें राम जादे और दूसरा शब्द मैं बोल नहीं सकता हूं। मैं चाहता हूं कि पीएम नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, अमित मालवीय, स्मृति ईरानी और पूरी बीजेपी के नेता इस वीडियो को ट्वीट करें। जिसमें देश के सबसे लोकप्रिय और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए प्रवेश वर्मा के सांसद ने शब्दावली का इस्तेमाल किया है।

यीडा में प्रवेश के लिए पास सिस्टम शुरू

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाद यमुना प्राधिकरण में बाहरी लोगों के प्रवेश रोकने के लिए सोमवार से पास सिस्टम लागू कर दिया। प्राधिकरण दफ्तर में सुबह 9.30 बजे से 1.30 बजे तक किसानों, आवंटियों आदि सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद आने वाले लोगों को पास बनवाना पड़ेगा। पास से ही प्रवेश मिलेगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्राधिकरण दफ्तर में सुबह 9.30 बजे से 1.30 बजे तक किसानों व आवंटियों को प्रवेश मिलेगा। इस दौरान किसी को पास की जरूरत नहीं पड़ेगी। तहसीलदार से लेकर ओएसडी तक अपने दफ्तर में समस्याओं को सुनेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद अगर कोई प्राधिकरण आता है तो उसको पास बनवाना होगा।

संपादकीय

संघर्षों एवं दृढ़ता ने आकाश तक पहुंचाया 'धरती पुत्र' मुलायम को

धरतीपुत्र, सैफई के लाल, चरणसिंह के मानस पुत्र और भारतीय राजनीति में डूबती हुई समाजवादी विचारधारा के आज के सबसे बड़े नेता कहे जाने वाले मुलायम सिंह यादव नहीं रहे ।

जन्म लेना और शरीर पूरा करना ऐसा शाश्वत सत्य है जिसे न टाला जा सकता है और न ही झुठलाया जा सकता है ।अमर फल खाकर कोई नहीं आता मुलायम भी नहीं आए थे वे 82 वर्ष के हो गए थे और लंबे समय से बीमार भी थे तो उन्हें भी एक दिन जाना ही था । 10 अक्टूबर 2022 को सुबह 8ः16 बजे अपनी इहलीला समाप्त कर परमधाम के लिए रवाना हो गए ।मगर मुलायम सिंह अपने पीछे राजनीति में एक ऐसा मुकाम छोड़कर गए हैं जिस तक पहुंचना हर एक के बस की बात नहीं है ।

वह देश के उन गिने चुने नेताओं में शुमार थे जिन्हें राजनीति में %अजातशत्रु% का संबोधन मिला था और जिन्हें चाहने वाले केवल उनकी अपनी पार्टी या अपनी विचारधारा के ही लोग नहीं थे अपितु धुर विरोधी दलों एवं विचारधाराओं के नेता एवं कार्यकर्ता भी उन्हें सम्मान देते थे । कह सकते हैं कि मुलायम सिंह राजनीति की रेत पर अपने अमिट पद चिन्ह छोड़कर जा रहे हैं और यह अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है ।

22 नवंबर 1939 को सैफई के सुघर सिंह के घर जन्मे यदुवंशी मुलायम सिंह कोई मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए थे । न ही उन्हें राजनीति विरासत में मिली थी । वह तो एक साधारण परिवार के बेटे थे । छठी से बारहवीं तक जन्म स्थान के पास के करहल के जैन इंटर कॉलेज से 12वीं पास की और फिर शिकोहाबाद के डिग्री कॉलेज से स्नातक और परास्नातक करने के साथ ही फिर जैन कॉलेज से ही बीटीसी की वहीं पर कुछ समय के लिए अध्यापक भी रहे । पहलवानी के शौकीन मुलायम सिंह यादव को राजनीति का चस्का 1962 में तब लगा जब उनके कॉलेज में छात्रसंघ के चुनाव हुए और निडर, जुझारू तथा अपनी बात खुलकर कहने वाले मुलायम सिंह तत्कालीन दिग्गजों के बीच में से छात्र संघ के अध्यक्ष बनने में कामयाब रहे ।केवल 28 वर्ष की उम्र में जसवंतनगर की विधानसभा सीट वहां के लंबे समय से विधायक ने इस युवा के लिए छोड़ दी और मुलायम उत्तर प्रदेश विधानसभा में पहुंच गए ।

मुलायम केवल एक दो बार नहीं बल्कि 8 बार विधायक रहे, दो बार विधान परिषद के सदस्य रहे, 7 बार सांसद बने, दो बार केंद्र में मंत्री और तीन बार देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे ।पिछले लगभग 50 वर्षों से लगातार राजनीति में सक्रिय स्वयं को %नेताजी% कहलवाने वाले मुलायम सिंह में निश्चित ही कोई तो ऐसी बात थी कि चुनाव नहीं हारते थे ।

शायद उनके इसी गुण के चलते हुए सुभाष चंद्र बोस के बाद भारतीय राजनीति में उनके समर्थकों ने उन्हें %नेताजी% की संज्ञा दी थी यदि लोकतांत्रिक मानदंडों पर देखें तो मुलायम इस संबोधन के हकदार भी थे ।

स्वर्गीय मुलायम सिंह को अच्छी तरह पता था कि राजनीति में लकीर खींच कर नहीं चला जा सकता है और इसीलिए वे सही समय पर लाभ सही निर्णय लेने में सदैव सक्षम रहे । चाहे समाजवादी सोशलिस्ट पार्टी में रहे या क्रांति दल में अथवा भारतीय लोक दल में रहे या फिर खुद की समाजवादी पार्टी का गठन किया अथवा अस्वस्थ होने के बावजूद अपने भाई शिवपाल यादव एवं अखिल पुत्र अखिलेश यादव में से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाने का जटिल निर्णय हो मुलायम सिंह यादव ने न केवल दृढ़ता पूर्वक निर्णय लिया अपितु जिनके खिलाफ उनका निर्णय गया उनको भी अपने से जोड़े रखा ।आजम खान एवं अमर सिंह जैसे दो कट्टर विरोधियों को लंबे समय तक मुलायम समाजवादी पार्टी में अपने दाएं बाएं रखने में कामयाब रहे ।भाई शिवपाल यादव के विद्रोह करने के बावजूद उनसे भाई एवं परिवार का रिश्ता लगातार बनाए रखा ।

आखिर चले ही गए नेताजी !

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री,देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के मौजूदा संरक्षक मुलायम सिंह यादव का दु:खद निधन हो गया है ।मुलायम सिंह यादव ने राजनीतिक लंबी पारी खेली है । वे पिछले कई वर्षों से बढ़ती उम्र की वजह से राजनीति में बहुत सक्रिय नहीं थे । सन 2012 में अपनी सक्रिय राजनीति की आखिरी लड़ाई लड़ते हुए सपा अध्यक्ष के तौर पर मुलायम सिंह ने पार्टी को भारी जीत दिलाई थी और अपने बेटे अखिलेश यादव को सत्ता की कमान सौंप दी थी । लेकिन उनके जीवन में एक ऐसा वक्त भी आया जब उन्होंने बेटे अखिलेश यादव और भाई रामगोपाल यादव को सपा से निकालने का एलान कर डाला था । इसके बाद अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव के बीच टकराव का एक पूरा दौर चला ।जो अब उनकी मौत के साथ ही समाप्त हो गया है । मुलायम सिंह की राजनीति दशक साठ के दौर में परवान चढ़ी थी । सन 1967 में जब लोहिया के नेतृत्व में 9 राज्यों में पहली बार गैरकांग्रेसी सरकारें बनी थीं, तब मुलायम सिंह यादव यूपी विधानसभा के लिए चुने गए थे ।मुलायम सिंह यादव सन 1989 में पहली बार यूपी के मुख्यमंत्री भी बने थे । लेकिन 1991 में जनता दल टूटा गया था ।सन 1993 में उन्होंने फिर यूपी में सरकार बनाई, ये सरकार भी मायावती के साथ टकराव के बीच कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी । तीसरी बार वे सन 2003 में मुख्यमंत्री बने और 2007 तक इस पद पर बनें रहे ।90 के दशक का समय मुलायम सिंह यादव का सबसे चुनौती भरा था । राम मंदिर से जुड़ी सांप्रदायिक राजनीति की लड़ाई यूपी की ज़मीन पर लड़ी जा रही थी ।सन 1990 में अयोध्या में गुंबदों पर कारसेवकों पर चली गोली ने उनके राजनीति सफर पर असर डाला । जबकि ये बात कभी साफ़ नहीं हुई कि उस गोलीकांड में कितने लोग मारे गए थे । सन1992 में बाबरी मस्जिद गिरा दी गई और कल्याण सिंह सरकार बर्ख़ास्त कर दी गई ।सन 1993 में कांशीराम की बसपा के साथ मिलकर उन्होंने दलितों और पिछड़ों की जो ऐतिहासिक गोलबंदी की, उसका असर ये हुआ कि यूपी में बीजेपी को पीछे छोड़ सपा-बसपा की सरकार बन गई । लेकिन ये दोस्ती ज़्यादा नहीं टिक पाई । बसपा इसके बाद बीजेपी के साथ हाथ मिलाती और सरकार बनाती नज़र आई.केंद्रीय राजनीति में पहली बार संयुक्त मोर्चे की सरकार बनी ।सन 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी की तेरह दिनों की सरकार के जाने के बाद देवगौड़ा के नेतृत्व में जो सरकार बनी, उसमें मुलायम रक्षा मंत्री बनाए गए । लेकिन इसके बाद संयुक्त मोर्चा भी बिखरा, सपा की राजनीति भी बिखरी. 1999 में उन पर सोनिया गांधी से वादाखिलाफी का आरोप लगा जब संसद में अविश्वास मत के दौरान मुलायम अलग नज़र आए. शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव इटोली में रहकर मुलायम सिंह यादव ने पढ़ाई की थी ।नेताजी ने इसी गांव में रहकर कुश्ती के दांव-पेंच सीखे । मुलायम सिंह यादव का पूरा परिवार इटावा के सैफई से पहले फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव इटोली में रहता था, लेकिन नेताजी के बाबा मेवाराम सैफई जाकर रहने लगे ।फिर वहीं मुलायम सिंह यादव के पिताजी सुघर सिंह का जन्म हुआ ।मुलायम सिंह यादव का जन्म भी सैफई में ही हुआ, लेकिन उनका वहां बहुत कम मन लगता था, इसलिए वह अपने पैतृक गांव ईटोली में आ जाते थे और काफी दिनों तक इसी गांव में रहते थे । बीच-बीच में वह सैफई चले जाते थे । उन्होंने इटोली गांव में रहकर आदर्श कृष्ण कॉलेज में पढ़ाई की । वे अपने मित्रों के साथ इटोली गांव से पैदल-पैदल उस समय शिकोहाबाद स्थित आदर्श कृष्ण कॉलेज में पढ़ाई करने आते थे ।अगर मुलायम सिंह यादव के खाने की पसंद की बात करें तो उन्हें खाने में सबसे ज्यादा मक्के की रोटी और चने का साग पसंद था । पढ़ाई के साथ-साथ मुलायम सिंह यादव गांव में रहकर गांव के युवकों के साथ पशु चराने भी जाते थे । इस गांव में मुलायम सिंह आखिरी बार सन2014 में आए थे, जब उनके चचेरे भाई गिरवर सिंह की तबीयत खराब थी ।मुलायम सिंह यादव साहित्यकारों का बेहद सम्मान करते थे ।वे अपने कार्यकर्ताओं को सम्मान देना भी नही भूलते थे ।

राजनीति के शिखर थे समाजवादी मुलायम सिंह यादव

ललित गर्ग

लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे राजनीति के पुरोधा पुरुष, उत्कृष्ट समाजवादी, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संस्थापक मुलायम सिंह यादव अब हमारे बीच नहीं रहे। एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल समाजवादी पार्टी के लिये बल्कि भारतीय राजनीति के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। राजनीति और समाजवादी पार्टी के लिए उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। देशहित में नीतियां बनाने में माहिर मुलायम सिंह का 82 वर्ष का जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। उन्हें हम समाजवादी सोच एवं भारतीय राजनीति का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे।

मुलायम सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सैफई से ग्रहण की। राजनीति में आने से पूर्व उन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम0ए0) और बी0 टी0 करने के उपरान्त इन्टर कालेज में प्रवक्ता नियुक्त हुए और सक्रिय राजनीति में रहते हुए नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। बच्चों को पढ़ाने के दौरान वह सामाजिक कार्यों में भी रुचि लेने लगे। समाजवादी आंदोलन में वह अब खुलकर भाग लेने लगे थे। उनका कुनबा प्रदेश की राजनीति में खासा दखल रखता है। मुलायम सिंह यादव का जन्म 22 नवम्बर 1939 को इटावा जिले के सैफई गाँव में मूर्ति देवी व सुघर सिंह यादव के किसान परिवार में हुआ। वह अपने पांच भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और एक बार रक्षा मंत्री रह चुके मुलायम सिंह यादव देश के उन दिग्गज जमीनी नेताओं में शुमार किए जाते हैं जिन्होंने अपने बल पर राजनीति में नया मुकाम हासिल किया और राजनीति की नयी परिभाषाएं गढ़ी। उन्हें पिछड़ी जातियों का सबसे बड़ा नेता माना जाता है। उनकी पहचान ऐसे राजनेता की रही है जो साधारण किसान परिवार से निकलकर राजनीति में अपनी पहचान बनाई। नेताजी के नाम से मशहूर मुलायम सिंह बचपन में पहलवानी करते थे। बचपन से ही नेताजी को पहलवानी पसंद थी। वह अपने समय के बड़े-बड़े नामी पहलवानों को आसानी से चित कर देते थे। ऐसा कहा जाता है कि कुश्ती में उनका सबसे प्रिय दांव 'चरखा' था, बाद में उन्होंने राजनीति में भी धोबी पछाड़ दांव से कई दिग्गजों को चित किया।

मुलायम सिंह ने सैफई से राजनीतिक शिखर तक का सफर संघर्षों से तय किया था। उन्होंने लम्बी राजनीति पारी खेली। उनका राजनीतिक सफर 55 वर्ष का रहा। साल 1967 में यूपी के विधानसभा चुनाव में जसवंत नगर से मौजूदा विधायक नत्थू सिंह ने ही मुलायम सिंह को संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से टिकट दिलवाया और चुनाव प्रचार भी किया। इसकी मुख्य वजह यह रही कि मुलायम सिंह राम मनोहर लोहिया आंदोलन से जुड़े थे। नत्थू के आशीर्वाद से मुलायम पहली बार विधायक बने। इसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह इस सीट से आठ बार विधायक चुने गए। 1977 में मुलायम सिंह पहली बार यूपी सरकार में मंत्री बने। वह 1989 से 1991, 1993 से 1995 और 2003 से 2007 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। मुलायम सिंह एक जून 1996 से 19 मार्च 1998 तक एचडी देवगौड़ा की सरकार में देश के रक्षा मंत्री भी रहे। मौजूदा समय में वे यूपी की मैनपुरी से सांसद थे। मुलायम सिंह ही ऐसे नेता हैं जो 55 साल के राजनीतिक करियर में 9 बार विधायक और 7 बार सांसद चुने गए। जब पूरे देश में मोदी लहर चल कही थी तो उन्होंने आजमगढ़ और मैनपुरी दोनों लोकसभा सीट से जीत दर्ज की। मुलायम सिंह यादव ने जनता दल से अलग होकर 4 अक्टूबर 1992 को समाजवादी पार्टी का गठन किया। उत्तर प्रदेश में यादव समाज के सबसे बड़े नेता एवं धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में मुलायम सिंह की पहचान है। उत्तर प्रदेश में सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने में उन्होंने साहसिक योगदान किया।

मुलायम सिंह यादव जब विद्यार्थी थे तभी से उनके मन-मस्तिष्क पर डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों की गहरी छाप पड़ी। डॉ. लोहिया के विचारों ने ही उनके विशिष्ट व्यक्तित्व का निर्माण किया और उनका स्वतंत्र चिंतन, कथनी और करनी का सिद्धांत निरन्तर प्रेरणा का काम करता रहा है। डॉ. लोहिया के विशाल व्यक्तित्व की छाया में ही मुलायम सिंह यादव के सामाजिक, राजनीतिक विचारों ने गति और दिशा पाई। तभी तो मुलायम सिंह यादव जो कुछ कहते थे, जो भी आकलन-निर्णय करते थे, जैसा भी राजनीतिक संघर्ष करते थे उसमें सत्य और निष्ठा का भाव तो होता ही था साथ ही उसमें विश्वास और चारित्रिक प्रामाणिकता भी होती थी। वे केवल राजनीतिक लाभ-हानि अथवा चुनावी हार-जीत के वशीभूत होकर ही बात नहीं करते थे बल्कि गरीबों के दुख-दर्द के सहभागी बनकर उसे महसूस भी करते थे। उनका अनूठा चरित्र सभी को आकर्षित करता रहा। विरोधी भी उनकी साफगोई कंठ से प्रशंसा करते हैं। उन्होंने समाजवादी आंदोलन को जो दिशा दी वह युवाओं को काफी प्रेरित करती है।

भारत में समाजवादी होना कठिन तपस्या रही है। वैसे भी हमारे देश में समाजवादी प्रतिभा, चिंतन और कार्यशैली स्वतंत्र रही है। वास्तव में मुलायम सिंह यादव ऐसे समाजवादी रहे हैं जिन्होंने न केवल डॉ. लोहिया के विचारों और उनकी समाजवादी नीतियों को व्यावहारिकता के धरातल पर उतार कर समाजवादी आंदोलन को सही मायनों में नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं बल्कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए वह निरंतर प्रयत्नरत रहे हैं। इस कथन में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि समाजवादी आंदोलन का प्रमुख आधार रहे डॉ. लोहिया, जयप्रकाश नारायण और आचार्य नरेन्द्र देव की त्रिमूर्ति के बाद यदि किसी ने समाजवादी विचारधारा के चिंतन को नया आयाम दिया है तो वह केवल मुलायम सिंह यादव ही हैं। वह मुलायम सिंह यादव ही हैं जिनके प्रयासों से समाजवादी नीतियों के क्रियान्वयन ने शोषित समाज को अपनी अभिव्यक्ति के लिए एक मजबूत आधार दिया जहां से वे निर्भीक होकर अपने शोषण के खिलाफ आवाज उठा सके हैं।

समाजवादी नेताओं में मुलायम सिंह यादव सर्वश्रेष्ठ, कर्मठ और महत्वपूर्ण राजनेता थे। समाजवाद के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आज कोई दूसरा राजनेता नहीं था जिसने इतने संघर्षों से गुजरने के बाद भी अपनी मुहिम को पूरी ताकत के साथ चला रखा था। मुलायम सिंह का जीवन और उनका संघर्ष इस लक्ष्य के लिए समर्पित है कि नये भारत और नये समाज की संरचना कैसे हो। उनके विचारों और चिंतन में सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, पूंजीवाद, धर्म और राजनीति, रक्षा नीति, विदेश नीति, जातिवाद, आरक्षण आदि विषयों पर विस्तृत और स्पष्ट व्याख्या मौजूद है। लाखों-लाखों की भीड़ में कोई-कोई मुलायम जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन-विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों-परीक्षणों से गुजरकर महानता का वरन करता है, विकास के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होता है और अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र-भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। वे भारतीय राजनीति का एक आदर्श चेहरा थे। मुलायम सिंह यादव सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वोपरि मुख्यमंत्री बने थे तो यह उनके चरित्र, राजनीति कौशल की विशेषता है। उनकी पहचान एक संवेदनशील और नीति-निर्धारक मुख्यमंत्री के रूप में की जाती थी। उनमें जुझारू और विपरीति परिस्थितियों से निरंतर संघर्ष करने का कृषक वाला अद्भुत साहसिक गुण था। उन्होंने कभी विपरीत परिस्थितियों से समझौता नहीं किया, निरंतर उनसे जूझते रहे और अंततः सफलता पाई। वास्तव में हमारे देश एवं समाज को मुलायम सिंह यादव से जो अपेक्षाएं थी उन पर तो वह खरे उतरे ही, बल्कि उससे ज्यादा भी बहुत कुछ करके दिखाया है।

मुलायम सिंह यादव की निष्पक्ष कार्यशैली, स्पष्ट विचारधारा और जनप्रिय व्यवहार निरंतर उन्हें नयी बुलंदियों की ओर ले जाता रहा। उनकी यह खासियत रही कि उनके व्यवहार में जहां आक्रामकता थी तो वहीं गजब की शालीनता और सहनशीलता भी देखने को मिलती थी। उनकी राजनीतिक चतुराई और सूझबूझ में ग्रामीण एवं शहरी व्यवहार और बुद्धिमता का अद्भुत सम्मिश्रण था। स्वयं को हासिल इसी महारत के दम पर वह बड़ी-बड़ी राजनीतिक कठिनाइयों का सामना अत्यंत सरलता से करते रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने परेशानियों को नहीं झेला है अथवा संकट के दौर से नहीं गुजरे हैं, परंतु अपने आत्मबल और राजनीतिक कौशल के दम पर वह हर मुश्किल से निकलकर किसी शक्तिशाली चट्टान की भांति खड़े रहे हैं और बड़े तथा महत्वपूर्ण फैसलों का निर्णय उन्होंने एक पल में लिया है। उनका निधन एक आदर्श एवं बेबाक सोच की राजनीति का अंत है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की शृंखला के प्रतीक थे। उनके निधन को राजनैतिक जीवन में शुद्धता की, मूल्यों की, राजनीति की, आदर्श के सामने राजसत्ता को छोटा गिनने की या सिद्धांतों पर अडिग रहकर न झुकने, न समझौता करने की समाप्ति समझा जा सकता है। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही।

राजस्थान सरकार के समक्ष अब निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इंवेस्ट राजस्थान के प्रति मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कमिटमेंट और गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले रात्रिभोज और बाद में दोनों दिन स्वयं समिट में उपस्थित रहकर निवेशकों को साफ संदेश दे दिया कि सरकार निवेश के प्रति गंभीर है।

राजस्थान में औद्योगिक निवेश को लेकर 7 व 8 अक्टूबर को आयोजित इंवेस्ट राजस्थान समिट इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों के बेहतरीन उपयोग के साथ ही प्रदेश में रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। आर्थिक विकास की धारा बहेगी वहीं विश्व पटल पर राजस्थान की पहचान होगी। इंवेस्टमेंट राजस्थान के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक निवेश के एमओयू-एलओआई ऊर्जा क्षेत्र में आए हैं वहीं इसके बाद दूसरा नंबर माइनिंग क्षेत्र का आता है। ऊर्जा में भी खासतौर से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश प्रस्ताव आए हैं। देखा जाए तो दोनों ही प्रमुख क्षेत्र अक्षय ऊर्जा और माइनिंग प्राकृतिक संसाधनों को लेकर के हैं।

देखने वाली बात यह है कि पश्चिम राजस्थान जिसे एक समय कालापानी की सजा से कम नहीं माना जाता था। सरकारी अधिकारी, कर्मचारी को सजा देनी होती थी तो उसे बाड़मेर-जैसलमेर का डर दिखाया जाता था, पर आज यही क्षेत्र सबसे अधिक प्रोस्पेरस और सब्जबाग दिखाने वाला हो गया है। प्रदेश में आज सबसे अधिक परकेपिटा इनकम बाडमेर की है। तपते रेत के धोरें और धूल भरी आंधी प्रदेश के लिए वरदान बन गई है। सोलर और विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में आज राजस्थान देश में शीर्ष पर आ चुका है। अब अडानी-अंबानी जैसे दिग्गजों के साथ ही अन्य कंपनियां इस क्षेत्र में प्रदेश में निवेश के लिए आगे आई हैं और एमओयू व एलओआई हस्ताक्षरित कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। इंवेस्टमेंट समिट के दौरान अडानी की उपस्थिति और निवेश की घोषणा अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाती है। समिट के दौरान जिस तरह से देश-विदेश की नामी गिरामी कंपनियों के सीईओ व प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है, उससे समिट की सफलता पर संदेह का कोई कारण नहीं बनता है। अकेले ऊर्जा क्षेत्र में 7 लाख 98 हजार के निवेश प्रस्ताव हैं तो माइनिंग क्षेत्र में 24370 करोड़ के प्रस्ताव अपने आम में महत्वपूर्ण हो जाते हैं। संतोष की बात यह है कि निवेश प्रस्ताव धरातल पर भी उतरने लगे हैं।

इंवेस्ट राजस्थान के प्रति मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कमिटमेंट और गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले रात्रिभोज और बाद में दोनों दिन स्वयं समिट में उपस्थित रहकर निवेशकों को साफ संदेश दे दिया कि सरकार निवेश के प्रति गंभीर है।

समिट के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का यह कहना कि अडानी-अंबानी या जय शाह हों, सभी का राजस्थान में निवेश के लिए स्वागत है। यह अपने आप में बड़ी बात इसलिए हो जाती है कि इसके पीछे जो सोच छिपी है वह प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर विकसित करने की है। अन्यथा अडानी की उपस्थिति और निवेश को लेकर आलोचना-प्रत्यालोचना का दौर चला पर इसकी बिना परवाह किए जिस तरह से प्रदेश के हित की बात की गई है वह अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाती है। समिट के उद्घाटन समारोह में अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी, वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल सहित दिग्गजों की उपस्थिति से सरकार और निवेशक दोनों की गंभीरता को समझा जा सकता है।

हालांकि यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि देश में अधिकांश राज्यों द्वारा समिट का आयोजन किया जाता रहा है और समिट के दौरान होने वाले एमओयू-एलओआई में से धरातल पर बहुत कम उतर पाते हैं।

रहस्य-2013 (अंतर्मन का यथार्थ)

दाताराम स्वदेशी

रहस्य-2013 साहित्यकार दाताराम स्वदेशी जी का प्रथम उपन्यास है। दाताराम जी मूलत: गीतकार हैं। इस उपन्यास से पूर्व उनकी दो काव्य कृतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं पर गद्य कवियों की कसौटी वाली चुनौती को स्वीकार करते हुए उन्होंने कथा-साहित्य की दुनिया में प्रवेश किया, जिसके परिणामस्वरूप हमे 'रहस्य-2013' उपन्यास प्राप्त हुआ। ग्रामीण परिवेश के इस उपन्यास में हमारे तीज-त्यौहार, मेला और हमारी संस्कृति के विविध रूप मिलते हैं। उपन्यास की पृष्ठभूमि सामाजिक होते हुए भी इसमें इतिहास, धर्म, लोककथाओं से जुड़े प्रसंग भी देखे जा सकते हैं। जो उपन्यास की कहानी को विस्तार देने का कार्य करते हैं। संपूर्ण उपन्यास में चिंतन की प्रधानता पाई गई है। यह चिंतन भले ही पात्रों के माध्यम से प्रकट किया गया हो पर लेखक की स्वयं की पूँजी है। चिंतन भी ऐसा- जो समाज को सही दिशा देता हुआ प्रतीत होता है। जो साहित्य समाज के लिए उपयोगी हो, वही श्रेष्ठ साहित्य माना जाता है। यह विशेषता स्वदेशी जी के उपन्यास में पाई जाती है।

उपन्यास की कथावस्तु में, रतनगढ़ हादसे में दम्पति रज्जो और चन्दू का बेटा खो जाता है। पर उसे जगदीश माथुर अपने साथ ले जाता है। बालक का नाम रिपु होता है। रज्जो और चन्दू इसकी बहुत खोजबीन करते है पर कहीं पता नहीं चलता है। बाद में रज्जो जगदीश माथुर और शान्तिदेवी के घर कार्य करने लगती है। वह रिपु को देखकर बहुत प्रसन्न रहती है। रिपु बड़ा होता है और उसकी प्रथा से शादी हो जाती है। सेठ जगदीश माथुर को यह बेटा चन्दू की सहमति से दिया गया था। चन्दू चाहता था कि वह सेठ के घर में पढ़-लिख कर बड़ा आदमी बने। मातारानी की कृपा से ऐसा हुआ भी। इस रहस्य को चन्दू ने अपनी पत्नी रज्जो से छुपाया था कि रिपु जो जगदीश माथुर का बेटा है वही हमारा बेटा है। अंत में यह रहस्य खुल जाता है जो उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करता है। कथोपकथन या संवादों की दृष्टि से यह उपन्यास बड़ा मार्मिक है। संवाद भले ही पात्रों के बीच में चल रहा हो, पर वहाँ संवाद से अधिक चिंतन लगता है। यही कारण है कि उपन्यास में संवादों की बौद्धिकता का प्रभाव अधिक देखने को मिलता है। संवाद बौद्धिक पृष्ठभूमि के होते हुए भी उन्हें बोझिल नहीं कहा जा सकता है। एक संवाद का नमूना देखिये- आनन्द या परमानन्द कोई भौतिक वस्तु नहीं है, यह तो केवल अनुभूति भर होता है जो कल्पना मात्र से ही प्राप्त हो जाता है। इसके लिए रक्त संबंध का होना भी कोई आवश्यक नहीं है क्योंकि आनंद या परमानंद का मूल आधार प्रेम होता है जो किसी से भी हो सकता है। प्रेम मूलत: अलौकिक या निराकार होता है जो अभिव्यक्ति के समय साकार हो उठता है। परन्तु प्रेम की अभिव्यक्ति से जो आनंद या परमानंद प्राप्त होता है वह केवल अनुभूति मात्र ही होता है, जिसका एहसास संयोग-वियोग दोनों ही अवस्थाओं में बराबर-बराबर मिलता रहता है।

इस उपन्यास में दो मुख्य-पात्र हैं। चन्दू और उसकी पत्नी रज्जो। ये उपन्यास के आधार है। अत: चन्दू और रज्जो को उपन्यास का नायक-नायिका माना जा सकता है। अन्य पात्रों मे रिपु, प्रथा, जगदीश माथुर और शांतिदेवी हैं। मात्र पाँच-छ: पात्रों के बीच उपन्यास का घटनाक्रम चलता है। चन्दू सहज व सरल स्वभाव का व्यक्ति है पर उसका बौद्धिक स्तर दार्शनिकों जैसा है। वह अति रहस्यमयी है। इसी कारण तो छिपाए हुए रहस्य को वह अपनी पत्नी के सामने कभी प्रकट नहीं होने देता है। रज्जो मेहनती, ग्रहकार्य में दक्ष, एक विशुद्ध भारतीय गृहिणी है। जिसका चरित्र अपने आप में अति उत्तम है। रिपु और प्रथा अति आधुनिक युग के होने पर भी संस्कारी हैं। अत: सभी पात्र कर्तव्य का पालन करने वाले और श्रेष्ठ आचरण वाले हैं। इस उपन्यास में कोई प्रतिनायक नहीं है पर यह पुरानी परंपरा थी। वर्तमान समय में बिना प्रतिनायक वाले कई उपन्यास लिखे गये हैं। और लिखे जा रहे हैं।

देशकाल और वातावरण पर लेखक ने पूरा ध्यान दिया है। रतनगढ़ हादसा, ग्रामीण लोगों की जीवन झाँकी, कुसंस्कारी संत, अंध-विश्वास, घर-परिवार, सदी की मान्यताऐं इन सबका आवश्यकता के अनुरूप उल्लेख किया गया है। कॉलेज, जीवन, शादी-विवाह में बदलाव और कई नवीन मान्यताओ की ओर संकेत है। किसी उपन्यास की पठनीयता में उसकी भाषा-शैली का विशेष महत्व होता है। इस दृष्टि से भी 'रहस्य-2013' श्रेष्ठ उपन्यास कहा जा सकता है। लेखक ने बोलचाल की भाषा को ही उपन्यास की भाषा बनाया है। जिसमें तत्सम-तद्भव शब्दों के साथ देशज व उर्दू-फारसी के शब्दों की भरमार है। कहीं-कहीं अंग्रेजी के शब्द भी मिल जाते है। भाषा पात्रों के अनुकूल है। कहावतों और मुहावरों के प्रयोग से भाषा के सौन्दर्य की वृद्धि हुई है। भाषा संबंधी कुछ उदाहरण देखें- अरे, वाह रे सौतेले बाप, जले पर नमक छिड़कना तो तुम्हें खूब आता है। कहीं-कहीं रीतिकाल के कवियों जैसी भाषा का भी प्रयोग हुआ है, जो कार्य के अधिक निकट है उभरा हुआ वक्ष, कमलदण्ड सी पतली कमर, गहरा नाभिकुण्ड सब कुछ चिपकी हुई टी-शर्ट में साफ-साफ परिलक्षित हो रहा था।

शराब जितनी पुरानी होती है उतनी ही ज्यादा नशीली होती है।

जितना चकोर चाँद से करता है जितना भँवरा कली से करता है, जितना समंदर नदी से करता है, जितना......... ।

वृंदावन में रहोगे तो राधे-राधे कहोगे।

भाषा के बाद यदि शैली की बात करें तो कई शैलियाँ उपन्यास में देखने को मिलती है। जिनमें कथात्मक, विचारात्मक और वर्णनात्मक शैलियों की प्रमुखता है। कहीं-कहीं अलंकारिक शैली भी मिलती है। उपन्यास का रहस्य पाठक को अंत तक बाँधे रखने का कार्य करता है, जो कथा-साहित्य की अनूठी विशेषता है। जो इस उपन्यास में मिलती है।

जमाने से बच् के तुझे निहार आया हु

जमाने से बच् के तुझे निहार आया हु, अपने दर्द को लब्जों में उतार आया हूँ,

उसने कहा ये दरिया खून से लबरेज है, दर्द की कश्ती से ही इस पार आया हूँ।

उंहें अंदाजा नहीं है, मेरे अंदर की आग का..
जंगी तूफान में दर्द का चिराग जला आया हूँ.,

उनकी ख्वाइस है मेरे दर्द से रूबरू होने की,
मैं दिल को तो अपनी कब्र पर छोड़ आया हु।

उनके सितार ने दिल को बजाया बार बार, आपने दर्द की धुन मैं रूहों में बिखेर आया हूँ.

वो जख्म् पर मरहम नहीं,नमक छिड़कने आए. अफ़सोस,मैं दर्द को चिराग बना आया हूँ।

काफिला लेकर आए मेरे जनाजे में होने शामिल,
मैं अपनी रूह को उनके जेहन में छोड़ आया हूँ।

नई दिल्ली
मंगलवार 11 अक्टूबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

कानपुर में बारिश से गिरे 9 मकान

200 मीटर के दायरे में 2 हादसे, बाल-बाल बचे राहगीर, कोई जनहानि नहीं

कानपुर। कानपुर में रविवार शाम 7 बजे से शुरू हुई बारिश सोमवार को अब तक जारी है। बीते 18 घंटे से हो रही लगातार बारिश से कानपुर बेहाल हो गया है। 200 मीटर के दायरे में स्थित यतीमखाना, गद्दियाना और रहमानी मार्केट में जर्जर मकान गिर गए। मकान पूरी तरह जमींदोज हो गए हैं। हादसों के चलते पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। पुलिस जर्जर भवनों के आगे अनाउंसमेंट करा रही है।

कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार बारिश हो रही है। पूरी रात बरसे बादलों की वजह से सड़कें जलमग्न हो गई हैं। वीआईपी रोड पर यूनीपोल गिर गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। यतीमखाना मकान की मालकिन रिजवाना ने बताया कि जर्जर होने की वजह से 6 महीने पहले ही मकान खाली कर दिया था।

7 सेकेंड में मकाना हो गया जमींदोज

यतीमखाना में स्थित करीब 100 साल पुराना जर्जर मकान 7 सेकेंड जमींदोज हो गया। मकान के सामने लगे सीसीटीवी में गिरते हुए मकान का वीडियो रिकॉर्ड हुआ। गनीमत रही कि आसपास से गुजर रहे वाहन इसकी चपेट में नहीं आए। आसपास मौजूद लोगों ने भी भाग कर अपनी जान बचाई।

जाजमऊ में सड़क का बड़ा हिस्सा धंसा

सोमवार को सुबह बारिश के चलते जाजमऊ स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा के पास सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया। 10 फीट सड़का का बड़ा हिस्सा धंसने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। पुलिस ने बैरिकेड कर दिया है। वहीं वीआईपी रोड के पास बड़ा पेड़ गिर गया। इससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। नगर निगम की टीम ने पेड़ हटाने का कार्य शुरू कर दिया है।

कानपुर में बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग, लखनऊ ने कानपुर नगर, कानपुर देहात, फतेहपुर, उन्नाव और रायबरेली में बारिश को रेड अलर्ट जारी किया है। यहां मौसम विभाग ने पुलिस और प्रशासन को अलर्ट रहने की सलाह दी है। वहीं सभी अस्पतालों को अलर्ट मोड में रखा गया है। बता दें कि मानसून के दौरान भी बारिश को रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया था।

यहां-यहां गिरे मकान

-यतीमखाना में पूरा घर गिर गया।
-गद्दियाना में पूरा घर गिरा।
-बजरिया कूड़ा घर के पीछे छत और जीना गिरा।
-कराची खाना में 2 मंजिला मकान के बीच का हिस्सा गिरा।
-तपेश्वरी मंदिर के पीछे मकान एक मकान का बड़ा हिस्सा गिरा।
-पुराना कानपुर में मकान की दीवार गिरी।
-लालइमली कैंपस की बाउंड्री वॉल गिरी।
-जूही सफेद कॉलोनी में मकान गिरा।
-रहमानी मार्केट स्थित मकान का छज्जा गिरा।

यहां-यहां गिरे पेड़

-लाल बंगला पुलिस चौकी रोड
-सिविल लाइंस वेस्टकास्ट स्कूल के पास
-बड़ा चौराहा।
-वीआईपी रोड चंद्रलोक अपार्टमेंट के सामने
-कर्रही में मकान की छत पर गिरा।

100 मिमी. बारिश दर्ज की गई

सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि कल शाम से अब तक करीब 100 मिमी. बारिश हो चुकी है। अभी मूसलाधार बारिश जारी रहेगी। वहीं रविवार-सोमवार की देर रात कड़ाके की बिजली चमकी, इससे लोग काफी सहम गए। लगातार बारिश के साथ बिजली कड़क रही है।

बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव

भीषण बारिश से शहर के मरियमपुर रोड, विजय नगर, गल्ला मंडी, शास्त्री नगर, किदवई नगर, गोविंद नगर मार्केट, जूही खलवा पुल, सर्वोदय नगर, आरटीओ रोड, भौंती बाईपास समेत कई इलाकों में पानी भर गया है। लोगों को आने-जाने में काफी मुश्किलें हो रही हैं।

हैलट में हुआ जलभराव

बारिश की वजह से कानपुर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हैलट भी जलभराव से अछूता नहीं रहा। यहां इमरजेंसी के बाहर ही बारिश का पानी भर गया।
इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के साथ उनके तीमारदारों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तीमारदारों को अपने पेशेंट को जलभराव के बीच से निकाल कर ले जाना पड़ा।

35 प्रतिशत खराब हो चुकी फसलें

जिले में चार दिन से हो रही वर्षा से खेतों में कटने को तैयार फसलों को नुकसान पहुंचा है। किसानों की परेशानी बढ़ गई है।
आगामी फसलों के लिए भी तैयारी नहीं हो पा रही है। कृषि मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि खेतों में रबी, धान, उड़द, मूंग, मक्का की फसल व सब्जियां तैयार थीं लेकिन तेज हवाओं के साथ वर्षा होने से 35 प्रतिशत तक खराब हो चुकी हैं।

2 बार प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गए थे मुलायम सिंह यादव

नई दिल्ली। मुलायम सिंह यादव राजनीति के अखाड़े के पहलवान कहे जाते थे। उन्हें अपने विरोधियों को चित करने में महारत हासिल थी। मुलायम उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे। वह देश के रक्षा मंत्री भी बने। हालांकि, मुलायम के राजनीतिक जीवन में 2 बार ऐसे मौके आए, जब वह प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गए। आज नेताजी का गुरुग्राम के अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। हम आपको वो किस्सा बताते हैं कि आखिर कैसे पीएम बनने का मुलायम का सपना पूरा न हो सका।

पहला मौका 1996 में आया, जब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी मात मिली थी। कांग्रेस के खाते में 141 सीटें आईं और भाजपा ने 161 सीटें जीती थीं। अटल बिहारी वाजपेयी को सरकार बनाने का निमंत्रण मिला। वह प्रधानमंत्री तो बने लेकिन 13 दिनों बाद ही उनकी सरकार गिर गई। अब कांग्रेस के पास मौका था लेकिन वह खिचड़ी सरकार बनाने के मूड में नहीं थी। तब वीपी सिंह ने भी पीएम बनने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने बंगाल के सीएम ज्योति बसु का नाम आगे बढ़ाया जिसे पोलित ब्यूरो ने नामंजूर कर दिया।

अब प्रधानमंत्री की रेस में मुलायम और लालू प्रसाद यादव का नाम सबसे आगे था। हालांकि, चारा घोटाले के चलते लालू इससे बाहर हो गए। सबको एक करने का काम वामदल के बड़े नेता हर किशन सिंह सुरजीत को सौंपा गया था। उन्होंने मुलायम के नाम की पैरवी की। बताते हैं कि उनके शपथ ग्रहण की तैयारियां भी कर ली गई थीं। हालांकि, लालू और शरद यादव इसके लिए तैयार नहीं हुए, जिससे बात नहीं बन पाई। इसके बाद एचडी देवगौड़ा को पीएम पद की शपथ दिलाई गई।

एचडी देवगौड़ा के नेतृत्व वाली मिली-जुली सरकार जल्द ही गिर गई। 1999 में फिर चुनाव हुआ। मुलायम सिंह ने संभल और कन्नौज दोनों ही सीटें जीत लीं। पीएम पद के लिए एक बार फिर उनका नाम आगे आया। एक बार फिर दूसरे यादव नेताओं ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। ऐसे में यह दूसरा मौका था जब मुलायम के पास आती पीएम की कुर्सी दूर हो गई। बाद में मुलायम ने एक रैली में कहा भी कि लालू प्रसाद यादव, शरद यादव, चंद्र बाबू नायडू और वीपी सिंह के चलते वह प्रधानमंत्री नहीं बन सके।

विस्फोटक पदार्थों का तस्कर गिरफ्तार

बागपत। थाना सिंघावली अहिर पुलिस ने तिलपनी गांव में छापेमारी करते हुए एक अवैध विस्फोटक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से लगभग 3 कुंटल 5 किलोग्राम अवैध विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। बागपत पुलिस निरंतर अवैध विस्फोटक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चेकिंग अभियान चला रही है। पुलिस ने एक माह में आधा दर्जन से अधिक अवैध विस्फोटक पदार्थों की तस्करी करने वाले अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बागपत की सिंघावली अहिर पुलिस ने अवैध विस्फोटक पदार्थ तस्कर को छापेमारी के दौरान तिलपनी गांव से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त फुरकान पुत्र रहीसुद्दीन निवासी तिलपनी है जो कि अवैध विस्फोटक पदार्थ तस्कर है। बागपत अपर पुलिस अधीक्षक मनीष मिश्रा ने बताया, अवैध विस्फोटक पदार्थ तस्करों के खिलाफ जनपद में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

कानपुर देहात में आकाशीय बिजली गिरने से 2 की मौत

डीएम बोलीं-रेड जोन में है जनपद, घर से बाहर न निकलें

कानपुर देहात। कानपुर देहात में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, 9 बकरियां भी चपेट में आ गईं। जिला प्रशासन ने बारिश के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की है। पहली घटना भोगनीपुर तहसील के बरौर के बरगवां की है। यहां के बाबूलाल(55) रविवार दोपहर बाद खेतों में बकरियां चराने गए थे।इसी बीच बारिश के दौरान तेज आकाशीय बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। जबकि उनकी 3 बकरियों की भी जान चली गई।
दूसरी घटना कलेनापुर में हुई। यहां अनूप यादव(28) बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़ा था। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से उसकी भी मौत हो गई। वहीं, उसकी 6 बकरियों

की भी जान चली गई।

डीएम बोलीं-पक्के मकानों में लें शरण

जिलाधिकारी नेहा जैन ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से कहा है कि कानपुर देहात रेड अलर्ट जोन में है। अभी भी बारिश होने व आकाशीय बिजली के गिरने की पूरी संभावना है। सभी लोग अपने अपने घरों में रहें। अगर कोई कच्चे मकान में रहता है तो कृपया पक्के मकानों में शरण ले लें।

दुष्कर्म के बाद 15000 में गर्भपात का समझौता

मैनपुरी, कुरावली। मैनपुरी में एक नाबालिग रेप पीड़िता गर्भवती को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। उसके ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई, जिसमें वह लगभग 80त्न तक जल गई। उसका इलाज सैफई मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, जहां हालत गंभीर बताई जा रही है। इस मामले में आरोपी, उसकी मां और उसकी बहन पर केस दर्ज किया गया है। आरोपी की मां को गिरफ्तार कर लिया गया है। भाई-बहन की तलाश जारी है। आरोपी पीड़िता का चचेरा भाई है। मामला 8 अक्टूबर को सामने आया था, जब पीड़िता इलाज के लिए सैफई जिला अस्पताल पहुंची थी। बताया जा रहा है 3 महीने पहले नाबालिग के साथ उसके भाई ने रेप किया। तब ये बात डर के कारण पीड़िता ने किसी को नहीं बताई। 3 अक्टूबर को इस बात का पता पीड़िता की मां को लगा। इस मामले को लेकर गांव और परिवार के कुछ लोगों की गांव में एक पंचायत भी हुई थी।

मुलायम सिंह के जाने से मौन हो गया सैफई, बाजारें बंद, शोक में डूबे लोग

इटावा। समाजवादी नेता और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन की सूचना से पैतृक गांव सैफई अवाक रह गया। अपनों के आंसू पोछने वाले मुलायम के न रहने पर सैफई मौन सा हो गया। सैफई बाजार, दुकानें और सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के आसपास मेडिकल स्टोर सब बंद हो गए। उधर, सैफई ब्लॉक कार्यालय के पास हनुमान प्रतिमा के पीछे मुलायम के अंतिम संस्कार की तैयारियां भी की जा रही है।

मुलायम के अंतिम संस्कार में उत्तर प्रदेश समेय कई राज्य के मुख्यमंत्रियों व कई केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की सूचना को लेकर प्रशासनिक अधिकारी तैयारियों में जुटे रहे। सैफई हवाई पट्टी से सैफई पंडाल तक प्रशासन मौजूद है। साफ सफाई के अलावा सुरक्षा के भी इंतजाम किए जा

रहे है। मुलायम सिंह के पैतृक आवास पर पार्थिव शरीर रखने और वीवीआईपी के अंतिम दर्शन के लिए तैयारियां की जा रही हैं। आम जनता अंतिम दर्शन सैफई पंडाल में मंगलवार सुबह कर सकेगी।

धरतीपुत्र के नाम से प्रसिद्ध मुलायम सिंह यादव का सैफई से जुड़ाव जगजाहिर है। यही कारण है कि छोटे से छोटे आयोजन व पारिवारिक कार्यक्रमों व त्योहारों पर वह सैफई अवश्य आते थे और लोगों से भी दिल खोलकर मिलते थे। उनके निधन की सूचना जैसे ही सैफई पहुंची तो उनके परिवार के साथ ही गांव में भी सन्नाटा छा गया। मुलायम के छोटे भाई अभयराम यादव सैफई में ही रहते हैं सुबह से ही उनके पास बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

आगरा में डबल मर्डर : पत्नी और मासूम बेटी की चाकू से गोदकर हत्या

दूसरे कमरे में सो रहा था 3 साल का बेटा

आगरा। आगरा के खंदौली में डबल मर्डर से सनसनी फैल गई। रविवार देर रात एक युवक ने पत्नी और मासूम बेटी की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद वह घर से भाग गया। सुबह पता चलने पर गांव वाले और पुलिस मौके पर पहुंच गए। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।
महिला के भाई जवाहर सिंह ने बताया, पांच साल पहले मेरी बहन की शादी मनमोहन के साथ हुई थी। मनमोहन शराब पीता था। उसका दूसरी महिला से अवैध संबंध था। मेरी बहन विरोध करती थी। इसके चलते ही हमारी बहन की हत्या हुई है। एसएसपी प्रभाकर चौधरी का कहना है कि मृतका का पति फरार है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।
खंदौली थाना के पैंतखेड़ा निवासी मनमोहन सिंह

आगरा में ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करता है। घर में उसकी पत्नी ममता, सवा साल की बेटी सौम्या और तीन साल का बेटा आरव था। घरवालों ने बताया कि शनिवार रात 9.30 बजे मनमोहन ने पत्नी, बेटे और बेटी के साथ घर में खाना खाया था। रात 11 बजे वह बाहर घूमता देखा गया था। इसके बाद देर रात को पति-पत्नी में विवाद हो गया। इसके बाद मनमोहन ने पत्नी ममता और बेटी सौम्या की चाकू से गोदकर हत्या कर दी और फरार हो गया।

सुबह हुई जानकारी

सुबह 7 बजे तक मनमोहन के घर का कोई नहीं दिखा, तो पड़ोस में रहने वाले उसके चाचा हरिओम घर पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक कमरे में ममता और सौम्या जमीन पर खून से लथपथ पड़े हैं। दूसरे कमरे में बेटा आरव सो रहा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।
गांववालों की भीड़ लग गई। गांव में हर कोई दोहारे हत्याकांड से सन्न रह गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

कौशांबी : कंपोजिट विद्यालय की प्रधानाध्यापिका निलंबित

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में जूनियर हाई स्कूल की पुस्तकें कबाड़ी को बेचे जाने के आरोप में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने एक कम्पोजिट विद्यालय की आरोपी प्रधानाध्यापिका को सोमवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। प्रकरण की जांच संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को दे दीगई। सूत्रों के अनुसार मंझनपुर विकासखंड केअगियौना गांव स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 6 से 8 तक की किताबें गत रविवार को रसोईया द्वारा कबाड़ी राजकुमार के हाथ बेच दिया गया था। इसकी जानकारी होने पर गांव प्रधान संदीप चौधरी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रकाश सिंह को मामले से अवगत कराया सूचना पाते ही बेसिक शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंच गए और रसोईया श्याम गुजारी से पूछताछ की गयी। पूछताछ में उसने बताया कि प्रधानाध्यापिका प्रेमलता के कहने पर उसने किताबें बेची है जानकारी होने पर तत्काल किताबों को कबाड़ की दुकान से बरामद कर कब्जे में ले लिया गया बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आज प्रधानाध्यापिका प्रेमलता को निलंबित कर दिया।

व्यापारी हित में सदा याद किए जाएंगे मुलायम सिंह यादव : अभिमन्यु गुप्ता

बागपत । समाजवादी पार्टी के संरक्षक, पूर्व रक्षा मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने सोमवार को शोकसभा का आयोजन किया। शोकसभा में जिलाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने व्यापारियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने व्यापारियों के हित में अनेक कार्य किए हैं, जिसके लिए व्यापारी हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने व्यापारियों पर लटकने वाली तलवार 3/7 जैसे भयानक कानून को समाप्त करके व्यापारियों को राहत दिलाई। वर्ष 2008 में अग्रवाल मंडी टटीरी के व्यापारियों पर अंधाधुंध गोली बरसाने की घटना पर शोक व्यक्त करने अग्रवाल मंडी आए और चार मृतकों के आश्रित प्रत्येक परिवार को तीन लाख रुपए की प्रत्येक को सहायता राशि पार्टी फंड से प्रदान की। घायलों को 75 हजार रुपए प्रति व्यक्ति सहायता राशि प्रदान की। इस अभूतपूर्व कार्य के लिए प्रदेश का संपूर्ण व्यापारी समाज उन्हें सदैव याद रखेगा। शोक सभा में पंकज गुप्ता, अनिल गोयल, संदीप गोयल, विनोद जिंदल, मनोज जिंदल, दीपक गोयल, सतीश जिंदल, मनीष सिंघल, सचिन सिंघल, सलीम अहमद,आर्य भूषण आर्य, अंकित गोयल समेत सैकड़ों व्यापारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारी बारिश में गिरी दीवार, मलबे में दबकर एक की मौत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रताप गढ़ जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण कारण मकान की एक दीवार गिरने से उसके मलबे में दबकर एक की मौत हो गयी तथा दूसरा घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि उदयपुर थानाक्षेत्र के रेहुआ लाल गंज में आज सवेरे लगभग 05 बजे मकान की कच्ची दीवार गिरने से मलबे में दबकर दिलीप कुमार सिंह (35) पुत्र राम बहादुर सिंह व उनके भतीजे अखिलेश सिंह पुत्र मान सिंह घायल हो गये , ग्रामीणों ने दोनों घायलों को मलबे से बाहर निकाला और उन्हें स्थानीय अस्पताल में ले गये। अस्पताल के डॉक्टरों ने दिलीप को मृत घोषित कर दिया।

बैंकों और मार्केटिंग कंपनियों ने की ठगी

फतेहपुर में आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराने और पैसा दिलाने की मांग कर पहुंचे पीड़ित

फतेहपुर। फतेहपुर में ठगी पीड़ित जमाकर्ताओं ने डीएम के नाम ज्ञापन अधिकारियों को दिया। परिवार रजिस्टर्ड के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में विभिन्न बैंकों और रिटेल मार्केटिंग कंपनियों के द्वारा लाखों लोगों का पैसा जमा कराने के बाद ठगी कर भाग जाने पर नाराजगी जताई। संबंधित बैंक कर्मियों और रिटेल कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए पैसा दिलाने की मांग की है।

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार रजिस्टर्ड के जिला अध्यक्ष मदनलाल आजाद के नेतृत्व में हजारों की संख्या में महिलाओं और पुरुष पहुंचे। डीएम को शिकायती पत्र देते हुए मांग किया कि उन लोगों द्वारा फतेहपुर जिले में टैंगो, रिटेल मार्केटिंग लिमिटेड, रौज वैली, कैमुना, क्रेडिट, पल्स, सहारा इंडिया, बीथर्ड प्लस, एचबीएन, आईसीएल आदि कंपनियों द्वारा जिले के लाखों नागरिकों का पैसा जमा कराने के बाद कंपनी बन्द कर भाग गए। ठगी की शिकार लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उनका पैसा वापस दिलाया जाए। ठगी का शिकार लोगों ने कहा कि जिले से विभिन्न बैंकों कंपनियों द्वारा अरबों रुपए की ठगी की गई है। ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार रजिस्टर्ड के जिलाध्यक्ष मदनलाल आजाद ने कहा कि हमारी जिलाधिकारी से मांग है कि ऐसे लोगों के खिलाफ गैंगस्टर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराते हुए जिले के लाखों लोगों का जो कंपनियों द्वारा पैसा जमा कराने के बाद ठगी कर भाग गए हैं उनका पैसा दिलाया जाए।

शार्ट न्यूज

गोण्डा में नदियों ने मचायी भारी तबाही, 107 गांव हुए जलमग्न

गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोण्डा, जिले में नेपाल से छोड़े गये पानी और आसपास के इलाकों में हो रही बरसात से घाघरा,सरयू,,कुआनो ,बिसुहि,मनोरमा,टेढ़ी नदियों में आयी बाढ़ ने 107 गांवों में तबाही मचा रखी है। गोण्डा जिले के कर्नलगंज और तरबगंज तहसील क्षेत्रों में घाघरा और सरयू की उफान से तटवर्ती गांवों की 73000 आबादी बाढ़ का दंश झेल रही है। इसके अलावा 2500 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि जलमग्न है। जिला आपदा अधिकारी राजेश कुमार के अनुसार जिले की कर्नलगंज तरबगंज और सदर तहसील में प्रभावित 107 गांवों में नकहरा, घरकुइया ,प्रतापपुर, काशीपुर, रेकसडिया, कुरासी, लोनियनपुरवा, मझौवा, दुर्गागंज माझा,सोनौली मोहम्मदपुर,चंदापुर किटोली शामिल है। उन्होंने बताया कि सरयू व घाघरा समेत दोनों नदियों का जलस्तर निरंतर बढ़ रहा है। नदियों के तेज बहाव से एल्गिन- चडसड़ी, भिखारीपुर-सकरौर,आदमपुर -रेवली ,परसपुर-धौरहरा बांधों को बचाने के लिए मरम्मत कार्य जारी है। उन्होनें बताया कि जलमग्न गांवों से ग्रामीणों के आवागमन व राहत सामग्री पहुंचाने के लिये 107 नावें लगी है। साथ ही राजकीय आपदा मोचन बल के जवानों को विषम परिस्थितियों से निपटने के एलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा टीम बनाकर राहत सामग्रियां पीड़ित परिवारों को वितरित की जा रही है।

बाढ़ के पानी में डूबकर तीन लोगों की मौत

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में बाढ के पानी में डूबकर तीन लोगों की सोमवार को मौत हो गई। इनमें सभी के शव बरामद हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरूहा बेहड निवासी 44 वर्षीय रामकरन पुत्र साधु आज मवेशियों को बाढ़ से निकालने के लिए गया था। मवेशी हांकते समय वह पानी में डूब गया। परिवार के लोगों ने शव पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसी थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत रमपुरवा के मजरा भागीरथपुरवा निवासी 60 वर्षीय फेरूलाल शाम को खेत जा रहा था। खेत जाते समय उसका पैर फिसल गया, जिससे वह बाढ के पानी में बह गया। पुलिस ने बाद में शव को पानी से निकालकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। उधर मुर्तिहा कोतवाली के निद्धीपुरवा गांव निवासी जोधा पुत्र सुरेश चंद्र पानी में डूब गया है। जोधा का शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस शव की तलाश नहीं रही है। एनडीआरएफ की टीम भी नहीं पहंची है।

कानपुर में भारी बारिश, शहर में कई नाले ओवरफ्लो

कानपुर। भारी बारिश से कानपुर पूरी तरह जलमग्न हो गया। हाईवे से लेकर सड़क तक जहां-तहां सिर्फ पानी ही पानी दिखा। दैनिक भास्कर ने हाईवे से लेकर शहर की तमाम सड़कों का बरसते पानी के हालातों को देखा। भौंती के पास कानपुर-दिल्ली हाईवे पर भी जगह-जगह जलभराव देखने को मिला। वहीं सीसामऊ नाला ओवरफ्लो होकर नदी की तरह बहता दिखा। सोमवार को अमूमन सड़कों पर सुबह से ही काफी भीड़ होती है, लेकिन सुबह से हो रही बारिश के चलते सभी सड़कों, चौराहों पर 1 बजे तक भी सन्नाटा पसरा रहा। कार से आने-जाने वाले लोग भी बेहद कम नजर आए। स्कूलों को पहले ही बंद कर दिया गया था। कानपुर में सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश के बाद दोपहर 2 बजे बारिश कुछ कम हुई और 3 बजे तक धूप निकल आई। वहीं पानी थमने के बाद सड़कों से पानी भी खाली होना शुरू हो गया। वहीं कानपुर में 9 जगह मकान गिरे, लेकिन गनीमत रही कि कोई भी हताहत नहीं हुआ। वहीं शहर में 4 जगहों पर पेड़ गिरने की सूचना मिली।

राप्ती नदी में बाढ़ से दर्जनों गांव का सम्पर्क टूटा

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में पहले बाढ़ सुकून छीनती है, फिर नदी की कटान लोगों की नींद उड़ा देती है। राप्ती नदी के उफान के कारण इर्द-गिर्द बसे दर्जनों गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से देर रात टूट गया। उक्त गांव तक पहुंचने के लिए नाव ही एक मात्र सहारा है। डुमरियागंज तहसील छेत्र का पिकौरा गांव और अनुसूचित टोला गांव के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन जिम्मेदार बेफिक्र हैं। कटान रोकने में विभाग की धन कमाऊ नीति ने इस गांव को तबाही के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अभी तक किसी जिम्मेदार की नजर इस गांव पर नहीं पड़ी। राप्ती नदी का पानी गांव में भर रहा है और लोग नाव के सहारे सुरक्षित ठिकाना खोज रहे हैं। नदी किनारे के दर्जनों गांव में बाढ़ से निपटने के लिए तहसील प्रशासन ने केवल नाव का ही प्रबंध किया है। पिछले कुछ माह पहले बांध बांधने का काम हुआ था जिसमें घोर अनियमिता बरती गई। बालू की जगह बोरे में मिट्टी भर कर काम किया गया। मौजूदा समय में बांध का पता नहीं और चारों तरफ पानी ही पानी है। नदी में तेज बहाव होने के कारण बड़ी मुश्किल से नाव मल्लाह चला पा रहे हैं। अनुसूचित टोला निवासी रीता, फूलमती, लक्ष्मी, सुमना, रूकूम, श्यामा, सुनीता, छोटकू, राजू, राजेन्द्र प्रसाद आदि ने कहा हम लोग मौत के साए में जिंदगी जी रहे हैं। कहीं रात के समय बाढ़ ज्यादा हुई तो सभी लोगों के बह जाने का डर रहता है।

रायबरेली में सड़क किनारे मिला युवक का शव, बाइक खेत में पड़ी मिली

रायबरेली। रायबरेली में सड़क किनारे सोमवार को एक युवक का शव पड़ा मिला। राहगीरों ने युवक को सड़क किनारे खेत में पड़ा देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला गुरुबक्स गंज थाना क्षेत्र का है। यहां सुमेर पुर संपर्क मार्ग के राजवापुर के पास सुबह शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान बरदरा गांव के रहने वाले पंकज सिंह के रूप में हुई है। जिसकी उम्र लगभग 40 साल बताई जा रही है। युवक की मौत की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। ग्रामीण अभिषेक ने बताया कि शव देखकर एम्बुलेंस को फोन किया, उसके बाद पुलिस को सूचना दी। गुरबक्श गंज थाना प्रभारी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल परिवार के लोगों ने किसी पर हत्या का आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक के पास ही उसकी बाइक पड़ी मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

'बकाएदार विभागों से बात कर जमा कराएं बकाया'

हरदोई। हरदोई में डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि बड़े बकायेदार विभागों से बात कर बिजली का बकाया जमा कराने की कार्रवाई शुरू की जाए। उन्होंने बिजली बिलों में गड़बड़ी को लेकर अधिशाषी अभियंता विद्युत को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को बेसहारा गोवंशों को लेकर निर्देश दिए। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अन्त्योदय कार्ड धारकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाएं। इसके लिए जिला पूर्ति अधिकारी सभी कोटेदारों की बैठक कराएं। स्वास्थ्य विभाग को पूर्ति विभाग के साथ बेहतर समन्वय के साथ लक्ष्य को जल्द प्राप्त करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सभी स्थापित हेल्थ वेलनेस सेंटरों को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को निर्माणाधीन वेलनेस सेंटरों को जल्द पूर्ण कर हैंड ओवर करने के निर्देश दिए।

रिटायर्ड फौजी को अज्ञात वाहन ने रौंदा

कानपुर देहात। कानपुर देहात के थाना भोगनीपुर के अंतर्गत एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार रिटायर्ड फौजी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल रिटायर्ड फौजी तत्काल पुलिस इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इमरजेंसी ड्यूटी पर मौजूद डाक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। कानपुर देहात के ग्राम असलापुर थाना भोगनीपुर निवासी रिटायर्ड फौजी अशोक कुमार रनिया की एक फैक्ट्री में सुरक्षा कर्मी के पद पर कार्यरत थे। रोज की तरह ड्यूटी करने के बाद बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान हाइवे पर मांवर गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने परीक्षण के बाद उनको मृत घोषित कर दिया।

शार्ट न्यूज

आईओबी ने अल्पावधि मियादी जमा पर ब्याज दरें बढ़ाई

चेन्नई। निजी क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद छोटी राशि की अल्पावधि मियादी जमा पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी की है। आईओबी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अल्पावधि जमा पर ब्याज दरों में 0.35 प्रतिशत और मध्यमावधि जमा पर 0.10-0.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है जोकि आज से प्रभावी होंगी। बैंक के अनुसार सात से 45 दिनों की के लिए अब ब्याज दर 3.25 प्रतिशत से बढ़कर 3.60 प्रतिशत हो गयी है। इसी तरह 444 दिनों के लिए बैंक 5.85 प्रतिशत होगी जो कि पहले 5.65 प्रतिशत थी। इसके अलावा एक साल से तीन साल के लिए अब ब्याज दर को 5.60 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.70 प्रतिशत कर दी गयी है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन 12 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील का संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों सहित कच्चे इस्पात का उत्पादन चालू वित्त-वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 56.8 लाख टन रहा जो कि पिछले वर्ष की समानावधि में 50.7 लाख टन रहा था। जेएसडब्ल्यू स्टील ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कंपनी का तिमाही आधार पर उत्पादन तीन प्रतिशत गिरा है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में उत्पादन 58.8 लाख टन था। कंपनी ने कहा कि उत्पादन में गिरावट मुख्य रूप से जेएसडब्ल्यू इस्पात स्पेशल प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जेआईएसपीएल) में विस्तारित रखरखाव के बंद होना, अमेरिका में कमजोर बाजार की स्थिति और भारत में अन्य स्थानों में कम क्षमता उपयोग के कारण लौह अयस्क की आपूर्ति और रसद में बाधाओं तथा निर्यात में गिरावट को माना जा रहा है।

एक्साल्टा ने बाजार में उतारे जीक श्रृंखला के चार नए ई-स्कूटर

नयी दिल्ली। स्वच्छ ईंधन चलित दुपहिया वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए एक्साल्टा ने अपनी जीक श्रृंखला के चार नये ई-स्कूटर बाजार में उतारे हैं। कंपनी ने किफायती, मजबूत और ग्राहकों की मांग के अनुरूप इन स्कूटरों को तैयार किया है। एक्साल्टा ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जीक श्रृंखला के यह चार मॉडल जीक 1 एक्स, जीक 2 एक्स, जीक 3 एक्स और जीक 4 एक्स हैं। श्रृंखला में जीक 4 एक्स सबसे प्रीमियम मॉडल है, जिसमें 12-इंच के टायर लगे हैं, जो हैंडलिंग गुणवत्ता और स्थिरता को मजबूती देते हैं। कंपनी ने अतिरिक्त सुरक्षा के लिए थर्मल रनवे में तापमान वृद्धि कट ऑफ सर्किट जोड़ा है। यह एकबार चार्ज में 90-100 किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है और इसे चार्ज होने में 4-6 घंटे का वक्त लगता है। जीक 4 एक्स में एलसीडी स्क्रीन, एलईडी लाइट, यूएसबी चार्जर, 3-स्पीड मोड, रिवर्स पार्किंग और एंटी-थेफ्ट अलार्म के साथ आता है। एक्साल्टा के संस्थापक आशुतोष वर्मा ने जीक श्रृंखला को बाजार में उतारने के साथ ही एक्साल्टा ने अपने उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के साथ बेहतर और स्वस्थ कल के लिए प्रयास करने का वादा किया है।

बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्धता 400 पर पहुंची

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को मुंबई में बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म में 400 वीं कंपनी के सूचीबद्धता समारोह में भाग लिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस बीएसई एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म में आठ नयी कंपनियों की लिस्टिंग के साथ, बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म ने 400 सूचीबद्ध कंपनियों की उपलब्धि हासिल की है। श्री गोयल ने विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए आज औपचारिक घंटी बजाई। बीएसई लिमिटेड ने मार्च 2012 में सेबी द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म की स्थापना की थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म के लिए 400 कंपनियां एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। बीएसई एसएमई कंपनियों के लिए मुख्य एक्सचेंज में प्रवेश करने के लिए एक मंच भी बन सकता है।

भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के 2025 तक 13 अरब डॉलर के होने का अनुमान

नयी दिल्ली। भारत में अंतरिक्ष एवं उपग्रह कंपनियों के शीर्ष उद्योग संघ इंडियन स्पेस एसोसिएशन (इस्पा) ने आज कहा कि वर्ष 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था के 13 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस्पा ने अपने प्रथम स्थापना दिवस पर ईवाई के साथ मिलकर एक रिपोर्ट तैयार किया है जिसके आधार पर यह अनुमान जताया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष इस्पा को लांच किया था। यह रिपोर्ट भारत में अंतरिक्ष पारितंत्र के विकासशील घटकों को सामने लाती है और इसमें भारत में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के परिदृश्य एवं देश में इससे सामाजिक आर्थिक विकास में तेजी आने की संभावना को कवर किया गया है। इस्पा के अध्यक्ष जयंत डी पाटिल ने कहा उनके संगठन ने पिछले एक वर्ष में नीति संबंधी परामर्श, उद्योगपतियों के साथ बातचीत में उल्लेखनीय प्रगति की है। हम हमारी परिचर्चा में विभिन्न मंत्रालयों और संस्थानों की ओर से सहयोग और पूरे साल हमारे सदस्यों की भागीदारी की सराहना करते हैं और हमें यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता है कि इस्पा 50 सदस्यों वाला एक मजबूत संगठन है और महज एक वर्ष में यह संख्या सात से बढ़कर 50 पहुंची है। यह हमारे उन प्रयासों का प्रमाण है जिसे सही दिशा में श्रृंखलाबद्ध किया जा रहा है। उन्होंने रिपोर्ट का हवाला देते हुये कहा कि अंतरिक्ष पारितंत्र के तेजी से बढ़ने के साथ भारत साल दर साल 6 प्रतिशत की वृद्धि दर से वर्ष 2025 तक 13 अरब डॉलर पर पहुंचने को तैयार है। चूंकि भारत में नयी अंतरिक्ष नीति आने की उम्मीद है, निजी क्षेत्र की भूमिका भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की मौजूदा मूल्य श्रृंखला में एक क्रांति लाने की होगी।

रुपया 10 पैसे टूटकर नये निचले स्तर पर

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर पर बने दबाव और घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में हुयी गिरावट के कारण आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 10 पैसे फिसलकर अब तक रिकार्ड निचले स्तर 82.40 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया 82.30 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। रुपया आज 38 पैसे की गिरावट लेकर 82.68 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 82.69 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा। इस दौरान यह 82.30 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन अंत में यह 82.40 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

अडाणी समूह को मिला गंगावरम बंदरगाह का बड़ा हिस्सा

नयी दिल्ली। अरबपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी समूह की बंदरगाह कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड(एपीएसईजेड) ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) अहदाबाद और एनसीएलटी हैदराबाद से उसे आंध्र प्रदेश के गंगावरम बंदरगाह लिमिटेड(जीपीएल) की 58.1 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी मिल गयी है। कंपनी ने कहा है कि इसके साथ जीपीएल एपीएसईजेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। एपीएसईजेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक करन अडाणी ने एक बयान में कहा कि यह अधिग्रहण भारत की सबसे बड़ी परिवहन सुविधा कंपनी के रूप में हमारी स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मुकाम है। इससे हमें पूर्वी और पश्चिमी तट पर बराबरी के साथ काम करने की स्थिति हासिल होगी। गंगावरम बंदरगाह पर एपीएसईजेड द्वारा विश्व-स्तरीय लॉजिस्टिक्स सुविधाएं किये जाने के साथ आंध्र प्रदेश में उस बंदरगाह से सालाना 25 करोड़ टन तक माल की ढुलाई की जा सकती है। पूर्वी तट पर इस बंदरगाह से कोयला लौह अयस्क, उर्वरक, चुना पत्थर, बॉक्साइट, चीनी, एल्यमिना, इस्पात आदि की ढुलाई होती है और इससे पूर्वी तट से लगे राज्यों और मध्य क्षेत्र के आठ से अधिक राज्यों को सुविधा होती है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान गंगावरम से तीन करोड़ टन माल की ढुलाई हुयी थी जिससे 1,206 करोड़ रुपये की आय और 796 करोड़ रुपये का परिचालन लाभ हुआ था।

एमजी डेवलपर प्रोग्राम एण्ड ग्रांट सीजन 4 लांच

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी एमजी मोटर इंडिया और इसके कंसोर्टियम सदस्यों ने 'नवाचार' को ब्राण्ड का स्तंभ मानकर डेवलपर प्रोग्राम एण्ड ग्रांट (एमजीडीपी) का चौथा सीजन लॉन्च किया है। यह प्रोग्राम ऑटोमोबाइल उद्योग के लिये सीखने, विकसित होने और समाधान प्रदान करने का एक मौका देगा।

इसके लाँच के मौके पर आयोजित परिचर्चा में स्टार्टअप इंडिया की प्रमुख सुश्री आस्था ग्रोवर, एक्जिकॉम के प्रबंध निदेशक अनंत नाहटा, सेंटर फॉर ऑटोमोटिव रिसर्च एण्ड ट्राइबोलॉजी (सीएआरटी) में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. बी. के. पाणिग्राही, मैपमायइंडिया के अध्यक्ष राकेश वर्मा, विजन मेकैट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. राशि गुप्?ता, जियो-बीपी (रियालंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड) में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के मुख?य परिचालन अधिकारी संदीप बांगिया और फोर्टम इंडिया के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने भाग लिया।

इलेक्ट्रिक वाहन महत?वपूर्ण हो रहे हैं और इसलिये थीम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इनोवेट फॉर इंडिया'' के साथ इस साल का एमजी डेवलपर प्रोग्राम स्टार्टअप , डेवलपर और इनोवेटरों के लिये नवाचार के प्लेटफॉर्म का विस्तार करने पर केन्द्रित होगा। इससे न केवल चार्जिंग का बुनियादी ढांचा, फ्लीट प्रबंधन, इलेक्ट्रिक कम्पोनेन्ट्स, इलेक्ट्रिक बैटरीज, ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशंस, ईवी बैटरी लाइफ साइकल मैनेजमेंट, कनेक्टेड कार सॉल्यूशंस और बीएएएस जैसे क्षेत्रों में समाधानों के लिये अवसर और अभिनव जानकारियाँ मिलेंगी, बल्कि ईवी के पूरे परितंत्र में नये प्रयोगों और अनुभवों का विकास भी होगा।

एमजीडीपी के नये सीजन के बारे में एमजी मोटर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजीव छाबा ने कहा, एमजीडीपी सीजन 4 का लक्ष्य देशभर के ईवी इनोवेटर्स के मिलकर काम करने और नये समाधान विकसित करने के लिये एक जगह बनाकर उद्योग में सकारात?मक बदलाव लाना है। यह मंच उद्योग के सर्वश्रेष्ठ दिमागों को एक साथ आकर ऐसे आइडियाज लाने के लिये एकजुट करना चाहता है, जिनमें ईवी के परिदृश्य को बदलने की क्षमता हो। हमें उम्मीद है कि इस फोरम की प्रेरणा से उद्योग में इस प्रकार की कई पहलें होंगी, ताकि ईवी से सम्बंधित प्रभावी और ठोस बातचीत जारी रहे। हमारा मानना है कि इसके द्वारा हम एक अनुकूल माहौल बना सकेंगे, जहाँ प्रतिभा, नवाचार और टेक्नोलॉजी एक साथ फल-फूल सकें। लॉन्च के बारे में इनवेस्ट इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ दीपक बागला ने कहा, नवाचार और टेक्नोलॉजी किसी भी उद्योग की वृद्धि के लिये जरूरी हैं और यह बात यातायात उद्योग के लिये भी सच है। यह प्रोग्राम कुछ सबसे उत्तम और प्रतिभाशाली इनोवेटर्स देगा, जो ऑटोमोटिव उद्योग के कायाकल्प की स्थिति में होंगे। इसके अलावा, यह भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में अभिनव अवधारणाओं के विकास को प्रेरित करेगा, जिससे और भी प्रगति और विकास होगा। हमें इस पहल के माध्यम से कुछ अभिनव समाधानों के मिलने की उम्मीद है।

अल्टिग्रीन ने दिल्ली में प्रवेश किया

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी अल्टिग्रीन ने सोमवार को दिल्ली में अपनी पहली रिटेल डीलरशिप का उद्घाटन किया। यह हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद पिछले 15 दिनों में अल्टिग्रीन की तीसरी रिटेल डीलरशिप है, जिसकी मदद से कंपनी राजधानी के इलेक्ट्रिक वाहन बाज़ार में अपने कदम जमाना चाहती है। कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ सरन ने इस अवसर पर कहा, हम भारत की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) राजधानी बनने की दिशा में दिल्ली के सफर में योगदान देने का अवसर पाकर बहुत आभारी हैं। साई श्रीजा समूह को ऑटोमोबाइल रिटेल में दशकों का अनुभव है जो पूरे राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच स्थापित करने में बहुत मददगार होगा। कंपनी की 2022-23 के दौरान लखनऊ, कोच्चि, सूरत और ठाणे सहित 40 शहरों में डीलरशिप खोलने की योजना है, जबकि हमारी अत्याधुनिक फैक्ट्री यह सुनिश्चित करेगी कि हम मांग को पूरा कर सकें। अल्टिग्रीन ने नयी दिल्ली में अपनी पहली रिटेल डीलरशिप के लिये साई श्रीजा ऑटो एलएलपी से हाथ मिलाया है, जो एमजी मोटर्स, हुंडई और फोर्ड जैसे कार विनिर्माताओं को भी डीलरशिप प्रदान कर रहा है। साई श्रीजा समूह के संस्थापक अमित पाहवा ने कहा, ईवी बाजार में 2021 से 2030 तक 94.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक विकास दर से बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। स्कूटर और तिपहिया वाहन वास्तव में ईवी क्रांति को चला रहे हैं। हमारी डीलरशिप दिल्ली के लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक सुलभ बनाएगी और उन्हें जीवाश्म ईंधन से इलेक्ट्रिक का रुख करने के लिए प्रेरित करेगी। कार्बन-मुक्त परिवहन में तेजी लाने और इलेक्ट्रिक वाहनों को सुलभ और किफायती बनाने के उनके मिशन में अल्टिग्रीन के साथ साझेदारी करते हुए हमें बहुत गर्व हो रहा है।

पियाजियो व्हीकल्स की सीएससी से साझेदारी

नयी दिल्ली। छोटे वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड (पीवीपीएल) ने ग्राम स्तर के उद्यमियों (वीएलई) के माध्यम से अपने थ्री-व्हीलर बिजनेस नेटवर्क को बढ़ाने के लिये कॉमन सर्विस सेंटर स्पेशल पर्पज व्हीकल के साथ साझेदारी की घोषणा की है। सीएससी स्कीम इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शुरू किये गये डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत मिशन मोड प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह देश की ग्राम पंचायतों में लगभग 4.5 लाख कॉमन सर्विस सेंटर का एक आत्मनिर्भर नेटवर्क है। इस साझेदारी के अंतर्गत ग्राहक अब अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर पियाजियो व्हीकल्स के पोर्टफोलियो से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त सकेंगे और खरीदारी के सम्बंध में पूछताछ कर सकेंगे। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्राफी ने कहा, हम केन्द्र सरकार की सीएससी जैसी पहलों का स्वागत करते हैं। ये पहलें सामाजिक, आर्थिक और डिजिटल रूप से समावेशी समाज के लिये सरकार के आदेश को बढ़ावा देंगी और उन्हें साकार करेंगी। यह साझेदारी अपने लक्षित लोगों की सेवा करने में हमारी मदद करेगी। पियाजियो ने दुनिया के असली थ्री व्हीलर का आविष्कार किया है और हम भारत में छोटे वाणिज्यिक वाहनों के प्रमुख ब्राण्ड हैं। कार्गो और यात्री प्रयोगों में थ्री व्हीलर्स पोर्टफोलियो की सबसे व्यापक रेंज के साथ हम ईंधन से इतर एकमात्र थ्री व्हीलर ब्राण्ड है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में सितंबर में 14,077 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

मुंबई। शेयर बाजार में उथलपुथल के वर्तमान माहौल में भी भारत में शेयरों में निवेश पर केंद्रित इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के प्रति निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है और सितंबर 2022 में इन योजनाओं ने शुद्ध रूप से 14,077 करोड़ रुपये का नया निवेश आकर्षित किया।

इससे पहले अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में 5,942.2 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सितंबर में निवेशकों ने हाइब्रिड फंड योजनाओं से कुल मिला कर 2,688 करोड़ रुपये की पूंजी की शुद्ध निकासी की। अगस्त में भी इन योजनाओं में से 6,601.6 करोड़ की निकासी हुई थी।

इस दौरान लिक्विड फंड योजनाओं से निवेश की 59,970 करोड़ रुपये की भारी निकासी दर्ज की गयी ।

एक्सचेंज ट्रेडेट फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश 10,808 करोड़ रुपये रहा, जबकि ऋण जोखिम बीमा उत्पाद में निवेश वाली योजनाओं में से 492 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की गयी। सितंबर में ऋण पत्रों में निवेश वाली योजना से कुल शुद्ध निकासी 65,372 करोड़ रुपये रही, जबकि अगस्त में इनमें से कुल मिलाकर 49,164 करोड़ रुपये निकाले गए थे। कॉरपोरेट बॉन्ड फंड में निवेश करने वाली योजनाओं में शुद्ध विनिवेश 2,926 करोड़ रुपये रहा।

देश म्यूचुवल फंडों के प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति (एयूएम) सितंबर 2022 के अंत में 38.42 लाख करोड़ रुपये थी। फायर्स के अनुसंधान के प्रमुख गोपाल कवालीरेड्डी ने कहा,शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती में विश्वास व्यक्त करते हुए लार्ज कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप और सेक्टर फंड जैसे इक्विटी फंडों का विकल्प चुना। सेक्टर या थीमैटिक फंडों में 4,418 करोड़ रुपये का सबसे अच्छा निवेश देखा गया, इसके बाद फ्लेक्सीकैप फंड 2,401 करोड़ रुपये और मिडकैप फंड 2,151 करोड़ रुपये का निवेश रहा। आलोच्य माह में 21 म्यूचुअल फंड योजनाएं शुरू की गईं जिससे करीब 3,900 करोड़ रुपये की आमद हुई।

मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अखिल चतुर्वेदी, औसत से नीचे के दो महीने के रुझान के बाद शुद्ध इक्विटी प्रवाह में स्वस्थ वृद्धि बाजारों के लिए अच्छा संकेत है। वैश्विक स्तर पर बाजार में उतार-चढ़ाव और नकारात्मक रुझानों के बावजूद भारतीय निवेशकों ने घरेलू अर्थव्यवस्था और बाजारों में विश्वास जताया है। निवेशकों ने देखा है कि भारत ने वैश्विक समकक्षों के मुकाबले अपने मामलों को अच्छी तरह से प्रबंधित किया है और इक्विटी के लिए घरेलू खरीद समर्थन ने भी एफपीआई बहिर्वाह को कम करने में मदद की है। हम उम्मीद करते हैं कि शुद्ध इक्विटी प्रवाह में यह स्वस्थ प्रवृत्ति आगे भी बनी रहेगी।

टीसीएस का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 10,431 करोड़ रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में वार्षिक आधार पर 8.38 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,431 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी का वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 9,624 करोड़ रुपये था। टीसीएस के निदेशक मंडल ने एक रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर आठ रुपये प्रति शेयर की दर से दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा। कंपनी का परिणामों के उपरांत सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर दो प्रतिशत के उछाल के साथ 3,121 रुपये पर बंद हुआ।

टीसीएस का राजस्व जुलाई-सितंबर 2022 तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 55,309 करोड़ रुपये रहा जो एक वर्ष पूर्व समान अवधि में 46,867 करोड़ रुपये था।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी और प्रबंधन निदेशक राजेश गोपीनाथन ने कहा कि कंपनी की सेवाओं के लिए लगातार मजबूत मांग बनी हुयी है।

उन्होंने कहा, हमने अपने सभी उद्योग क्षेत्रों और अपने सभी प्रमुख बाजारों में मजबूत और लाभदायक वृद्धि दर्ज की है। विकास और परिवर्तन की पहल, क्लाउड माइग्रेशन और आउटसोर्सिंग जुड़ाव के स्वस्थ मिश्रण के साथ हमारी ऑर्डर बुक अच्छी तरह से पकड़ रही है। टीसीएस के पास इस अनिवार्यता को पूरा करने के लिए प्रासंगिक ज्ञान, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता और निष्पादन कठोरता का संयोजन है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, आलोच्य तिमाही में कंपनी की वृद्धि में खुदरा और सीपीजी का हिस्सा 22.9 प्रतिशत, संचार एवं मिडिया का 18.7 प्रतिशत और तकनीक एवं सेवाओं का 15.9 प्रतिशत का हिस्सा रहा। विनिर्माण के साथ-साथ जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य क्षेत्रों में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि बीएफएसआई में 13.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रमुख बाजारों में से उत्तरी अमेरिका में 17.6 प्रतिशत, महाद्वीपीय यूरोप में 14.1 प्रतिशत और ब्रिटेन में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है जबकि उभरते बाजारों में भारत में 16.7 प्रतिशत, लातिन अमेरिका में 19 प्रतिशत, मध्य पूर्व और अफ्रीका में 8.2 प्रतिशत और एशिया प्रशांत में सात प्रतिशत की वृद्धि हुयी है।

शेयर बाजार गिरावट में

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 200.18 अंकों की गिरावट लेकर 57991.11 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 73.65 अंक टूटकर 17241 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मढौली कंपनियों में भी बिकवाली का असर रहा जिससे मिडकैप 0.87 प्रतिशत टूटकर 25163.90 अंक पर और स्मॉलकैप 0.58 प्रतिशत गिरकर 29014.41 अंक पर रहा।

बीएसई में आईटी 0.91 प्रतिशत और टेक 0.73 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर सभी समूह गिरावट में रहा। इसमें सीडी में सबसे अधिक 1.43 प्रतिशत और धातु में सबसे कम 0.01

प्रतिशत की गिरावट रही। बीएसई में कुल मिलाकर 3729 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2128 गिरावट में और 1437 बढ़त में रही जबकि 164 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर लगभग सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहा। इसमें चीन का शंघाई कंपोजिट 1.66 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.71 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 2.95 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.31 प्रतिशत शामिल है जबकि जर्मनी का डैक्स 0.53 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स 784 अंकों की गिरावट के साथ 57424.07 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 58125.01 अंक के उच्चतम और 57365.68 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 58191.29 अंक की तुलना में 0.34 प्रतिशत अर्थात 200.18 अंक टूटकर 58991.11 अंक पर रहा।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 19 गिरावट में जबकि 11 बढ़त में रही। एनएसई का निफ्टी 120 अंकों की गिरावट के साथ 17094.35 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17280.15 अंक के उच्चतम और 17064.70 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 17314.65 अंक की तुलना में 0.43 प्रतिशत अर्थात 73.65 अंक गिरकर 17241 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 35 को नुकसान हुआ जबकि 15 को लाभ हुआ है।

5जी से गांवों का भी होगा कायाकल्प

नयी दिल्ली । उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने कुछ ऐसे 5जी सॉल्युशन्स डेवलेप किए हैं, जो ग्रामीण भारत की काया पलट करने की ताकत रखते हैं।

कंपनी ने आज यहां कहा कि ये 5जी सॉल्युशन्स गांवों में खेती-बाड़ी से लेकर पशुपालन तक सभी के तौर तरीकों को बदल कर रख देंगे। ऐसी टेक्नोलॉजी जो शहरों के साथ गांवों के लिए भी वरदान साबित होगी। हाल ही में लंपी बीमारी ने हजारों पशुओं को लील लिया और एक ऐसे प्रोडक्ट की जरूरत महसूस होने लगी जो समय रहते पशुओं की बीमारी की जानकारी दे दे। 'जियो गऊ समृद्धि' के नाम से रिलायंस जियो ऐसा ही एक 5जी कनेक्टिड डिवाइस डेवलेप किया है। 5 साल तक काम करने वाले और 4 इंच के इस डिवाइस को पशुओं के गले में

घंटी की तरह बांध देना है और बाकी काम 'जियो गऊ समृद्धि' करेगा। देश में करीब 30 करोड़ दुधारू पशु हैं ऐसे में सिर्फ 5जी की स्पीड और लो लेटेंसी के जरिए ही इतने सारे पशुओं पर एक साथ नजर रखी जा सकती है। पशु ने कब खाना खाया, कब पानी पिया, कितनी देर जुगाली की यह सब जानकारी मोशन डिटेक्ट करने वाला यह डिवाइस पशुपालक को देता रहेगा। वैसे तो हर पशुपालक जानता ही है कि पशु बीमार पड़ने से पूर्व जुगाली कम कर देता है या बंद कर देता है। पुश के जुगाली कम या बंद करते ही यह पशुपालक को अलर्ट जारी कर देगा। डिवाइस पशु के गर्भाधारण का सही वक्त भी बताएगा। खेती बाड़ी और मिट्टी की सेहत का ख्याल रखने का काम भी अब जियो-कृषि 5जी डिवाइस से किया जा सकेगा। कितनी बारिश हुई है, मिट्टी और वातावरण में कितनी नमी है, अत्याधिक गर्मी और पाले की सूचना यह डिवाइस रियल टाइम में किसानों तक पहुंचाएगा। यहां तक कि किस खास मौसम की परिस्थिती में कौन सा कीड़ा फसल पर हमला कर सकता है यह अलर्ट भी किसानों को जियो-कृषि डिवाइस देगा।

जियो ने ऐसे ड्रोन सॉल्युशन बनाए हैं जो 5जी कनेक्टिड हैं। यह ड्रोन जियो-कृषि डिवाइस से डेटा कलेक्ट करके, फसल पर कीड़ा लगने की आशंका से पहले ही दवा का छिड़काव कर देगा। और तमाम सावधानियों के बावजूद भी अगर फसल में कीड़ा लग जाता है तो यह ड्रोन इतने इंटेलिजेंट हैं कि केवल उसी जगह पर छिड़काव करेंगे जहां फसल में कीड़े लगे होंगे। मिट्टी अच्छी होगी तो फसल भी लहलहाएगी और गांव समृद्ध बनेंगे।

मोतीलाल ओसवाल ने एशियन फुटवियर्स में किया 225 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। मोतीलाल ओसवाल अल्टरनेट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्रा. लि. (एमओ एल्ट्स) ने एशियन फुटवियर्स प्रा. लि. में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी के लिए 225 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एशियन फुटवियर्स 500-1,500 रुपये के बीच 500 से अधिक डिजाइन के जूते पेश करती है। कंपनी अपने उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ 200 से अधिक वितरकों और 10,000 से अधिक खुदरा विक्रेताओं के माध्यम से बेचती है। एशियन फुटवियर के प्रमोटर राजिंदर जिंदल और आयुष जिंदल ने कहा, हम इस श्रेणी के प्रमुख और विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन के समर्थन के एमओ एल्ट्स टीम के अनुभव का और अधिक लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं। एशियन ब्रांड को बढ़ाने में उपभोक्ता ब्रांडों में मूल्य निर्माण का उनका पूर्व अनुभव भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अच्छे स्तंभ के रूप में कार्य करेगा। एमओ एल्ट्स के निदेशक और उपभोक्ता क्षेत्र के प्रमुख विजय धानुका ने कहा, हम एशियन के साथ साझेदारी करने और घरेलू तथा विदेशी बाजार के लिए एक अग्रणी भारतीय फुटवियर ब्रांड बनाने के लिए उत्साहित हैं। घरेलू विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने वाली एशियन जैसी उभरती कंपनी से आयात पर देश की निर्भरता को कम करने और आत्मानिर्भर भारत के सपने को हासिल करने में मदद करने की उम्मीद है।

ओडीडीआर ने जुटाए दो अरब डॉलर

मुंबई। कानूनी तकनीकी प्लेटफॉर्म ओडीडीआर ने सामा कैपिटल और ट्विन वेंचर्स के नेतृत्व में सीड राउंड में दो अरब डॉलर जुटाए हैं। इस राउंड में अमेरिका, सिंगापुर और जर्मनी की कंपनियों की भागीदारी देखी गयी। सिलिकॉन वैली और भारत में स्थित यह कंपनी उत्तरी अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलियाई बाजार में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए तैयार है, जिसमें भारत में एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किये जाने की योजना है। ओडीडीआर देश में अपने दल के विस्तार की योजना में लगा हुआ है जिसमें उसने मुख्य वास्तुकार के रूप में वरिष्ठ प्रमुख एरिक न्यूमैन को नियुक्त करने की भी घोषणा की है। कंपनी सीड राउंड में प्राप्त हुयी राशि का इस्तेमाल फ्लैगशिप उत्पाद बनाने में करेगी, जिसमें कानूनी, लेखा-जोखा, परामर्श और वित्तपोषण फर्म्स के लिए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) प्रेरित बिल से नगद प्लेटफॉर्म है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ मिलन बोबडे ने कहा, हम विश्व स्तर पर पेशेवर सेवा क्षेत्र के लिए एक बड़ी समस्या को हल करने का लक्ष्य बना रहे हैं। पेशेवर सेवा फर्मों में नकद प्रक्रिया के लिए चालान आज हस्तचलित, पर्ची और बोझिल है जिससे कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ओडीडीआर पहला उद्योग क्लाउड प्लेटफॉर्म है जो एक ही मंच पर बिलिंग, संग्रह और भुगतान को एकीकृत करता है। यह फर्मों को एआई, स्वचलित और डेटा संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से नकद प्रक्रियाओं के लिए चालान को सुव्यवस्थित करने में मदद करता है।

सीतारमण करेंगी आईएमएफ वार्षिक बैठक के लिए अमेरिका यात्रा

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, जी20 समूह के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गर्वनर की बैठकों में भाग लेने के लिए मंगलवार को अमेरिका जाएंगी। वित्त मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि यह यात्रा 11 से 16 अक्टूबर तक होगी जिसमें श्रीमती सीतारमण जापान, दक्षिण कोरिया, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, भूटान, न्यूजीलैंड, मिश्र, जर्मनी, मॉरिशस, यूएई, ईरान और नीदरलैंड समेत अन्य देशों के वित्तमंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। इस दौरान वित्त मंत्री आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन और विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मलपास से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। सीतारमण वाशिंगटन डीसी में स्थित एक गैर-लाभकारी सार्वजनिक नीति संगठन ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन में भारत की आर्थिक संभावनाएं और विश्व अर्थव्यवस्था में भूमिका पर एक भाषण देंगी। यात्रा के अंत में केंद्रीय वित्त मंत्री यूएसआईबीसी और यूएसआईएसपीएफ के साथ भारत-अमेरिका कॉरिडोर में निवेश और नवाचार को मजबूत करने और भारत की डिजिटल क्रांति में निवेश विषयों पर गोलमेज बैठकों में भाग लेंगी। इन बैठकों का उद्देश्य एक निवेश गंतव्य के रूप में भारत के आकर्षण को प्रदर्शित करना है और इसमें प्रमुख व्यापारिक नेताओं और निवेशकों की भागीदारी होगी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.96 प्रतिशत गिरकर 96.98 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.91 प्रतिशत के दबाव के साथ 91.80 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

शार्ट न्यूज

'महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं हरमनप्रीत

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। हरमनप्रीत यह पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपनी हमवतन सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और बंगलादेश की कप्तान निगार सुल्ताना को हराकर यह खिताब हासिल किया। हरमनप्रीत ने पुरस्कार मिलने पर कहा, पुरस्कार के लिए नामांकित होना बहुत अच्छा था, और इसे जीतना एक अद्भुत एहसास है। स्मृति और निगार के साथ नामांकित होने के बाद विजेता बनना विनयपूर्ण अनुभव है। भारत ने हरमनप्रीत की कप्तानी में इंग्लैंड में 23 साल बाद कोई सीरीज जीतते हुए मेजबान टीम को एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। हरमनप्रीत ने दूसरे मैच में 111 गेंदों पर 143 रन की विस्फोटक पारी खेलकर भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने में मदद की थी। हरमनप्रीत ने कहा, मैंने हमेशा अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में बहुत गर्व महसूस किया है और इंग्लैंड में ऐतिहासिक एकदिवसीय श्रृंखला जीतना मेरे करियर में एक ऐतिहासिक क्षण रहेगा। उन्होंने कहा, यह क्रिकेट का सौभाग्य है कि उसके पास दुनिया के कुछ बेहतरीन एथलीट हैं, और उनमें से आईसीसी द्वारा महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुने जाना मेरे लिए एक व्यक्ति और भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान के रूप में एक विशेष उपलब्धि है। हरमनप्रीत इंग्लैंड एकदिवसीय श्रृंखला में 221 की औसत और 103.27 के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं।

भारत ने अंडर-17 एशियाई कप के लिये क्वालीफाई किया

दमाम (सऊदी अरब)। भारत ने एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर 2022 के आखिरी मैच में सऊदी अरब के हाथों हारने के बावजूद एशियाई कप 2023 में जगह बना ली है। मेज़बान सऊदी अरब ने यहां प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम पर रविवार को खेले गये मैच में भारत को 2-1 से मात दी। विजेता टीम के खिलाड़ी तलाल हाजी 22वां मिनट और 58वां मिनट में गोल किये जबकि भारत का एकलौता गोल टी गंगटे (90+5 मिनट) ने अतिरिक्त समय में जमाया। भारतीय युवाओं क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के 10 समूहों की छह सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के नाते मुख्य टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया। भारत ने इससे पहले क्वालीफायर मैचों में मालदीव (5-0), कुवैत (3-0) और म्यांमार (4-1) को मात दी थी।

भारत ने जीती बधिर टी20 चैंपियंस ट्रॉफी

अजमन। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने वीरेंद्र सिंह (50 नाबाद) के अर्धशतक की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर डीआईसीसी टी20 चैंपियंस ट्रॉफी 2022 का खिताब जीत लिया है। भारत ने यहां रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 141 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 101 रन पर ऑल आउट हो गई। भारत ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाए। कप्तान वीरेंद्र ने टीम की अगुवाई करते हुए अर्धशतक जड़ा, जबकि उनका साथ देते हुए इंद्रजीत यादव ने 40 रन की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के लिए आर डु प्लेसिस ने 23 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला और प्रोटियाज 101 रन पर सिमट गई। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रोमा बलवानी ने कहा, यह एक बहुत ही खास टूर्नामेंट था, क्योंकि टीम आईडीसीए भारत में 2018 में आयोजित आखिरी टूर्नामेंट के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल रही थी। इस टूर्नामेंट में कप्तान और कोच एम.पी. सिंह एवं देव दत्त की सहायता की आवश्यकता थी। टीम ने सभी राउंड रॉबिन मुकाबले और सेमीफाइनल जीतने के बाद आज फाइनल में विजयी बनकर उभरने के लिए जो दृढ़ता दिखाई है वह तारीफ के काबिल है। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम को जीत पर बधाई।

किशन ने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध रांची में की छक्कों की बरसात

रांची। झारखंड के ईशान किशन ने रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए एकदिवसीय मैच में 93 रन की विस्फोटक पारी खेलकर दर्शकों का दिल जीत लिया। किशन ने अपनी 93 रनों की पारी में चार चौके और सात गगनचुंबी छक्के लगाए। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका उच्चतम स्कोर है। किशन हालांकि एकदिवसीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ने से चूक गये और ब्योर्न फोर्टिन की गेंद पर हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे। शतक से चूक जाने पर किशन काफी निराश हुए और आउट होने के बाद कुछ क्षणों तक विकेट पर रुके रहे। महेंद्र सिंह धोनी के बाद किशन अपने घरेलू मैदान जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम रांची में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले झारखंड के दूसरे खिलाड़ी हैं। किशन का यह आठवां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच है जबकि रांची में वह पहली बार खेले हैं। आज से पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किशन का उच्चतम स्कोर 59 रन था जो उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2021 में कोलंबो में अपने पदार्पण मैच में बनाया था। किशन ने अपना दूसरा अर्धशतक जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में 2022 में बनाया था। साथ ही, आज से पहले अंतरराष्ट्रीय मैचों में किशन का सबसे बड़ा स्कोर 89 रन था जो उन्होंने लखनऊ में श्रीलंका के विरुद्ध खेले गये टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बनाया था। किशन झारखंड रणजी टीम के कप्तान रहने के अलावा अंडर-19 भारतीय क्रिकेट टीम के भी कप्तान रह चुके हैं।

नाइजीरिया में नाव पलटने से 76 लोगों की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के अंबरा प्रांत में नाव के पलटने से कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई है। राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी ने रविवार को जारी एक बयान में नाव पलटने की घटना में 76 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि बचाव एजेंसियों ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर त्रासदी में मरने वालों की संख्या की सूचना दी थी और दुख व्यक्त किया था। बयान के अनुसार क्षेत्र में बाढ़ के बाद शुक्रवार को अंम्बरा प्रांत के ओगबारू इलाके में 85 लोगों को ले जा रही एक यात्री नौका पलट गई। स्थानीय मीडिया ने राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) के दक्षिणपूर्व क्षेत्र के समन्वयक थिकमैन तनिमु के हवाले से बताया कि बाढ़ के आलावा घटना के अन्य कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद नाइजीरिया के राष्ट्रीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और एनईएमए ने अंम्बरा प्रांत में बचाव अभियान शुरू कर दिया है। श्री बुहारी ने कहा कि उन्होंने अन्य बचाव और राहत एजेंसियों को घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि संबंधित सरकारी एजेंसियों से स्थानीय परिवहन घाटों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल की जांच करने का आग्रह किया है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

वेनेजुएला में भूस्खलन में 22 लोगों की मौत

काराकास। वेनेजुएला के उत्तरी प्रांत अरागुआ में भूस्खलन के बाद कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 52 अन्य लापता बताए गए हैं। उप राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने रविवार को टेलीविजन पर जारी एक बयान में कहा, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो इसे आपदा क्षेत्र घोषित करने जा रहे हैं और उन्होंने तीन दिन के शोक की भी घोषणा की है। बयान के अनुसार भूस्खलन भारी वर्षा के कारण हुआ है। बारिश के कारण राजधानी काराकस से लगभग 60 किमी दूर स्थित लास तेजेरियास शहर के पास कई नदियाँ उफान पर है। उप राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने रविवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और कहा कि लापता लोगों की तलाश के लिए बोलिवेरियन राष्ट्रीय सशस्त्र बलों को भेजा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रभावित परिवारों के लिए आश्रय को बनाया जायेगा और क्षतिग्रस्त व्यवसायों को सहायता प्रदान की जाएगी।

अभ्यास मैच में सूर्यकुमार, अर्शदीप चमके

पर्थ। भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 से पूर्व आयोजित अभ्यास मैच में सोमवार को सूर्यकुमार यादव (52) के अर्द्धशतक और अर्शदीप सिंह (6/3) की शानदार गेंदबाजी से पश्चिम ऑस्ट्रेलिया (वाका) एकादश को 13 रन से मात दी।

पर्थ में पिछले तीन दिनों से अभ्यास कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाये, जिसके जवाब में वाका एकादश 145 रन ही बना सकी।

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। कप्तान रोहित शर्मा (03) के साथ ऋषभ पंत (07) पारी की शुरुआत करने उतरे, हालांकि दोनों बल्लेबाज जल्दी ही पवेलियन लौट गये।

सूर्यकुमार यादव ने भारत के लिये 35 गेंदों पर सर्वाधिक 52 रन बनाये। विश्व टी20 रैंकिंग में दूसरे नंबर के बल्लेबाज ने अपनी पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के जड़े। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ने 20 गेंदो पर 27 रन बनाये जबकि दीपक हुड्डा ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 22(14) रन का योगदान दिया।

जब सूर्यकुमार विकेट पर आये तब भारत पावरप्ले में 28 रन पर दो विकेट गंवा चुका था, लेकिन उन्होंने 18वें ओवर में आउट होने से पहले टीम को 129/5 के स्कोर तक पहुंचा दिया। उनका विकेट गिरने के बाद भारत ने अगली 16 गेंदों पर 29 रन जोड़कर वाका एकादश के सामने 159 रन का लक्ष्य रखा। वाका एकादश ने इस लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 12 रन पर चार विकेट गंवा दिये। अर्शदीप ने निक हॉबसन और ऐरन हार्डी का विकेट लिया जबकि भुवनेश्वर कुमार ने डार्सी शॉर्ट और ऐश्टन टर्नर को आउट किया। विकेटकीपर बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट (22) ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाल रहे थे लेकिन युज़वेंद्र चहल ने उन्हें बोल्ड किया। सै फैनिंग (59) की अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत वाका एकादश 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 145 रन बना सकी।

अर्शदीप ने भारत के लिये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में केवल छह रन देकर तीन विकेट लिये। भुवनेश्वर (चार ओवर, 26 रन) और चहल (चार ओवर, 15 रन) ने दो-दो विकेट लिये। हर्षल पटेल ने एक विकेट लिया लेकिन वह चार ओवर में 49 रन देकर महंगे साबित हुए।

भारत का अगला अभ्यास मैच 13 अक्टूबर को इसी टीम के साथ होगा। इसके बाद रोहित शर्मा की टीम टी20 विश्व कप के आधिकारिक अभ्यास मैचों में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का सामना करने के लिये ब्रिस्बेन रवाना होगी।

बुमराह की अनुपस्थिति दूसरे गेंदबाजों के लिये अवसर : बांगर

कोलकाता। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 विश्व कप 2022 से पहले कहा है कि जसप्रीत बुमराह का चोटग्रस्त होना भारत के लिये बड़ा नुकसान है, लेकिन यह अन्य गेंदबाजों के लिये अपनी छाप छोड़ने का अवसर भी है। बांगर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव पर कहा, जसप्रीत बुमराह का चोटिल होना भारतीय टीम के लिये बहुत बड़ा झटका है। भारतीय गेंदबाजी में बुमराह के न होने से कई टीमें भारत के खिलाफ अपने खेलने के तरीके में बदलाव करेंगी। यह भारत के लिये परेशानी का सबब बन सकता है, लेकिन एक व्यक्ति के चोटग्रस्त होने से दूसरे व्यक्ति के लिये अवसर है। उम्मीद है कि दीपक चाहर या शमी या फिर अर्शदीप विश्व कप में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। बुमराह की चोट ने भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कई दावेदारों को अवसर किया है। चयनकर्ताओं के पास मोहम्मद शमी, दीपक चाहर और मोहम्मद सिराज के रूप में तीन विकल्प मौजूद हैं और उन्हें 15 अक्टूबर से पहले एक नाम निर्धारित करना है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने बुमराह की जगह एक गेंदबाज चुनने पर कहा, यह एक मुश्किल फैसला है। आप उम्मीद कर सकते हैं कि विश्व कप एक खिलाड़ी को खुद से बेहतर होने का अवसर देता है। वे सामान्य से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इसलिए जो कोई भी बुमराह की जगह लेता है, मुझे उम्मीद है कि वह भी ऐसा ही करेगा।

एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से जीता भारत

सिलहेट। महिला एशिया कप 2022 जीतने की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने स्नेह राणा (9/3) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत थाईलैंड को एकतरफा मुकाबले में सोमवार को नौ विकेट से मात दी।

थाईलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.1 ओवर में ऑलआउट होने से पहले केवल 37 रन बनाये। इस छोटे लक्ष्य को भारत ने छह ओवर में ही हासिल कर लिया।

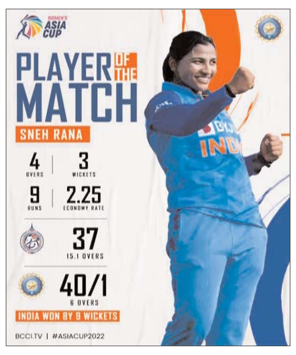

भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए थाईलैंड के 10 बल्लेबाजों को दहाई का आंकड़ा नहीं छूने दिया। थाईलैंड की सलामी बल्लेबाज नानापट कोनचारोएंकाई ने अपनी टीम के लिये सर्वाधिक 12 रन बनाये। भारत के लिये स्नेह ने चार ओवर में नौ रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो-दो विकेट चटकाए। मेघना सिंह ने एक विकेट हासिल किया। भारत के लिये लक्ष्य का पीछा करने उतरीं शेफाली वर्मा आठ रन बनाकर आउट हो गयीं। सबभिनेनी मेघना ने 18 गेंदों पर तीन चौकों के साथ नाबाद 20 रन बनाये जबकि पूजा वस्त्राकर ने 12 गेंदों पर नाबाद 12 रन जोड़े।

निर्णायक मुकाबले में आमने-सामने भारत, प्रोटियाज

नयी दिल्ली। शिखर धवन की अगुवाई वाली भारतीय टीम तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना यहां अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को करते हुए सीरीज जीतने की जीतोड़ कोशिश करेगी।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिये ऑस्ट्रेलिया जा चुकी मुख्य टीम की गैरमौजूदगी में युवा प्रतिभाओं ने भारत का सराहनीय प्रतिनिधित्व किया है। पहले मैच में केवल नौ रन से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी की और दूसरा एकदिवसीय मैच सात विकेट से जीत लिया। पहले मैच में जहां संजू सैमसन ने 86 रन की नाबाद पारी खेली, वहीं दूसरे मैच में श्रेयस अय्यर ने शतक जड़ा। ईशान किशन ने भी रांची में अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए सात छक्कों के साथ 93 रन की पारी खेलकर दर्शकों का मन मोह लिया।

इसके अलावा गेंदबाजों ने भी दूसरे मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले मैच में भारत की हार की वजह बनी डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन की साझेदारी तोड़ने में असफल रहे गेंदबाजों ने दूसरे मैच में न केवल सही समय पर विकेट निकाले, बल्कि डेथ ओवरों में दक्षिण अफ्रीका के रनों पर भी लगाम लगा दी।

नतीजतन दक्षिण अफ्रीका आखिरी आठ ओवरों में केवल 41 रन जोड़कर 50 ओवर में 278/7 का स्कोर ही खड़ा कर सकी। इस मैच में मोहम्मद सिराज ने 10 ओवर में केवल 38 रन देने के अलावा क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स और केशव महाराज का विकेट भी निकाला। टी20 विश्व कप से ठीक पहले मोहम्मद सिराज का यह प्रदर्शन भारत के लिये अच्छी खबर है, क्योंकि वह चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर ऑस्ट्रेलिया जाने के प्रबल दावेदार हैं।

भारत हालांकि चाहेगा कि धवन और शुभमन गिल तीसरे मैच में कुछ रन बनायें।

धवन-गिल को रांची में अच्छी शुरुआत मिली लेकिन वे क्रमश: 13 और 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। धवन अगले साल होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारत के संभावित सलामी बल्लेबाज हैं, इसलिये उनके बल्ले से निकले रन उनके साथ-साथ भारत के लिये भी फायदेमंद होंगे।

दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान और सलामी बल्लेबाज टेम्बा बावुमा टी20 विश्व कप से पहले अपने खाते में कुछ रन जोड़ना चाहेंगे। बावुमा ने भारत दौरे के तीन टी20 मैचों में जहां कुल तीन रन बनाये, वहीं पहले एकदिवसीय मैच में आठ रन बनाने के बाद वह दूसरे एकदिवसीय मैच से बाहर रहे।

अगर वह तीसरा वनडे खेलते हैं तो इस मैच में बनाये गये रन उन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले आत्मविश्वास देंगे।

तीसरे मैच की मेजबान दिल्ली में तीन दिनों से रिमझिम बादल बरस रहे हैं। यदि रविवार को बादल नहीं छटते तो ओवरों की संख्या घटाई जा सकती है या मैच रद्द भी हो सकता है।

यूक्रेन पर रूसी हमलों की तीव्रता बढ़ने पर चिंता जतायी भारत ने

नयी दिल्ली। भारत ने यूक्रेन में रूस के हमलों की तीव्रता बढ़ने तथा नागरिकों एवं आधारभूत ढांचों को निशाना बनाये जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुन: दोनों देशों से हिंसा रोक कर संवाद एवं कूटनीति के रास्ते पर आने की अपील की है और इसके लिए सहयोग की भी पेशकश की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि यूक्रेन में संघर्ष के बढ़ने और आधारभूत ढांचे को निशाना बनाये जाने और नागरिकों की मौतों से भारत बहुत चिंतित है।

उन्होंने कहा, हम पुन: कहते हैं कि हिंसा बढ़ना किसी के भी हित में नहीं है। हम हिंसा को तुरंत रोकने और संवाद एवं कूटनीति के मार्ग पर शीघ्रातिशीघ्र लौटने की अपील करते हैं भारत तनाव को घटाने के प्रयासों में समर्थन एवं सहयोग करने के लिए तैयार है।

बागची ने कहा कि भारत संघर्ष की शुरूआत से हमेशा से कहता आया है कि वैश्विक व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र, अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और सभी देशों की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता का सम्मान की भावना से चलती है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के 229वें दिन आज रूस ने यूक्रेन पर मिसाइलों से सबसे तगड़ा हमला किया और नागरिकों की जानों एवं आधारभूत ढांचे को नुकसान हुआ। माना जा रहा है कि रूस ने यह हमला क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले पुल को विस्फोट से नष्ट किये जाने के बाद प्रतिशोध में किया है।

यूक्रेन के सैन्य प्रमुख जनरल वेलेरी ज़ालुज़्नी के अनुसार रूस की ओर से 75 से अधिक मिसाइलें दागी गई हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 41 मिसाइलों को यूक्रेन के वायु प्रतिरक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। देश के दक्षिणी शहर ज़ापोरिज्जिया और निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र में रात भर हुए हमले के बाद सोमवार की सुबह यहां की राजधानी कीव में विस्फोटों की आवाज सुनाई दी। स्थानीय समयानुसार तड़के करीब तीन बजे टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर ज़ापोरिज्जिया के क्षेत्रीय गवर्नर ऑलेक्ज़ेंडर स्टारुख ने पोस्ट किया,एक बहुमंजिला आवासीय इमारत फिर से नष्ट हो गई। उसमें अनेक लोग हताहत हुए हैं।

निप्रॉपेट्रोस के गवर्नर वैलेंटाइन रेज़्निचेंको के मुताबिक निप्रॉपेट्रोस में रातभर 'बड़े पैमाने पर हमले' हुए। उन्होंने रूस पर कई क्षेत्रों में गोलाबारी का आरोप लगाया। यूक्रेन के गृहमंत्री ने कहा कि रूस की ओर से कीव पर किए गए मिसाइल हमलों में 10 नागरिक मारे गए तथा 24 अन्य घायल हो गए।

मिसाइल प्रक्षेपण परमाणु हमले का अभ्यास

प्योगयांग। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि हाल में मिसाइल प्रेक्षपण वास्तव में दक्षिण पर परमाणु हमले का अनुकरण था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार खुफिया जानकारी से पता चला है कि उत्तर कोरिया पांच साल में अपना पहला परमाणु हथियार परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। सरकारी मीडिया ने सोमवार को एक व्यापक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें दावा किया गया कि मिसाइलों को सामरिक परमाणु हथियार ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। समाचार एजेंसी केएनसीए ने नेता किम जोंग-उन की देखरेख और परीक्षणों का मार्गदर्शन करने की तस्वीरें प्रकाशित की है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खुफिया अधिकारी ने सुझाव दे रहे है कि उत्तर कोरिया 2017 के बाद जल्द ही परमाणु हथियारों का परीक्षण कर सकता है। उत्तर कोरिया के नेता किम ने पिछले महीने उत्तर कोरिया को एक अपरिवर्तनीय परमाणु शक्ति घोषित किया और परमाणु हथियारों का उपयोग करने के लिए अपने कानूनों में संशोधन किया।

अमेरिका के तीन अर्थशास्त्रियों को अर्थशास्त्र में 2022 का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। अमेरिका के तीन अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र में 2022 का नोबल पुरस्कार हासिल किया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को यह घोषणा की। इन विजेताओं में यूएस फेडरल रिजर्व के पूर्व प्रमुख बेन बर्नानके, शिकागो विश्वविद्यालय के डगलस डायमंड और सेंट लुइस, मिसौरी में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के फिलिप डाइबविग शामिल हैं। एकेडमी के मुताबिक तीनों अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को 'बैंकों और वित्तीय संकटों पर शोध' के लिए अर्थशास्त्र 2022 का नोबेल मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने की संसद भंग करने की घोषणा

कुआलालम्पुर। मलेशिया के प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने सोमवार को देश की संसद को भंग करने की घोषणा कर अगले 60 दिनों में राष्ट्रीय चुनावों का होने का प्रशस्त कर दिया। साबरी ने अपने टेलीविज़न संबोधन कहा कि संविधान के अनुसार देश के शासक सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह ने इस बारे में सहमति जतायी है। उन्होंने कहा कि 2018 में राष्ट्रीय चुनाव के बाद कई अभूतपूर्व घटनाएं घटित हुईं, जिसमें कई प्रधानमंत्रियों के बदले जाने और कोरोना वायरस (कोविड -19) महामारी के साथ राजनीतिक अनिश्चितताएं शामिल हैं। इससे देश की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि लोगों का जनादेश देश में राजनीतिक स्थिरता बहाल करने और चुनावों के बाद दृढ़, स्थिर और सम्मानित सरकार बनाने के लिए एक शक्तिशाली उपाय है। उल्लेखनीय है कि मलेशिया के चुनाव आयोग द्वारा मतदान की तारीख की घोषणा की जानी बाकी है। आम तौर पर, संसद के विघटन के दो महीने के अंदर आम चुनाव होना चाहिए। मतदाता 222 सदस्यीय दीवान राक्यत या प्रतिनिधि सभा का चुनाव करेंगे।

यूक्रेन युद्ध और भारत-प्रशांत क्षेत्र पर इसके प्रभाव पर भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चर्चा

कैनबरा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर इसके प्रभाव के मुद्दे पर ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ सोमवार को व्यापक चर्चा की। भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की 13वीं बैठक के बाद दोनों विदेश मंत्रियों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने कहा, हमने यूक्रेन और भारत-प्रशांत क्षेत्र में इसके नतीजों, क्वाड की प्रगति, जी -20 से संबंधित मुद्दों, हमारे त्रिपक्षीय संबंधों, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से संबंधित कुछ चीजों और जलवायु, वित्त तथा सतत विकास लक्ष्यों पर चर्चा की है। वहीं, सुश्री वोंग ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को हिंद-प्रशांत क्षेत्र के मुद्दों को एक साथ सुलझाना चाहिए।

सोमालिया में 200 से अधिक अल-शबाब आतंकवादी ढेर

मोगादिशु। सोमाली राष्ट्रीय सेना के बलों ने मध्य सोमालिया के बुलाबुर्त जिले में एक अभियान के दौरान अल-शबाब के 200 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। एसएनए ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकारी मीडिया के अनुसार आतंकवादी बेलेडवेन और बुलाबर्डे जिले के बीच सड़क को अवरुद्ध करने और हमले की योजना बना रहे थे। इस बीच बलों को समय पर खुफिया जानकारी मिली और रविवार को आतंकवादियों के हमले को नाकाम करते हुए इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया। एजेंसी ने बताया कि अल शबाब के आतंकवादियों का इरादा बुला-बर्डे और बेलेडवेन कस्बों के बीच सड़क को अवरुद्ध करना था। लेकिन उन्होंने गलत अनुमान लगाया और सेना के साथ मुठभेड़ हो गई। सरकार समर्थक मिलिशिया द्वारा समर्थित सोमाली बलों ने पिछले तीन हफ्तों में मध्य सोमालिया में अभियानों में 40 से अधिक गांवों को मुक्त कराया।

मिसाइल अटैकों के बाद पुतिन ने दी हमले और तेज करने की धमकी, जी-7 की शरण में जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन पर एक के बाद एक कई मिसाइल अटैकों के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हमले और तेज करने की धमकी है। बता दें कि ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब रूस को क्रीमिया प्रायद्वीप से जोड़ने वाले एक पुल को शनिवार को विस्फोट से उड़ा दिया गया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और पुल आंशिक रूप से ढह गया था। पुतिन ने इस हमले के पीछे यूक्रेनी सेना का हाथ बताया है। यही नहीं, व्लादिमीर पुतिन ने केर्च ब्रिज पर किए गए हमले को यूक्रेन के स्पेशल सर्विसेज द्वारा किया गया 'आतंकी कृत्य' करार दिया है। पुतिन ने कहा कि इसी हमले के जवाब में यूक्रेन पर और हमले किए गए हैं।

पुतिन ने सोमवार को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक में टेलीविजन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यूक्रेन पर रूस का हमला उसके आतंकी कृत्यों के जवाब में किया गया। उन्होंने कहा, अगर हमारे क्षेत्र में आतंकवादी कृत्यों को करने का प्रयास जारी रहता है, तो रूस की प्रतिक्रिया और भी कठोर होगी। किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। पुतिन ने पुष्टि करते हुए कहा कि रूसी सेना द्वारा यूक्रेन पर सोमवार को किए गए बड़े पैमाने पर हमले ऊर्जा और संचार से जुड़े बुनियादी ढांचे व साथ-साथ सैन्य कमांड प्रतिष्ठानों को टारगेट करते हुए किए गए थे। पिछले कुछ महीने के अपेक्षाकृत शांत माहौल के बाद सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव समेत उसके कई शहरों में मिसाइल से हमले हुए। यूक्रेन के गृह मंत्रालय के सलाहकार रोस्तिस्लाव स्मिरनोव ने बताया कि कीव में हुए हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेनवासियों से मजबूती से डटे रहने की अपील करते हुए अपने टेलीग्राम अकाउंट पर कहा, ''रूस हमें नष्ट करने और पृथ्वी से हमारा नामो-निशान मिटाने की कोशिश कर रहा है।'' कीव के मेयर विताली क्लित्चको ने कीव के बीचों-बीच शेवचेंको में विस्फोट होने की जानकारी दी। इस इलाके में कई सरकारी कार्यालय हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

अबुल फज़ल का खत: महाकवि सूरदास के नाम

मुगल बादशाहों ने बुद्धिमानी के साथ ग्राम-प्रशासन की पुरानी पद्धति को और लगान वसूल करने के हिंदुओं के पुराने तरीके को ज्यों का त्यों जारी रखा। मुगल-काल में लगान के महकमे में अधिकतर हिंदू कर्मचारी ही रखे जाते थे। इसका परिणाम यह हुआ कि राजधानी में शासन-सत्ता के बदल जाने के बावजूद भारत के करोड़ों ग्रामवासियों के जीवन पर कोई विशेष हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ा।

प्रसिद्ध इतिहासकार सर जदुनाथ सरकार ने अकबर के राज्यारोहण से लेकर मुहम्मदशाह के निधन (1556-1749 ई.) तक के 200 वर्षीय मुगल-शासन का मूल्यांकन करते हुए लिखा है--''मुगल काल में जब कोई नया सूबेदार नियुक्त किया जाता था, तब उसे अन्य बातों के साथ ही यह हिदायत भी दी जाती थी कि रय्यत को इस बात के लिए प्रोत्साहन देना कि वे खेती को उन्नत करें। कोई चीज़ उनसे जबरदस्ती न छीनी जाए। यह याद रहे कि रय्यत ही राज की आमदनी का एकमात्र स्थायी ज़रिया है।.....

उस समय के ऐतिहासिक दस्तावेजों और पत्रों से जाहिर है कि मुग़ल साम्राज्य के अधिराज की नीति सदा यही होती थी कि रय्यत पर किसी तरह का अत्याचार न होने पाए। यह बात साबित की जा सकती है कि यह नीति केवल एक शुभकामना ही न थी, बल्कि यही उस समय की सच्ची हालत थी। शाहजहाँ और औरंगजेब के समय की अनेक ऐसी घटनाएँ उस समय के इतिहास से मिलती हैं, जिनमें कि ज्योंही माल के महकमें के किसी कर्मचारी या किसी प्रांत के सूबेदार की सख्ती या ज़बरदस्ती की कोई शिकायत प्रजा की ओर से बादशाह के कानों तक पहुँची, तुरंत उस राजकर्मचारी को या उस सूबेदार तक को बरखास्त कर दिया गया।'' ('विश्ववाणी' पत्रिका के जुलाई, 1931 अंक में प्रकाशित सर जदुनाथ सरकार का लेख 'मोगल शासन की झाँकी')

मुगल बादशाह अकबर के एक दरबारी विद्वान और विश्वस्त मंत्री अबुल फज़्ल ने भक्तकवि सूरदास (?) को उनके एक पत्र के जवाब में एक खत लिखा था। शेख अबुल फज़्ल अल्लामी के भानजे अब्दुल समद बिन अफ्ज़ल मुहम्मद ने 1606-1607 ई. में अबुल फज्ल के पत्रों का संकलन किया था। यह संकलन 'मुकातेवात-ए-अल्लामी', 'इंशा-ए-अबुल फज़्ल' अथवा 'मुकातेवात-ए-अबुल फज़्ल' के नाम से प्रसिद्ध है। इस किताब के तीन भाग हैं। इसी किताब के दूसरे भाग में सूरदास के नाम लिखा गया वह खत संकलित है।

गौरतलब है कि प्रशासनिक सुगमता के दृष्टिगत अकबर ने अपने साम्राज्य को 15 सूबों में बाँटा था- दिल्ली, आगरा, अवध, इलाहाबाद, अजमेर, अहमदाबाद, मालवा, बिहार, बंगाल-उड़ीसा, खानदेश, बरार, अहमदनगर, मुल्तान-सिंध, काबुल और लाहौर (पंजाब)। 1584 ई. में नवगठित इलाहाबाद सूबे में 10 जिले शामिल थे--इलाहाबाद, गाज़ीपुर, बनारस, जौनपुर, मानिकपुर, चुनार, मथखोडा, कालिंजर, कोडा और कड़ा। 1584 ई. में इलाहाबाद का किला बना और सूबे की राजधानी जौनपुर से स्थानांतरित होकर वहाँ चली गई। बनारस इलाहाबाद सूबे का एक सरकार या जिला बन गया। बनारस सरकार का सबसे पहला फौजदार मिर्जा नवाब किलीच खाँ था। वह 1584 से 1589 ई. तक बनारस का फौजदार रहा। उसके आगरा वापस चले जाने के बाद उसका पुत्र चीन किलीच खाँ जौनपुर का फौजदार बना। व्यापारियों के प्रति चीन किलीच खाँ का रुख बहुत कड़ा था। जैनकवि बनारसीदास ने अपने आत्मकथात्मक ग्रंथ 'अर्धकथानक' में लिखा है कि 1598 ई. में जौनपुर के फौजदार चीन किलीच खाँ ने वहाँ के सब जौहरियों को पकड़ कर इसलिए बंद कर दिया था कि वह जो वस्तु उनसे चाहता था वे उनके पास नहीं थी। एक दिन उसने जौहरियों को बाँधकर चोरों की तरह अपने सामने खड़ा किया और उन्हें कटीले कोड़ों से पिटवाकर छोड़ दिया। बेचारे जौहरी इस अत्याचार से परेशान होकर अपनी चल-संपत्ति के साथ सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए। इस विवरण से स्पष्ट है कि ये दोनों बाप-बेटे अत्याचारी प्रशासक थे। बाप के पदच्युत होने के बावजूद बेटे की प्रवृत्ति नहीं बदली थी। खैर।

1588 ई. में बनारस सरकार के 'करोड़ी' (प्रशासक) ने हिंदुओं पर अत्याचार करना शुरू किया। गौरतलब है कि जिस सरकार का वार्षिक कर-संग्रह ढाई लाख रुपये से अधिक होता था, वहाँ का हाकिम (प्रशासक) 'करोड़ी' कहलाता था।

बनारस के करोड़ी से त्रस्त हिंदुओं के हितों की रक्षा संबंधी फरियाद बादशाह अकबर तक पहुँचाने वाला कोई न था। अब्दुल समद की किताब 'मुंशियात' के अनुसार ऐसे में भक्तकवि सूरदास (?) ने बादशाह अकबर को काशी से एक पत्र लिखा था। उस पत्र में करोड़ी का नामोल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन निश्चित रूप से वह करोड़ी मिर्जा चीन किलीच खाँ ही था। जो भी हो, अबुल फज़्ल के अनुसार भक्त-शिरोमणि सूरदास के पत्र को पढ़ कर बादशाह अकबर को काशी के प्रशासक पर बहुत क्रोध आया। और फिर बादशाह ने अदुल फज़्ल से कह कर भक्त-शिरोमणि को आश्वस्तिपरक जवाब लिखवाया। उस खत का मज़मून कुछ इस प्रकार है-

परमात्मा को पहचानने वाले ब्राह्मणों, योगियों, संन्यासियों और महापुरुषों के शुभ चिंतन से ही बादशाहों का कल्याण होता है। साधारण से साधारण बादशाह भी अपनी मति के विपरीत भगवद्भक्तों की आज्ञा का पालन करता है। तब जो बादशाह धर्म, नीति और न्याय परायण है, वह तो भक्तों की इच्छा के विपरीत चल ही नहीं सकता।

मैंने आपकी विद्या और सद्बुद्धि की प्रशंसा निष्कपट आदमियों से सुनी है। आपको मैंने मित्र माना है। कितने ही विद्वानों एवं सत्यनिष्ठ ब्राह्मणों के मुँह से मैंने सुना है कि आप इस ज़माने के भक्त-शिरोमणि हैं। आपकी तपश्चर्या की परीक्षा हुई है; और आप उसमें खरे उतरे हैं। हाल ही में हजरत अकबर बादशाह इलाहाबाद पधारने वाले हैं। आशा है आाप वहाँ आकर उनसे मिलेंगे।

ईश्वर को धन्यवाद कि बादशाह आपको परम धर्मज्ञ जानकर अपना परम मित्र समझते हैं। भगवान मुझे भी आपके दर्शन का लाभ शीघ्र दे, जिससे इस दास को भी आपका सत्संग मिले और आपके वचनामृत सुनकर मैं भाग्यशाली बनूँ।

'सुना है काशी के करोड़ी का बरताव अच्छा नहीं है। बादशाह को यह सुनकर बहुत बुरा लगा है। बादशाह ने उसकी बरखास्तगी का फ़रमान लिख दिया है। अब नए करोड़ी की नियुक्ति का भार बादशाह ने आपके ही ऊपर छोड़ा है।

इस तुच्छ अबुल फज्ल को हुक्म हुआ है कि आपको इसकी इत्तला दे दे। आप ऐसे करोड़ी का चयन कीजिए, जो गरीब और दुखी प्रजा जनों का समस्त भार सँभाल सके। आपकी सिफ़रिश (अनुशंसा) आने पर बादशाह उसकी नियुक्ति करेंगे। बादशाह आप में खुदा की रहमत देखते हैं इसलिए उन्होंने आपको यह तकलीफ़ दी है। वहाँ पर ऐसा हाकिम होना चाहिए, जो आपकी सलाह के मुताबिक काम करे। कोई खत्री जिसे आप काबिल समझें, ऐसा व्यक्ति जो ईश्वर को पहचान कर न्याय और प्रेम से प्रजा का लालन-पालन करे, उसका नाम आपकी तरफसे आने पर करोड़ी नियुक्त कर दी जाएगी। परमेश्वर आपको सत्कर्म करने की श्रद्धा दे और आपको सत्कर्म के ऊपर स्थिर रखे।''

विशेष सलाम।

दास,

अबुल फज़्ल। ध्यातव्य है कि यद्यपि सूरदास (1478-1583 ई.) भी अकबर (1542-1605 ई.) के समकालीन थे, तथापि वे काशी में न रह कर आगरा के निकट गऊघाट पर रहते थे। 1583 ई. में ब्रजमंडल में गोवर्धन के निकट उनकी जीवनलीला का अंत हुआ था। संयोगवश समकालीन दूसरे भक्त-शिरोमणि तुलसीदास (1532-1623 ई.) उस कालखंड में प्राय: काशी में रहते थे। तुलसीदास ने अपने दीर्घ जीवन का अधिकांश समय काशी में ही बिताया था। जब वे बारह वर्ष के थे, तब काशी के पंचगंगाघाट पर अपने गुरु शेषसनातन जी के पास रहकर पढ़ने लगे। पंद्रह वर्षों तक अध्ययन करने के बाद वे काशी से अपने गाँव राजापुर (चित्रकूट) लौट गए। पैंतीस वर्ष की अवस्था में गृहत्याग करने के बाद, घूम-फिर कर पुन: काशी पहुँचे। सत्रह वर्षों तक तीर्थाटन किया, पुन: काशी आए और अंतत: यहीं रह गए। 1574 ई. में 'रामचरितमानस' की रचना उन्होंने अयोध्या में शुरू की; परंतु किष्किंधाकांड से लेकर उत्तरकांड तक की रचना काशी में की।

यह भी गौरतलब है कि बादशाह अकबर के प्रियपात्र अब्दुर्रहीम खानखाना 1589 से 1599 ई. तक जौनपुर के सूबेदार थे। रहीम बड़े मनसबदार होने के साथ ही अच्छे कवि भी थे और गोस्वामी तुलसीदास से उनकी मित्रता भी थी।

अकबर के शासनकाल में पं. नारायण भट्ट और गोस्वामी तुलसीदास की प्रेरणा से भदैनी (काशी) के एक भूमिहार ब्राह्मण जमींदार टोडर राय द्वारा 1585 ई. में काशी के विश्वनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना की गई थी। राजा टोडर राय तुलसीदास के मित्र थे।

तुलसीदास की काव्यकृति 'विनयपत्रिका' में अकबर-जहाँगीर युग की काशी की झलक मिलती हैं। काशी के तत्कालीन धार्मिक और सामाजिक वातावरण से तुलसीदास बहुत क्षुब्ध थे। विनयपत्रिका में एक जगह उन्होंने उस दुरवस्था का वर्णन किया है। वे कहते हैं- हे दीनदयालु प्रभु राम तीन दारुण तापों--पाप, दारिद्रय और दु:ख--से दुनियाँ जली जा रही है। समस्त सुख दूर चले गए हैं। नास्तिकता ने राजनीति, धर्मशास्त्र, श्रद्धा, भक्ति और कुल-मर्यादा की प्रतिष्ठा को चौपट कर दिया है। संसार में न तो आश्रम-धर्म है और न वर्ण-धर्म। लोक और वेद--दोनों की मर्यादा नष्ट होती जा रही है। पापग्रस्त प्रजा का ह्रास हो रहा है, लेकिन लोग अपनी धुन में मग्न हैं। शांति, सत्य और सुमार्ग शून्य हो गए हैं और दुराचार एवं छल-कपट की वृद्धि हो रही है। सज्जन कष्ट पा रहे हैं और दुर्जन मौज कर रहे हैं।

उनकी एक अन्य रचना 'कवित्त रामायण' के उत्तरकांड में उस समय की आर्थिक दशा का जो वर्णन किया गया है, वह यद्यपि पूरे उत्तरी भारत के लिए है, तथापि काशी उसका अपवाद नहीं है।

चूँकि तुलसीदास अक्सर काशी में रहकर ही रचना कर रहे थे, अत: इस कवित्त में काशी का स्पष्ट उल्लेख न होते हुए भी हम समझ सकते हैं कि वह काशी की आर्थिक दशा का परिचायक है। उन्होंने लिखा है-

खेती न किसान को भिखारी को न भीख बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी।
जीविकाविहीन लोग, सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई का करीं।'
बेदहू पुरान कही लोकहू बिलोकियत,
साँकरे सबै पै रामरावरे कृपा करी।
दारिद-दसानन दबाई दुनी दीनबंधु,
दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी।

तुलसीदास के वर्णनों से स्पष्ट है कि अकबर तक के समय में काशी में किसानों-मजदूरों और व्यापारियों की दशा शोचनीय थी। लोगों को काम नहीं मिल पा रहा था। बेरोजगार लोग इधर-उधर भटक रहे थे। भिखारियों को भिक्षा देने वाला भी कोई नहीं था। काशी सहित पूरे उत्तरी भारत में सब कुछ भगवान भरोसे ही चल रहा था।

उस पूरे कालखंड में प्रजा रोजी-रोटी की चिंता से परेशान थी। बार-बार दुर्भिक्ष पड़ रहे थे। राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अनिश्चितता का वातावरण था। परंपरागत रोजगारों से भरण-पोषण नहीं हो पाने के कारण लोग अपने पैतृक रोजगारों को छोड़कर दूसरे धंधे तलाश रहे थे। प्रशासनिक अमला और छोटे कर्मचारी किसानों को बहुत परेशान कर रहे थे। जब-तब फैलने वाली महामारियों के प्रकोप से लोग कीड़े-मकोड़े की तरह मर रहे थे। लोगों की दशा सुधारने वाला तो दूर, कोई सुधि लेने वाला भी नहीं था। आम लोग किंकर्तव्यविमूढ़ होकर मन में 'कहाँ जाई का करी' के भाव लेकर चतुर्दिक भटक रहे थे। महाकवि तुलसीदास अपनी साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से इसी युग-सत्य का उद्घाटन कर रहे थे।

एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अब्दुल समद की किताब 'मुंशियात' में काशी के करोड़ी द्वारा प्रजा को उत्पीड़ित करने की उक्त घटना 1588 ई. (वि. संवत् 1645) की बताई गई है; जबकि सूरदास 1583 ई. में ही दिवंगत हो गए थे, इसलिए अधिक संभव है कि काशी के लोगों के हितों की रक्षा के संबंध में वह पत्र भक्तकवि तुलसीदास ने बादशाह अकबर को लिखा हो; और अबुल फज़्ल ने बादशाह के निर्देश पर तुलसीदास जी को ही उसका प्रत्युत्तर भेजा हो। ऐसा प्रतीत होता है कि अबुल फज़्ल के भानजे अब्दुल समद की किताब 'मुंशियात' में भ्रमवश तुलसीदास के स्थान पर सूरदास का नामोल्लेख कर दिया गया है।

कुमार निर्मलेन्दु
जिला आपूर्ति अधिकारी,
गाजीपुर
उत्तर प्रदेश

लेखक परिचय:
बिहार के शेखपुरा जिलान्तर्गत सादिकपुर नामक गाँव में 21 अक्टूबर, 1967 को जन्म। ढाई दशकों से राजकीय सेवा में। वर्तमान में उत्तर प्रदेश खाद्य एवं रसद विभाग में राजपत्रित अधिकारी के रूप में कार्यरत। साहित्य एवं संस्कृति संबंधी विषयों पर पत्र-पत्रिकाओं में अनियमित लेखन। 'राजकमल प्रकाशन समूह' के लोकभारती प्रकाशन से 5 पुस्तकें प्रकाशित- (1) 'मगधनामा', (2) 'प्रयागराज और कुंभ', (3) 'कौशांबी', (4) 'दिनकर: एक पुनर्विचार' तथा (5) 'कश्मीर: इतिहास और परंपरा'। उपकार प्रकाशन, आगरा से 'सामान्य हिंदी, रूपरेखा, व्याकरण एवं प्रयोग' शीर्षक पुस्तक भी प्रकाशित। प्रो. कृष्ण कुमार सिंह के साथ मिलकर 'प्रेमचंद: जीवन-दृष्टि और संवेदना' नामक पुस्तक का संपादन (नई किताब प्रकाशन, दिल्ली); और डॉ. गणेश पाण्डेय के साथ मिलकर 'यात्रा' नामक अनियतकालीन साहित्यिक लघु-पत्रिका का संपादन। वर्ष 2019-20 के 'महावीर प्रसाद द्विवेदी पुरस्कार' से सम्मानित।

निधिवन में शरद पूर्णिमा की रात में कामदेव पर भारी पड़े कृष्ण : मीरा बाई

- श्रध्दा भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई शरद पूर्णिमा
- 5 क्विंटल दूध की बनी खीर से हजारों श्रदालु हुए तृप्त
- श्रदालुओं ने प्राप्त किया चाँदनी रात में खीर का प्रसाद
- मीरा आश्रम में उमड़ा आस्था का सैलाब
- शरद पूर्णिमा से हुई शरद ऋतु की शुरुआत

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। शरद पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम भेडन्टी स्थित मीरा आश्रम में विशाल शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। करीब पाँच क्विंटल दूध से बनी खीर कृष्ण भोग के लिए तैयार करवाई गई। रविवार मध्य रात्रि चाँदनी में एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने शरद पूर्णिमा खीर अमृत भोग का प्रसाद प्राप्त किया। इसके अलावा खीर वितरण का आयोजन देर रात्रि तक जारी रहा। रविवार शाम शरद पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया।

प्रसाद स्वरूप खीर वितरण से पूर्व कृष्ण भक्ति गीतों के साथ विशेष कलाकारों द्वारा जिसमें मौजी की ढ़ाणी कोटपूतली से विजय महासी और वहीं नेहड़ा प्रोग्राम प्रस्तुति के लिए गाँव मूसनौता से महेश महासी कलाकार द्वारा संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम प्रमुख रजनीदास ने की। उनके सानिध्य में सुप्रसिद्ध कथावाचक कृष्णा किशोरी सहित मुख्य अतिथि स्वरूप भरतपुर से पहुंचे विजय सिंह मीणा और विशिष्ट अतिथ स्वरूप सेविका रामेश्वरी, नारायण पुर से पुष्पा देवी, अलवर से मोहिनी देवी, संता देवी और आश्रम संचालक प्रीतमदास द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्था और अतिथि आवागमन का दायित्व निर्वहन किया।

इस विशेष शुभ अवसर पर मीरा बाई ने भगवान श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं सहित कृष्ण-रूकमणी के विवाह का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि बृज की गोपियां भगवान श्रीकृष्ण को पति रूप में पाने के लिए कात्यायनी देवी की आराधना कर रही थी। भगवान ने उनका मनोरथ पूर्ण करने के लिए शरद पूर्णिमा को जब चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं से उदय हुआ, तब वृन्दावन में प्रवेश कर महारास की इच्छा से बांसुरी का वादन किया।

बांसुरी की धुन सुनकर गोपियां घर के काम छोड़कर वृंदावन पहुंची। महारास का आयोजन कामदेव पर विजय प्राप्त करने के लिए किया गया था। मीरा बाई ने कहा कि, कामदेव को बड़ा अभिमान था कि मैंने तीनों लोकों में सब पर विजय प्राप्त कर ली। कामदेव ने एक बार भगवान के पास आकर युद्ध करने की इच्छा प्रकट की। तब भगवान ने उससे कहा कि जब मैं अनंत कोटि गोपियों के साथ महारास करूं, तब आकर तुम अपना प्रहार करना।

कामदेव ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू किया। लेकिन, बेअसर रहा। चुंकि, भगवान कृष्ण के महारास में काम की गंध नहीं थी, जिससे कामदेव परास्त हो गया। इसके बाद भगवान कृष्ण मथुरा पहुंचे जहाँ आतताई कंस के अत्याचार को समाप्त करने के लिए कंस का वध किया और महाराज उग्रसेन को जेल से मुक्त किया। मीरा बाई ने कहा कि, हाथी से लेकर चींटी के गले में बंधी घंटी की आवाज भी परमात्मा को सुनाई देती है। उन्होंने आगे कहा कि, चोर-साहूकार पर नज़र और भूखे और गरीब असहाय जरूरतमंद की सुध भी सच्चिदानंद को हर वक्त रहती है।

इस शरद पूर्णिमा कार्यक्रम के अवसर पर आश्रम में रविवार शाम से श्रद्धालुओं की भीड़ का जमावड़ा देखा गया। इस दौरान सद् गुरू स्वरूप मीरा आश्रम प्रमुख महंत रजनी दास के सान्निध्य में सुप्रसिद्ध कथावाचक कृष्णा किशोरी सहित प्रीतम दास और विजय सिंह मीणा, रामेश्वरी, पुष्पा देवी, मोहिनी देवी, संता देवी और आश्रम श्रदालु उपस्थित रहे।

"विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन"

शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक स्तरों पर स्वस्थ होना ही पूर्ण स्वास्थ्य है. आज पूरी दुनिया मे मनुष्य मानसिक स्वास्थ्य और अन्यान्य मनो रोगों की समस्याओं से जूझ रहा है. मनोविज्ञान वस्तुत: मनुष्य की प्रवृत्तियों का धनात्मक अध्ययन है जो हमारी मानसिक अवस्थाओं तथा उनकी विसंगतियों का गंभीर विश्लेषण करता है. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज में आज दिनांक 10 अक्टूबर, 22 को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आधार वक्तव्य देते हुए पीजी कालेज के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वी डी मिश्र (से.नि.) ने उक्त उद्गार व्यक्त किया. उन्होंने अपने वक्तव्य में मनुष्य और पशु समाजों का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि मनुष्य समाज आध्यात्मिकता के स्तर पर पशु समाज से भिन्न है जो मनुष्य को मानसिक स्वास्थ्य की आदर्श स्थिति को प्राप्त करने के लिए आधार भूमि तैयार करती है. विशिष्ट वक्ता डॉ. यशवंत कुमार सिंह ने अपने वक्तव्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मानसिक स्वास्थ्य को एक महत्वपूर्ण विषय के रूप में जागरूकता अभियान का केंद्र बनाने की पृष्ठभूमि की विवेचना की. उन्होंने कहा कि 1992 से विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाता है तथा इस दिन एक विशेष थीम के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं. राजकीय महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विषय के अध्यक्ष प्रो. शिवकुमार ने वर्तमान परिदृश्य में अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों के नेटवर्क में घिरे मनुष्य के लिए अपने मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा को बेहद जरूरी और कठिन कार्य बताया. कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी के राय ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति में योग तथा खेलों का विशेष महत्व है जो शारीरिक एवं मानसिक ऊर्जा के विशिष्ट साधन हैं. प्रो. राय ने अपने वक्तव्य आधुनिक जीवन शैली के समांतर ध्यान केंद्रित यौगिक क्रियाओं के अभ्यास पर बल दिया तथा कहा कि यौगिक क्रियाएं मानसिक स्वास्थ्य की सर्वोत्तम औषधि हैं. कार्यक्रम का प्रथम भाग एक कार्यशाला के रूप में था जबकि द्वितीय सत्र का आकर्षण छात्रों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन था.कार्यक्रम का आरंभ सुश्री संजना कुशवाहा के स्वागत गीत से हुआ. डॉ. कंचन सिंह ने स्वागत भाषण तथा तूलिका श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन प्रस्तुत किया.कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कंचन सिंह तथा संचालन डॉ नरनारायण राय ने किया.अंत मे मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राम नगीना सिंह यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

23 लाख की लागत से निर्मित सड़क व नाली का लोकार्पण नगर पालिका द्वारा किया गया

गाजीपुर। नगर पालिका परिषद गाजीपुर द्वारा नगर में चल रहे विकास कार्यों के लोकार्पण का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद द्वारा इन्द्रपुरी कालोनी में बनाए गए सड़क का लोकार्पण मुख्य अतिथि भाजपा लोकसभा गाजीपुर के संयोजक व प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य श्री कृष्ण बिहारी राय एवं नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि श्री कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि जिस प्रकार से पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल व उनके पति विनोद अग्रवाल द्वारा अपने सभी सभासदों के सहयोग से भेदभाव, क्षेत्रवाद एवं जातिवाद से ऊपर उठकर सबको साथ लेकर नगर का बहुमुखी विकास किया है वह एक अद्भुत मिसाल है। जिस प्रकार से पालिका अध्यक्ष योजनाबद्ध तरीके से नगर के विकास का मानक तय करती है एवं इस बात का विशेष ध्यान रखती हैं कि कौन सी सड़क बननी सबसे आवश्यक है उसको प्राथमिकता के आधार पर काम कराती है ऐसी सोच बेहद प्रशंसनीय है। प्रत्येक क्षेत्र में विकास के लिए दिन-रात प्रयास करते रहते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि नगर पालिका नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के आपूर्ति हेतु लगातार प्रयास कर रही है एवं कृत संकल्पित भी है। पानी, सफाई, रोशनी, सड़क एवं सभी चीजों को बेहतर करने का प्रयास किया गया है एवं आमजनता से सहयोग की भी कामना करती हूँ।

पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि ''वार्ड नं0 6 के इन्द्रपुरी कालोनी में अर्बन बैक से अंगद राय, सुधीर प्रधान के मकान से केशव राय के मकान होते हुए आबकारी कार्यलय के सामने तक इण्टरलाकिंग सड़क व ढक्कनयुक्त नाली का निर्माण'' लगभग 23 लाख की लागत से किया गया है जो आज आमजन की सुविधा हेतु लोकार्पित किया गया है। उन्होंने इस सड़क के बनने में विलम्ब पर खेद भी व्यक्त किया। उन्होंने नगर पालिका द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की विस्तृत चर्चा करते हुए सड़कों के निर्माण के अतिरिक्त हैण्डपम्प मरम्मत, पम्प हाउस मरम्मत, ओवर हैण्ड टैंक की सफाई-रंगाई-पोताई, कुँओं का सौन्दर्यीकरण, मार्ग निर्देशन पट्ट आदि की चर्चा करते हुए हाउस टैक्स-वाटर टैक्स (स्वकर) में 50 प्रतिशत की कमी को लागू करने के बारे में भी अवगत कराया।

कार्यक्रम में रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष डा0 यू0सी0 राय ने भी नगर पालिका द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि की जो जिम्मेदारियाँ होती है और जनता की जो अपेक्षाएँ होती है उनपर शत प्रतिशत खरा उतरने का कार्य अग्रवाल दम्पत्ति ने किया है।

वाल्मीकि जयन्ती समारोह सोल्लास सम्पन्न

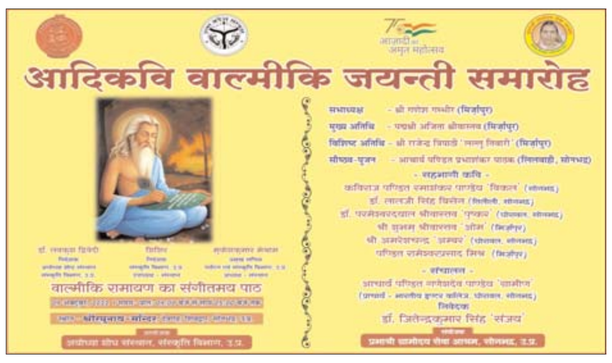

देवगढ़ के नवनिर्मित श्रीरघुनाथ-मन्दिर में अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रभाश्री ग्रामोदय सेवा आश्रम देवगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती का आयोजन सोल्लास सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारम्भ आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के सौष्ठव पूजन से हुआ।

प्रख्यात ज्योतिर्विद् एवं यज्ञाचार्य पण्डित प्रभाशंकर पाठक ने वैदक मन्त्रों से भगवान् वाल्मीकि का अमृताभिषेक किया। सभाध्यक्ष नवगीतकार गणेश गम्भीर, मुख्य अतिथि पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र त्रिपाठी उपाख्य लल्लू तिवारी ने दीपदान के साथ समारोह का विधिवत् शुभारम्भ किया।

सर्वप्रथम द्वादशवर्षीया आर्या भव्यानी सिंह ने तुलसीकृत श्रीरामचन्द्र-स्तवन की सस्वर प्रस्तुति से भक्तिमय वातावरण का सृजन किया। तदुपरान्त यज्ञाचार्य पण्डित प्रभाशंकर पाठक के नेतृत्व में आठ घण्टे तक वाल्मीकि रामायण का संगीतमय पाठ हुआ। भजनानन्दी साधकों के घरों में अधिकांशत: गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस का अखण्ड पारायण होता है। वाल्मीकि रामायण का पाठ ग्रामीण अंचल के निवासियों के लिए सर्वथा दुर्लभ है, इसलिए रसिक श्रोता वाल्मीकि रामायण के पाठ का अनुश्रवण कर रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विद्वत्पूजन एवं कविगोष्ठी का आयोजन किया गया। राजेन्द्र त्रिपाठी की वाणी-वन्दना से कविगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह %संजय% ने आदिकवि शीर्षक रचना का पाठ कर भगवान् वाल्मीकि के प्रति अपनी भावप्रवण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कविवर अमरेशचन्द्र अम्बर ने देश की वर्तमान परिस्थिति का चित्रांकन करते हुए अपनी कविताओं से कश्मीर-समस्या का स्थायी निदान सुझाया।

हास्य-व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. लालजी सिंह बिसेन ने क्षणिकाओं के माध्यम से जीवन के यथार्थ का अनुभव कराया। नवगीतकार डॉ.परमेश्वरदयाल श्रीवास्तव ने अपने नवगीतों से चिन्तन के नवीन आयाम प्रस्तुत किये। प्राचार्य गणेशदेव पाण्डेय ग्रामीण ने भ्रष्टाचार, आतंक एवं ग़रीबी से जूझ रहे हिन्दुस्तान का यथार्थ चित्रण किया।

सोनांचल के कविकुलकुलगुरु पण्डित रमाशंकर पाण्डेय विकल ने कहे बरसे नयनवाँ तोर गोरिया, भीजे तोहरे अँचरवा के छोर गोरिया का सस्वर पाठ करके श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया।

मिर्ज़ापुर से आये गीत विधा के हीरक हस्ताक्षर राजेन्द्र त्रिपाठी उपाख्य लल्लू तिवारी ने हिन्दी-भोजपुरी के अनेक मनहर गीतों का पाठ करके समारोह को नूतन ऊँचाई प्रदान की। मुख्य अतिथि पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव ने भगवान् श्रीराम को केन्द्र में रखकर अनेक गीतों की कर्णप्रिय प्रस्तुति दी। समारोह के अध्यक्ष नवगीतकार गणेश गम्भीर ने गीतों और ग़ज़लों से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन गणेशदेव पाण्डेय ग्रामीण ने तथा आगत-स्वागत एवं धन्यवाद-ज्ञापन संयोजक डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह संजय ने किया। इस अवसर पर राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह, बाबू महेन्द्रबहादुर सिंह, लेखपाल अवधेश दुबे, बाबू शंकरप्रसाद सिंह, धर्मेन्द्रकुमार सिंह, ज्ञानेन्द्रकुमार सिंह, जय श्रीवास्तव, अजय सिंह गहरवार, अरुण सिंह कौशिक, राजेन्द्रबहादुर सिंह, अरविन्द कुमार आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।